जबलपुर गुरुवार 27 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
वर्ष 32 अंक 60 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 29.5°C
न्यूनतम तापमान 24.4°C
सूर्योदय - 5.51 | सूर्यास्त - 6.32

हड़ताल के प्रतिनिधि मंडल ने बिहार के मुख्यमंत्री... ▸▸ 4

कौन होणार करोड़पति' में होस्ट की भूमिका में नजर... ▸▸ 7

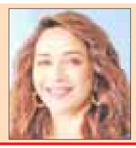

मां नर्मदा के थरेरी घाट से शिव धाम डमरू घाटी... ▸▸ 8

महाकाल मंदिर में कांवड़ियों का हंगामा, बैरिकेड तोड़ गर्भगृह में घुसने की कोशिश

नंदी हॉल में प्रवेश को लेकर विवाद, सुरक्षाकर्मियों से मारपीट

उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार दोपहर दर्शन के दौरान उस समय हंगामा हो गया, जब कुछ कांवड़ियों ने नंदी हॉल में प्रवेश कर गर्भगृह की ओर जाने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो विवाद बढ़ गया और हाथापाई की स्थिति बन गई। मंदिर सूत्रों के अनुसार, कांवड़िए निर्धारित दर्शन व्यवस्था के तहत भगवान महाकाल को जल चढ़ाने के बजाय नंदी हॉल की ओर जाने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ गए। आरोप है कि इस दौरान बैरिकेड और दान पेटियों को भी इधर-उधर फेंका गया। विवाद बढ़ने पर सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट भी हुई। घटना में एक सुरक्षा कर्मी के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि कुछ अन्य कर्मचारियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद मंदिर की सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मंदिर सूत्रों ने इसे व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास बताया है।

धार्मिक आस्था की आड़ में मनमानी स्वीकार नहीं

मंदिर प्रबंध समिति ने स्पष्ट किया है कि धार्मिक आस्था की आड़ में सुरक्षा व्यवस्था से छेड़छाड़, बैरिकेडिंग तोड़ना, मंदिर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, सुरक्षाकर्मियों से मारपीट अथवा निर्धारित दर्शन व्यवस्था का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। समिति ने ऐसे कृत्यों में शामिल लोगों के खिलाफकानून के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही है।

बाबा महाकाल को सबसे पहले बंधेगी राखी

रक्षाबंधन पर्व को लेकर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। परंपरा के अनुसार देश-दुनिया में राखी बांधने से पहले सबसे पहली राखी राजाधिराज भगवान महाकाल को अर्पित की जाएगी। श्रावण मास के अंतिम दिन तड़के होने वाली भस्म आरती में विशेष पूजन और शृंगार के बाद बाबा महाकाल को करीब 2 फीट लंबी भव्य राखी अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर भगवान को सवा लाख लड्डुओं का महाभोग भी लगाया जाएगा। रक्षाबंधन के दिन तड़के करीब 3 बजे होने वाली भस्म आरती में भगवान महाकाल का जल, दूध, दही, शहद और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सूखे मेवों और भांग से बाबा का विशेष शृंगार किया जाएगा। पूजा-अर्चना के बाद पुजारी परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई विशेष राखी अर्पित की जाएगी। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार पुजारी परिवार की महिलाएं बाबा महाकाल के लिए विशेष रक्षासूत्र तैयार करती हैं। इस बार करीब 2 फीट लंबी राखी बनाई जा रही है। इसे रेशम के धागों, स्पंज, आभूषणों और विशेष वस्त्रों से सजाया जा रहा है। राखी तैयार करने में करीब आठ दिन लगते हैं और इसे श्रावण मास के उपवास व मंगल गीतों के बीच श्रद्धा और पवित्रता के साथ तैयार किया जाता है।

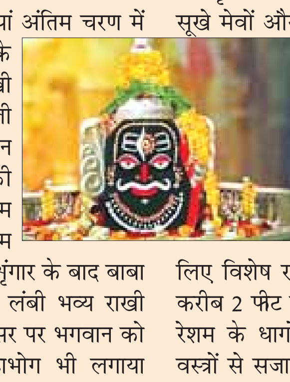

जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंच बनाएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंचने की कोशिशें फिर शुरू की हैं। आयोग का मकसद उन्हें जागरूक वोटर बनाना है, जो चुनावी प्रक्रिया से अच्छी तरह परिचित हों और भविष्य में लोगों को जागरूक करने वाले अभियानों की अगुआई कर सकें। आयोग के नए अभियान में देश की 4,123 विधानसभा सीटों के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली बच्चों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल होंगे। आयोग 50 हजार चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हर विधानसभा सीट में ऐसे 10 क्लब बनाए जाएंगे। इसके लिए, आयोग 15 लाख स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से संपर्क करेगा।

लैंडिंग के बाद 30 मिनट विमान में फंसे रहे यात्री

इंदौर। दिल्ली से इंदौर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 1090 बुधवार को तीन घंटे से अधिक देरी से चली। फ्लाइट को दोपहर एक बजकर दस मिनट पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान भरनी थी। बाद में इसे दोपहर 3 बजे के लिए रीशेड्यूल किया गया, लेकिन इसके बाद भी विमान उड़ान नहीं भर सका। जानकारी के मुताबिक, इंदौर एयरपोर्ट पर शाम करीब सवा पांच बजे लैंडिंग के बाद विमान का इंजन बंद करने वाला स्विच काम नहीं कर रहा था। इसके चलते यात्रियों को विमान से बाहर निकलने के लिए करीब 30 मिनट इंतजार करना पड़ा। स्विच के काम करने के बाद यात्रियों को विमान से उतारा गया। देरी के बीच यात्रियों की परेशानी उस समय और बढ़ गई, जब विमान का एसी भी काम नहीं कर रहा था। गर्मी और उमस के कारण यात्रियों को पैंफ लेट से हवा करनी पड़ी।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, 96 की मौत

कई गांव और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बहे ,105 भारतीयों समेत 1000 से ज्यादा लापता

काठमांडू

उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में बुधवार को अचानक आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी। तिब्बत सीमा से लगे सिंधुपालचोक और रसुवा जिलों के कई इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया। तेज बहाव की चपेट में कई गांव, सड़कें और अन्य संरचनाएं प्रभावित हुई हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस आपदा में देर रात तक 96 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 1000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। नेपाल पर्यटन विभाग के अनुसार, 300 विदेशी नागरिकों के लापता होने की जानकारी सामने आई है, जिनमें 135 भारतीय शामिल हैं। इसके अलावा 93 नेपाली नागरिकों के भी लापता होने की सूचना है।

पीएम मोदी ने जताया दुख

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से मची भारी तबाही पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। पीएम मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से फोन पर बात कर इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस संकट और मुश्किल घड़ी में भारत के लोग नेपाल के साथ खड़े हैं।

15 हाइड्रो पावर परियोजनाएं प्रभावित

बाढ़ के तेज बहाव से नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। नेपाल के स्वतंत्र बिजली उत्पादक संघ के अनुसार, भोटे कोशी नदी क्षेत्र में 15 हाइड्रो पावर परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। इनमें 10 परियोजनाएं पहले से संचालित थीं, जबकि पांच परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा था। अचानक बढ़े जलस्तर और तेज बहाव के कारण परियोजनाओं के आसपास की सड़कें, संपर्क मार्ग और अन्य बुनियादी ढांचे भी प्रभावित हुए हैं। कई स्थानों पर बिजली उत्पादन और निर्माण कार्य बाधित होने की आशंका है। अधिकारियों की टीमें प्रभावित परियोजनाओं और बांधों की स्थिति का जायजा ले रही हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की तलाश तेज

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए नेपाल का रसुवागढ़ी मार्ग अहम रास्ता है। बाढ़ के कारण नेपाल-चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क को भारी नुकसान पहुंचा है। कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित हैं। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है। यह बौद्ध, जैन और बोन परंपरा के अनुयायियों के लिए भी पवित्र स्थल है। भारत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हर साल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते तिब्बत की ओर जाते हैं। इस बार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों के संपर्क से बाहर होने के बाद उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है।

नेपाल से बढ़ा खतरा, बिहार में हाई अलर्ट

भीषण फ्लैश फ्लड के बाद नेपाल के उत्तरी इलाके में बुधवार को अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में अचानक पानी बढ़ने से कई इलाकों में सड़क, पुल और दूसरी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में फ्लैश फ्लड की स्थिति के बीच बिहार में गंडक नदी के जलप्रवाह में अचानक बढ़ोतरी की आशंका जताई गई है। संभावित खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने गंडक नदी से जुड़े जिलों में हाई अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि नदी में करीब तीन मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आ सकती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन नम्बर जारी किये

नेपाल में भारतीय दूतावास ने वहां अचानक आयी बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता और उनके बारे में जानकारी हासिल करने के लिए आपातकालीन नंबर जारी किये हैं। दूतावास ने कहा है कि बाढ़ के कारण फंसे भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी के लिए 977 985 131 6807 और 977 970 910 7500 नम्बरों पर संपर्क किया जा सकता है। इन दोनों नम्बरों पर व्हाट्सएप के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आपात सहायता की घोषणा की है। प्रभावित लोगों के लिए बुनियादी दवाएं, स्वास्थ्य उपकरण और 15 इमरजेंसी टेंट भेजे जा रहे हैं।

त्योहारों पर बढ़ती महंगाई से आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ा : खड़गे

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ध्यान भटकाने वाले स्टंट और बेतुकी बातों में लोगों को उलझाकर अपनी करतूतों पर पर्दा डालना चाहती है लेकिन कांग्रेस और जनता महंगाई के मुद्दे पर सवाल पूछती रहेगी। श्री खड़गे ने त्योहारों के बीच आम आदमी की रसोई पर पड़ रहे महंगाई के असर का जिक्र करते हुए कहा कि प्याज के दाम एक साल में 59 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और कई शहरों में यह 50 से 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। उन्होंने चीनी की कीमत 60 से 70 रुपये प्रति किलो और कुछ जगहों पर 72 रुपये तक पहुंचने का दावा किया। वहीं, सरसों तेल के दाम 200 रुपये प्रति लीटर से अधिक होने की बात कही। कांग्रेस अध्यक्ष ने खाद्य महंगाई दर 5.52 प्रतिशत और थोक महंगाई दर 9.78 प्रतिशत का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों से भाजपा की सरकार है लेकिन अच्छे दिनों में कभी दाल, कभी सब्जी, कभी तेल और कभी चीनी आम आदमी का बजट बिगाड़ती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को ध्यान भटकाने के बजाय महंगाई पर जवाब देना चाहिए और जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

भारत में दिखाई नहीं देगा इस वर्ष का अंतिम चंद्र ग्रहण

उज्जैन,(वार्ता)। खगोलीय घटनाक्रम के तहत 28 अगस्त को होने वाला इस वर्ष का अंतिम चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। उज्जैन की प्राचीन शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन की रात 28 अगस्त को आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। इस ग्रहण में चंद्रमा का करीब 93.9 प्रतिशत भाग पृथ्वी की गहरी छाया में आ जाएगा। ग्रहण का प्रारंभ रात आठ बजकर तीन मिनट पर होगा। इसका मध्यकाल रात नौ बजकर 42 मिनट पर रहेगा, जबकि मोक्ष रात 11 बजकर 22 मिनट पर होगा।

कर्नाटक में वंदेमातरम के 2 पैरे ही गाए जाएंगे: शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य में वंदे मातरम के सिर्फ दो छंद (पैरे) ही गाए जाएंगे। मैं पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखता हूं और हम इस फैसले पर कायम रहेंगे। भाजपा पर तुष्टीकरण की राजनीति करती है। शिवकुमार बेंगलुरु में इंडिया टुडे के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने कहा- स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में पूरा वंदे मातरम उनकी जानकारी के बिना गाया गया था, लेकिन भविष्य में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में अब राष्ट्रगीत के दो ही छंद गाए जाएंगे। दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने 19 अगस्त को ऐलान किया था कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम गान को लेकर हुए विवाद के बाद आया।

शिक्षक भर्ती आंदोलन में दिग्विजय की हुंकार

5 सितंबर तक मांगें नहीं मानीं तो भूख हड़ताल की चेतावनी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

शिक्षक भर्ती 2025 में पद बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में अभ्यर्थियों का आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा। अनशन पर बैठे अभ्यर्थी नरेंद्र राजपूत की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई थी। इसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। अब मामले में सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बुधवार को शिक्षक अभ्यर्थियों के आंदोलन में पहुंचे। उनके साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी मौजूद रहे। दिग्विजय सिंह ने भूख हड़ताल पर बैठी महिला अभ्यर्थियों से राखी बंधवाई और उनकी मांगों को जायज बताया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि यदि शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगें 5 सितंबर यानी शिक्षक दिवस तक पूरी नहीं हुईं, तो वह खुद भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होंने कहा, मैं 80 साल का नौजवान हूं। हम आपकी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने सरकार से अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की बात कही। आंदोलनकारियों का कहना है कि शिक्षक भर्ती 2025 में पद बढ़ाए जाने से बड़ी संख्या में योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल सकेगा।

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई। हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस को टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा के एक अस्पताल में भेजा गया है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मुख्य सचिव को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

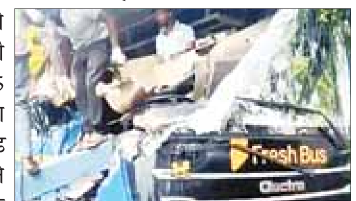

चम्बल औद्योगिक प्रगति से बना रहा है नई पहचान : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मालनपुर में किया गोदरेज की चौथी नवीन एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का दिल तो है ही, अब देश-विदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों के दिलों में भी बसता है। प्रसिद्ध औद्योगिक प्रक्षेत्र मालनपुर में गोदरेज की चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई का शुभारंभ उद्योग जगत के मध्यप्रदेश पर दिनों-दिन बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि चम्बल अब तेजी से बदल रहा है। प्रदेश में हो रही औद्योगिक प्रगति में चम्बल अपने इतिहास को पीछे छोड़कर अब पूरी क्षमता से अपनी एक नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को भिंड जिले के औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की चौथी नवीन एकीकृत औद्योगिक (विनिर्माण) इकाई का शुभारंभ किया। गोदरेज ग्रुप द्वारा लगभग 450 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश से स्थापित यह इकाई मध्यप्रदेश में बढ़ते औद्योगिक विश्वास और ग्वालियर-चंबल अंचल में बदलते निवेश परिदृश्य का महत्वपूर्ण प्रतीक है। गोदरेज की इस चौथी नई एकीकृत विनिर्माण इकाई में 600 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के बदलते स्वरूप के बारे में कहा कि चंबल की भूमि बेहद उपजाऊ है।

गोदरेज कंपनी ने लगातार मध्यप्रदेश में अपना योगदान दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गोदरेज का सफर राज्य की औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्धता और उद्योगों के साथ स्थायी पार्टनरशिप का प्रमाण है। वर्ष 1991 में मालनपुर में अपनी पहली इकाई की स्थापना से लेकर आज अपने विस्तारित मैन्युफैक्चरिंग हब के उद्घाटन तक गोदरेज कंपनी ने लगातार मध्यप्रदेश में रोजगार निर्माण, औद्योगिक विकास और आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दिया है।

तीसरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का हुआ शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश बदल रहा है। यहां लगातार औद्योगिक निवेश आने और फैक्ट्रियों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन का क्रम जारी है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में पिछले करीब दो महीने में आज तीसरी औद्योगिक इकाई का शुभारंभ हो रहा है। पहले गुना में लगभग 1500 करोड़ के निवेश से सीमेंट प्लांट, शिवपुरी में डिफेंस सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और आज मालनपुर में 450 करोड़ के निवेश से गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की नई यूनिट का शुभारंभ हुआ है।

अकीदत के साथ निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, मांगी अमन-चैन की दुआ

ईद मिलाद उन नबी के अवसर पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, जगह-जगह हुए लंगर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश के अवसर पर भव्य जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इस दौरान शहर में गंगा-जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिली, जिसमें मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ अन्य वर्गों के लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। जुलूस के पूरे मार्ग में जगह-जगह लंगर का आयोजन किया गया, जिसने आपसी सौहार्द और सेवा भावना का संदेश दिया। यह जुलूस दोपहर 3 बजे से शहर के बड़ी ओमती, छोटी ओमती, मदार टेकरी, मदार छला, चार खंभा, अधारताल और रद्दी चौकी सहित विभिन्न इलाकों से निकला। इस अवसर पर मौलाना मुफ्ती आजम मप्र महमूद अहमद कादरी ने पूरी इंसानियत को मुबारकबाद दी। उन्होंने पैगंबर साहब की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने कमजोर वर्ग के लोगों को उनका वास्तविक हक और सम्मान दिलवाया। मौलाना कादरी ने संदेश दिया कि पैगंबर साहब की सीख पूरी मानवता के लिए कल्याणकारी है और हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज के हर जरूरतमंद की मदद करनी चाहिए।

अमखेरा में उल्लास के साथ निकाला गया मोहम्मदी जुलूस

इसी प्रकार अमखेरा की 40 फीट कॉलोनी से मोहम्मदी जुलूस बड़े उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोगों ने पूरे रास्ते दरूद-ए-पाक पढ़ते हुए पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा व्यक्त की। जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में आगे बढ़ा और इस दौरान देश की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआएं की गईं। लोगों ने आपसी भाईचारा, सौहार्द और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। जुलूस में बड़ी संख्या में युवा, बुजुर्ग और बच्चे शामिल रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और धार्मिक माहौल नजर आया। आयोजन के दौरान हिंदुस्तान की सलामती और सभी समुदायों के बीच प्रेम, शांति और भाईचारा कायम रहने की दुआ की गई। जुलूस ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सौहार्द का भी संदेश दिया।

सरकार की आमद मरहबा से गूंजा सिहोरा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश के मौके पर बुधवार को सिहोरा में जश्ने ईद मिलादुन्नबी धूमधाम और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस दौरान शहर में 'सरकार की आमद मरहबा' के नारों की गूंज रही। मुस्लिम समाज के लोग हाथों में झंडे लेकर नात और दुरूद शरीफ पढ़ते हुए जुलूस में शामिल हुए। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सुबह मुस्लिम समाज के लोगों ने वाहन रैली निकाली। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली के दौरान शहर में उत्साह का माहौल रहा। शाम को आजाद चौक से जुलूस-ए-मोहम्मदी शुरू हुआ। जुलूस कटरा मोहल्ला, झंडा बाजार, काल भैरव चौक, सरावगी मोहल्ला, मैना कुआं, बाबाताल और सिविल कोर्ट होते हुए पुराने बस स्टैंड पहुंचा। इसके बाद गौरी तिराहा होते हुए जुलूस आजाद चौक पर समाप्त हुआ। रास्ते में कई जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया।

जीआरपी पुलिस की गिरफ्त में ट्रेनों में चोरी करने वाली शातिर गैंग

चार आरोपी हुए गिरफ्तार, लाखों का सामान बरामद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले चार शातिर चोरों को जीआरपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों (सर्विलांस) के आधार पर कार्यवाही करते हुए कुल 3 लाख 65 हजार 300 रुपए मूल्य का चोरी गया सामान बरामद किया है। पहली कार्रवाई में, पुलिस ने तकनीकी सुरागों का पीछा करते हुए नरसिंहपुर निवासी तुलसीराम मेहरा को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया, जिसके बाद उससे 33,700 रुपए की कीमत का एक रियलमी मोबाइल और सोने का मंगलसूत्र बरामद हुआ। इसी क्रम में, तकनीकी साक्ष्यों की जांच के लिए प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) गई पुलिस टीम को भी सफलता मिली। वहां से दो अलग-अलग मामलों में ग्राम सराय मकई, बाबूगंज प्रतापगढ़ निवासी 28 वर्षीय मसीहूउद्दीन और तेलीयरगंज, प्रयागराज निवासी 23 वर्षीय मोहम्मद इबाद को गिरफ्तार किया गया। उनसे 1,37,288 रुपए कीमत के दो मोबाइल बरामद किए गए। जीआरपी जबलपुर ने एनकेजे कटनी निवासी 27 वर्षीय प्रदीप सूर्यवंशी को भी गिरफ्तार किया। आरोपी प्रदीप ट्रेनों में यात्रियों को अपना निशाना बनाता था।

आईफोन भी हुआ बरामद

पुलिस ने उसके पास से कटनी-भुसावल एक्सप्रेस में हुई चोरी का एक रियलमी मोबाइल और 500 रुपए नकद बरामद किए हैं। आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी गहनता से जांच की जा रही है। सबसे अहम सफलता मुंबई-हावड़ा मेल ट्रेन में हुई हाई-वैल्यू चोरी का खुलासा करते हुए मिली, जहां आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 1 लाख 71 हजार 800 रुपए कीमत का एप्पल आईफोन 14 प्रो मैक्स जब्त कर लिया गया। जीआरपी पुलिस ने सभी मामलों में जब्त सामान को विधिवत कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

चार दिवसीय राखी मेले का सफल समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और जिला पंचायत द्वारा 22 अगस्त से संभागीय हाट बाजार में आयोजित चार दिवसीय राखी मेले का आज बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। मेले में स्व सहायता समूहों द्वारा विभिन्न उत्पादों के 25 स्टॉल लगाए गएए जो शहरवासियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। चार दिनों में 500 से अधिक ग्राहकों ने मेले का भ्रमण कर खरीदारी की और स्व.सहायता समूहों द्वारा 2 लाख 50 हजार रुपये से अधिक का व्यापार किया गया। मेले का उद्घाटन के अवसर पर जहां जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया ने स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन कर उनके हुनर और प्रयासों की सराहना की, वहीं मेले के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर स्व सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया और उनके उत्पादों की गुणवत्ताए बिक्री एवं विपणन की जानकारी ली तथा बेहतर पैकेजिंग और विपणन के लिए प्रोत्साहित किया।

मेले में स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित राखियां, हस्तशिल्प, प्राकृतिक एवं गौ आधारित उत्पाद, वनौषधि एवं जैविक उत्पादए हस्तकरघा तथा बांस एवं लाख से निर्मित सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रही।

नि:स्वार्थ सेवा का महान उदाहरण है मदर टेरेसा का जीवन

जयंती के अवसर पर सर्व ईसाई महासभा ने किए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत रत्न से सम्मानित, प्रेम, दया और सेवा की प्रतिमूर्ति मदर टेरेसा की जयंती के उपलक्ष्य में सर्व ईसाई महासभा द्वारा कांचघर स्थित मदर टेरेसा आश्रम पहुंचकर विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आश्रम में निवासरत दिव्यांग बच्चों एवं सिस्टर्स के साथ केक काटकर मदर टेरेसा की जयंती मनाई गई तथा आवश्यक राशन सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन पास्टर जी. स्टेनली सुकुमार द्वारा किया गया। उन्होंने मदर टेरेसा के जीवन एवं उनकी नि:स्वार्थ सेवा के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। सर्व ईसाई महासभा के जिला सचिव नितिन भरोस एवं भाई राजा बाबू ने कहा कि मदर टेरेसा का जीवन नि:स्वार्थ सेवा का महान उदाहरण है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेम, करुणा और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा है। इस दौरान जिला अध्यक्ष डेंजिल आंग्रे एवं फ्रांसिस मरियान द्वारा उपस्थित सभी लोगों को सेवा, प्रेम और मानवता के कार्यों में निरंतर योगदान देने का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम में सर्व ईसाई महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद चैंबर्स, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष शान कुमार, विनय दास, जैरी दयाल, सनी राज, संजय, भावना शर्मा, अर्चना बेंजामिन, श्वेता सैमुअल एवं रोचिका जेम्स सहित सर्व ईसाई महासभा के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में मसीही भाई-बहन उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय में घूमते हुए पकड़ा गया फर्जी वकील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला कोर्ट में विगत दिवस एक युवक के फर्जी वकील बनकर घूमने का मामला सामने आया। वह काला कोट पहनकर पेशी पर आए लोगों से केस के संबंध में बातचीत कर रहा था। उसकी बातों पर वहां मौजूद अधिवक्ताओं को शक हुआ तो पूछताछ की गई। युवक ने खुद को वकील बताते हुए हाईकोर्ट बार का कार्ड दिखाया, लेकिन जांच में कार्ड फर्जी निकला। अधिवक्ताओं ने संदिग्ध युवक को पकड़कर ओमती थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने अधिवक्ता अरविंद दुबे की शिकायत पर सचिन ताम्रकार के खिलाफ बीएनएस की

फर्जी आई कार्ड हुआ बरामद, मामला दर्ज

धारा 319-1 और 336-1 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूछताछ में सचिन ने बताया कि वह अपनी पत्नी कल्पना ताम्रकार के साथ जिला और हाईकोर्ट में वकालत करता है। अधिवक्ताओं ने उसके कार्ड की जांच की तो उस पर दर्ज नंबर का हाईकोर्ट बार में कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। कार्ड पर बार सचिव परितोष त्रिवेदी के हस्ताक्षर भी दर्ज थे।

घर पर लगा रखा एडवोकेट का बोर्ड - शिकायतकर्ता अरविंद दुबे ने पुलिस से कार्ड की भी जांच कराने की मांग की है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह पता लगाया जाना जरूरी है कि हाईकोर्ट बार का फर्जी कार्ड कहां और किसने तैयार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सचिन ताम्रकार ने गढ़ा थाना क्षेत्र के ज्योति नगर स्थित अपने घर के बाहर भी एडवोकेट का बोर्ड लगा रखा था। बोर्ड पर उसके नाम के साथ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर और मोबाइल नंबर दर्ज था।

पुलिस अब यह पता कर रही है कि सचिन कब से खुद को अधिवक्ता बताकर लोगों से संपर्क कर रहा था और क्या उसने किसी पक्षकार से केस के नाम पर रुपए या अन्य लाभ लिया है। अधिवक्ताओं ने भी लोगों से अपील की है कि किसी व्यक्ति को वकील नियुक्त करने से पहले उसकी बार सदस्यता और पहचान संबंधी दस्तावेजों की पुष्टि जरूर करें। इधर जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने मामले की जानकारी ली और फर्जी अधिवक्ता बनकर कोर्ट परिसर में घूमने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। पुलिस को कुछ कार्ड और फोटो भी सौंपे गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जांच के बाद मामले में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

प्राध्यापक संघ ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालय प्राध्यापक संघ के संरक्षक डॉ. कैलाश त्यागी एवं अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा द्वारा वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अरुण शुक्ल, प्राध्यापक हिंदी, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। संरक्षक डॉ. कैलाश त्यागी एवं अध्यक्ष डॉ. आनंद शर्मा ने बताया कि प्रो. अरुण शुक्ल ने अपने अध्यापन कार्य में अपने विद्यार्थियों,

शोधार्थियों एवं सहकर्मियों के बीच अपनी सहजता, मिलन सारता एवं हँसमुख स्वभाव के कारण लोकप्रिय है। उन्होनें विद्यार्थियों को अपने ज्ञान से हमेशा दिशा-दर्शन दिया है। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय अध्यक्ष, के रुप में प्राध्यापकों से जीवंत संपर्क में रहे है। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष, प्राचार्य, डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. जे. के. गुजराल आदि उपस्थित रहें।

बहनों का प्रेम, विश्वास ही मेरी पूंजी और जनसेवा की प्रेरणा: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बहिनों का आशीर्वाद, प्रेम और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी और जनसेवा की सबसे बड़ी प्रेरणा है, मुझे तो इतनी बड़ी संख्या में बहिनों का आशीर्वाद मिला है निश्चित ही उस स्नेह और उससे मिलने वाली शक्ति का कोई मुकाबला नहीं हो सकता, यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने निज निवास सिविल लाइन में आयोजित रक्षाबंधन उत्सव के अवसर पर कही।

गौरतलब है पावन पर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में शहरभर से पधारीं लाड़ली बहनों एवं मातृशक्ति ने अपने स्नेह और आशीर्वाद का रक्षासूत्र लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को बांधा। इस अवसर पर बहनों ने भावपूर्ण रूप से 60 फीट की विशाल एवं अद्वितीय राखी मंत्री श्री राकेश सिंह को भेंट की। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इस अवसर पर कहा पूरे विश्व में हमारा भारत ही एकमात्र ऐसा देश होगा जहां रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार बहनों के साथ मिलकर मनाया जाता है जहां बहने अपनी भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उसकी कुशलता की कामना करती हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी पराँजपे, जिप अध्यक्ष आशा गोंटिया, जिला उपाध्यक्ष अलका गर्ग, रूपा राव, महिला मोर्चा अध्यक्ष आत्मिका सिंह आदि उपस्थित रहे।

त्यौहार से पहले रेलवे स्टेशन पर चलाया गया सघन चैकिंग अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रक्षाबंधन पर घर लौटने की होड़ ने ट्रेनों में कंफर्म सीट का संकट बढ़ा दिया है। जबलपुर से दिल्ली, मुंबई, पटना और हावड़ा की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने से आरक्षण पर दबाव है। इधर कई ट्रेनों में वेटिंग बढ़ गई है, ऐसे में त्योहार पर यात्रा करने वालों के सामने कंफर्म सीट हासिल करना चुनौती बन गया है।

यात्रियों की इस परेशानी को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का सहारा लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे ने रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए आठ स्पेशल ट्रेनों की 38 सेवाएं संचालित की हैं, जिसमें जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन और सोगरिया के बीच स्पेशल ट्रेनें चलने से दिल्ली की ओर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

श्रमिकों के तैयार हुआ डिजिटल लेबर चौक, अब घर बैठे मिलेगा काम

लॉन्च हुआ मोबाइल एप्लिकेशन, काम तलाशने चौराहों पर खड़े होने की नहीं होगी जरूरत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस एप्लिकेशन का मुख्य उद्देश्य दैनिक वेतन भोगी और निर्माण श्रमिकों को बिना किसी एजेंट के सीधे नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। सहायक श्रम आयुक्त जबलपुर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि डिजिटल लेबर चौक मोबाइल ऐप के जरिये श्रमिक घर बैठे डिजिटल तरीके से दैनिक कार्य के अवसर खोज सकते हैं, जिससे उन्हें लेबर चौराहों पर असुरक्षित खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी।

योग्यता के अनुसार उपलब्ध होंगी नौकरी

सहायक श्रमायुक्त के अनुसार इस एप के माध्यम से मध्यप्रदेश के समग्र पंजीकृत नागरिक अपनी योग्यता और कौशल के अनुसार उपलब्ध नौकरियां खोज सकेंगे, वहीं दूसरी ओर नियोक्ता फैक्टरी मालिक या आम नागरिक, अपनी आवश्यकता, स्थान और दैनिक मजदूरी ऐप पर स्पष्ट रूप से दर्ज कर सकेंगे।

पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए नियोक्ता अपनी फैक्टरी आईडी, दुकान लाइसेंस या ठेकेदार लाइसेंस के माध्यम से सत्यापित प्रोफाइल बनाकर जॉब पोस्ट करेंगे। कार्य पूरा होने के बाद दोनों पक्षों के लिए फीडबैक और रेटिंग तंत्र भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे। सहायक श्रमायुक्त ने जिले के प्रमुख लेबर चौकों, नाकों और निर्माण स्थलों पर एकत्रित होने वाले श्रमिकों एवं ऐसे नियोक्ताओं, ठेकेदारों या निर्माण स्थल प्रभारी से अनुरोध किया है कि गूगल प्ले स्टोर की लिंक से जाकर मोबाइल एप डाऊनलोड पर श्रमिक अपना पंजीयन श्रमिक के रूप में और नियोक्ता अपना पंजीयन नियोक्ता के रूप में करवाएं, ताकि न तो श्रमिकों को रोजगार हेतु लेबर चौक पर खड़े होने की आवश्यकता पड़े और न ही नियोजकों को काम के लिए श्रमिकों की तलाश में भटकना पड़े।

कोडिंग की जरूरत नहीं, Prompt Engineering में महारत हासिल कर पाएं High Salary Job

क्या आपने कभी सोचा है कि यह बेहतरीन प्रॉम्प्ट तैयार कौन करता है। तो यह किसी और का काम नहीं बल्कि एक प्रॉम्प्ट इंजीनियर का होता है। अगर आप भी AI की दुनिया में इंट्रेस्ट रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

आज के समय में हम सभी लोग अपने काम को आसान बनाने के लिए AI का यूज करते हैं। सोशल मीडिया पर भी AI से बने फोटो और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। इन तस्वीरों और वीडियो को देखकर अक्सर मन में यह सवाल आता है कि इनको कैसे बनाया जाता है। साथ ही इसके पीछे क्या कमांड दिया जाता है।

किसी भी तरह से हम कुछ प्रॉम्प्ट ढूंढ लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह बेहतरीन प्रॉम्प्ट तैयार कौन करता है। तो यह किसी और का काम नहीं बल्कि एक प्रॉम्प्ट इंजीनियर का होता है। ऐसे में अगर आप भी AI की दुनिया में इंट्रेस्ट रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में कॅरियर कैसे बना सकते हैं।

कौन होते हैं एआई इंजीनियर

एआई इंजीनियर एक प्रकार के आईटी पेशेवर होते हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके इंटेलिजेंस ऐप्स, सॉफ्टवेयर और सिस्टम तैयार करते हैं। एआई इंजीनियर्स द्वारा ही ChatGPT और गूगल मैप्स जैसी तकनीकें बनाई और बेहतर की जाती हैं। इसके लिए इनके पास डेटा एल्गोरिदम, कोडिंग और न्यूरल नेटवर्क की समझ होती है।

ऐसे बनाएं प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में करियर

इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए आपको हाई लेवल कोडिंग या कंप्यूटर साइंस की डिग्री की जरूरत नहीं होती है।

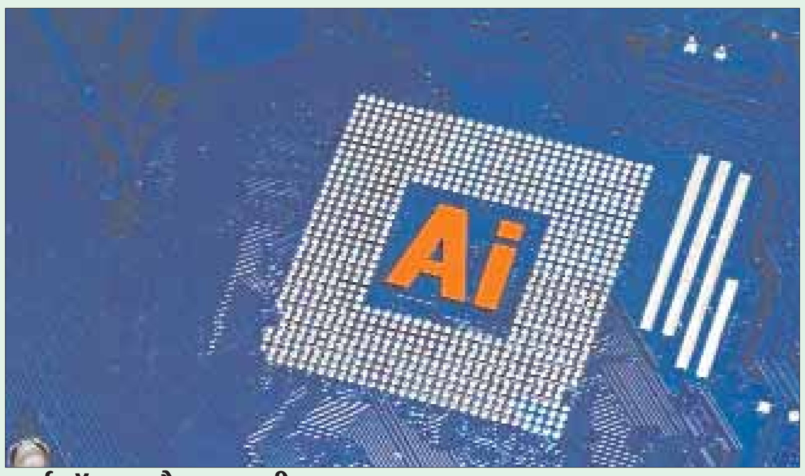

आई मॉडल्स और टूल्स की समझ

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग में कॅरियर बनाने के लिए आपको यह समझना जरूरी है कि अलग-अलग AI मॉडल्स कैसे काम करते हैं। टेक्स्ट जनरेशनल के लिए Claude, ChatGPT और Gemini, वहीं इमेज के लिए Midjourney जैसे टूल्स के काम करने का अलग तरीका होता है। आपको इन टूल्स की खूबियों और लिमिटेशन्स को जानकर सीखना होगा कि किस तरह के निर्देशों पर हर मॉडल बेहतर प्रतिक्रिया देता है।

प्रॉम्प्ट लिखने पर मजबूत पकड़ बनाएं

AI से सटीक काम कराने के लिए सही स्ट्रक्चर जरूरी है। आपको AI को सही रोल, स्पष्ट निर्देश और कॉंटेक्ट निर्देश देना आना चाहिए। इसके लिए Few-Shot, Zero-Shot और Chain-of-Thought जैसे एडवांस्ड प्रॉम्प्टिंग टेक्निक्स की प्रैक्टिस करें। जितना साफ निर्देश होगा, AI उतना ज्यादा सटीक रिजल्ट देगा।

भाषा क्षमता और लॉजिकल थिंकिंग करें मजबूत

इस फील्ड में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए हाई लेवल कोडिंग की बजाय भाषा पर पकड़ और लॉजिकल थिंकिंग होनी चाहिए। AI आपकी फीलिंग्स को नहीं बल्कि आपकी भाषा की सटीकता को समझता है। इसलिए अपनी बात को स्पष्ट, संक्षिप्त और बिना किसी डाउट के लिखने की आदत को समझें। मुश्किल समस्याओं को छोटे-छोटे तार्किक हिस्सों में बांटकर AI को समझना एक अच्छे प्रॉम्प्ट इंजीनियर की पहचान है।

बेसिक कोडिंग और एपीआई की जानकारी

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग बनने क लिए कंप्यूटर साइंस की डिग्री अनिवार्य न हो, लेकिन Python भाषा और API की अच्छी समझ होनी चाहिए। यह आपको सफलता दिलाता है। ऐसे इंजीनियर्स को कई कंपनियां प्राथमिकता देती हैं जो AI टूल्स को अपने सॉफ्टवेयर या एप्लिकेशन्स के साथ इंटीग्रेट कर सकें।

जिंदगी में छिपा विज्ञान

- सूर्य के प्रकाश में कई रंग होते हैं। वायुमंडल के कण नीली रोशनी को अन्य रंगों की तुलना में अधिक बिखेरते हैं, इसलिए हमें आसमान नीला दिखाई देता है।
- पानी जमने पर उसके अणुओं की संरचना ऐसी हो जाती है कि बर्फका घनत्व तरल पानी से कम हो जाता है। इसलिए बर्फपानी पर तैरती है
- चींटी अपने वजन से कई गुना ज्यादा उठा सकती है।

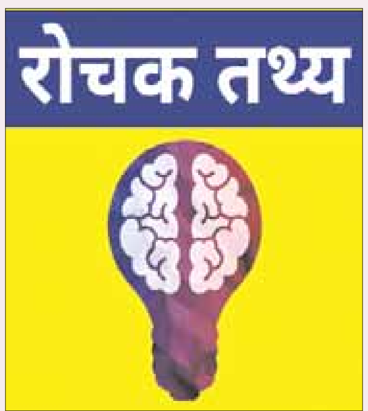

- जुगनू खुद रोशनी बनाते हैं, उनके शरीर में होने वाली एक विशेष रासायनिक प्रक्रिया प्रकाश पैदा करती है। इसे बायोल्यूमिनेसेंस कहते हैं।
- प्रकाश की गति ध्वनि की गति से बहुत अधिक होती है। इसलिए बिजली की चमक पहले दिखती है और गरज बाद में सुनाई देती है।
- मानव शरीर में लगभग 100 अरब न्यूरॉन होते हैं, ये तंत्रिका कोशिकाएं मस्तिष्क और शरीर के बीच सूचनाओं के संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- पौधे गैसों का आदान-प्रदान करते हैं। प्रकाश संश्लेषण के दौरान वे कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करके भोजन बनाते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं।
- हमारी आंखें दुनिया को सीधे 'फोटो' की तरह नहीं देखतीं। आंखों से मिली प्रकाश संबंधी जानकारी को मस्तिष्क संसाधित करता है, तब हमें वस्तुओं, रंगों और आकारों का अनुभव होता है।
- पानी गर्म होकर भाप बनता है, लेकिन भाप दिखाई नहीं देती। जो सफेद धुंध हमें दिखाई देती है, वह ठंडी होकर बने पानी की बेहद छोटी बूंदें होती हैं।
- इंद्रधनुष वास्तव में गोलाकार होता है। जमीन से हमें आमतौर पर उसका केवल एक हिस्सा दिखाई देता है, जबकि ऊंचाई से पूरा गोलाकार इंद्रधनुष देखा जा सकता है।
- चंद्रमा पर हवा लगभग नहीं है, इसलिए वहां सामान्य अर्थों में हवा से पैदा होने वाली आवाज सुनाई नहीं दे सकती।
- अंतरिक्ष में रोने पर आंसू नीचे नहीं गिरते। गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण वे आंखों के आसपास छोटी बूंदों के रूप में जमा हो सकते हैं।
- ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं। उसके दो दिल गलफड़ों तक रक्त पहुंचाते हैं, जबकि तीसरा शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त पंप करता है।
- मकड़ी का रेशम बेहद मजबूत होता है। वजन के अनुपात में कुछ प्रकार के स्पाइडर सिल्क की मजबूती कई सामान्य प्राकृतिक तंतुओं से अधिक हो सकती है।
- गंध हमें स्वाद का बड़ा हिस्सा महसूस कराने में मदद करती है। इसी कारण नाक बंद होने पर भोजन का स्वाद फीका लग सकता है।

क्या है इबोला वायरस

जानिए इसके लक्षण, संक्रमण और बचाव के आसान उपाय

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि कांगो में फैली इबोला बीमारी अब तक के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी महामारी है। कुछ साल पहले फैली ये महामारी पश्चिमी अफ्रीका में हजारों लोगों की जान ले चुकी है। वर्तमाान में फ़िलहाल 1094 संक्रमण मामलों की पुष्टि हो चुकी है और 277 लोगों की जान गई है। इबोला एक प्रकार का वायरस है। यह दुनिया भर के सबसे घातक वायरसों में से एक है। इससे सामान्य फ्लू के वायरस की तरह निपटा नहीं जा सकता, इसलिए जानकारी ही बचाव है।

जानिए इबोला के लक्षण

अचानक बुखार आना, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश और थकान। जितनी जल्दी संभव हो सके डॉक्टरों को सूचित करें। इबोला से संक्रमित मरीज के कपड़ों और इस्तेमाल होने वाले कपड़ों को भी जला देना चाहिए। डॉक्टर्स और देश भर के विशेषज्ञों ने 5 प्रकार की सावधानियां बरतने का आग्रह किया है। 5 सरलतम सावधानियां अपनाकर इबोला नामक खतरनाक वायरस के संक्रमण से बचा जा सकता है-

1. हाथों को रखें स्वच्छ

अपने हाथों को हमेशा साबुन और पानी से साफ रखें। हाथों को सुखाने के लिए स्वच्छ तौलिए का इस्तेमाल करें। वायरस को मारने का यह सबसे प्रभावी तरीका है। हाथ धोने के लिए अच्छी कंपनी का हैंडवॉश इस्तेमाल करें।

2. हाथ ना मिलाएं

हाथ मिलाने से यथासंभव बचें क्योंकि यह वायरस शरीर के सीधे संपर्क से तेजी से फैलता है।

3. स्पर्श से बचें

अगर आपको किसी व्यक्ति पर इबोला से संक्रमित होने का संदेह है तो उन्हें स्पर्श न करें। यह वायरस पेशाब, मल, रक्त, उल्टी, पसीना, आंसू, शुक्राणु और योनि से होने वाले स्राव के संपर्क से फैलता है। अगर आपको लगता है कि किसी व्यक्ति की मौत इबोला वायरस की वजह से हुई है, तो उसके शरीर को छूने से बचें। किसी बीमार व्यक्ति की तुलना में मृत व्यक्ति से वायरस के संक्रमण का खतरा अधिक होता है।

4. नॉनवेज से बचें

बंदर, चिंपैंजी, चमगादड़ का मांस नहीं खाएं क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि मनुष्यों में इसका संक्रमण इन्हीं जानवरों के संपर्क में आने से हुआ। शिकार करने और जानवरों को छूने से बचें। यह सावधानी जरूर रखें कि मांस को ठीक से पकाया गया है।

5. डॉक्टर के पास जाने में हिचके नहीं

डॉक्टर से डरें नहीं, वे आपकी मदद करने के लिए हैं। अस्पताल किसी भी मरीज के लिए सबसे सही जगह है। मरीज को पानी की कमी से बचाया जा सकता है और दर्द निवारक दवा भी दी जा सकती हैं।

क्या आपके घर की दीवारों पर लगी फफूंद जानलेवा है? CDC की नई स्टडी ने बढ़ाई चिंता, जानें लक्षण और बचाव के तरीके

दीवारों के काले धब्बे, बाथरूम की सीलन और घर की बासी गंध, ये सिर्फ सफाई की समस्याएं हैं या सेहत के लिए बड़ा खतरा? एक नए अध्ययन ने चेतावनी दी है कि फफूंद से जुड़ी बीमारियां डॉक्टरों के अनुमान से ज्यादा जानलेवा हो सकती हैं।यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के एक ताजा और अपनी तरह के पहले अध्ययन में पाया गया है कि इनवेसिव मोल्ड डिजीज डॉक्टरों के अनुमान से कहीं अधिक जानलेवा है।

क्या है इनवेसिव मोल्ड डिजीज?

इनवेसिव मोल्ड डिजीज एक गंभीर फंगल (फफूंद) संक्रमणहै। हमारे आसपास हवा, मिट्टी और धूल में फफूंद (मोल्ड) के बहुत छोटे-छोटे कण होते हैं, जो दिखाई भी नहीं देते। सामान्य तौर पर स्वस्थ व्यक्ति का शरीर इन्हें रोक देता है। लेकिन जिन लोगों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बहुत कम होती है, जैसे जिनका कैंसर का इलाज चल रहा हो, अंग प्रत्यारोपण हुआ हो, या कुछ गंभीर बीमारियां हों, तो उनमें यह फफूंद शरीर के अंदर जाकर बढ़ सकती है। जब यह फेफड़ों, साइनस, दिमाग या शरीर के अन्य अंगों में फैल जाती है, तो इसे इनवेसिव मोल्ड डिजीज कहा जाता है।

क्या हैं इस बीमारी के लक्षण और किसे है ज्यादा खतरा?

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, फफूंद का संक्रमण हर किसी के लिए बड़ा खतरा नहीं होता, लेकिन कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को इससे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत होती है। अंग प्रत्यारोपण, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट,

कैंसर, कीमोथेरेपी और कुछ विशेष दवाएं शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर सकती हैं, जिससे संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। अगर ऐसे लोग फफूंद से प्रभावित वातावरण के संपर्क में आते हैं, तो उनके बीमार पड़ने की संभावना अधिक हो सकती है। मोल्ड संक्रमण के लक्षण सभी लोगों में एक जैसे नहीं होते। इसकी गंभीरता व्यक्ति की पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं, फफूंद के संपर्क के तरीके, प्रभावित अंग और फफूंद की मात्रा पर निर्भर करती है। इसके संपर्क में आने के आम लक्षणों में लगातार खांसी, आंखों में जलन, सिरदर्द, नाक और साइनस में सूजन या जकड़न, त्वचा पर चकत्ते, गले में खराश और धुंधली दृष्टि शामिल हैं।

कैसे पनपती है फफूंद?

घरों में फफूंद का बढ़ना एक छिपी हुई समस्या है, जो आमतौर पर सीलन भरे इलाकों और कम दिखाई देने वाली जगहों में पनपती है। इंडियन हेल्थ सर्विस के पर्यावरण स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक फफूंद प्रजनन की प्रक्रिया के दौरान बेहद छोटे बीजाणु (स्पोर्स) बनाती है, जो आसानी से हवा में फैल जाते हैं। पर्याप्त नमी मिलने पर यह स्पोर्स तेजी से बढ़ने लगते हैं और फफूंद का रूप ले लेते हैं। घरों में सीलन, पानी का रिसाव या ज्यादा नमी होने पर फफूंद आसानी से फैल सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, फफूंद को पूरी तरह खत्म करना लगभग असंभव है, लेकिन नमी पर नियंत्रण रखकर इसके फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है। घरों में फफूंद के बढ़ने के कई आम कारण हो सकते हैं जैसे टपकती हुई छत, टूटी हुई पानी की पाइपें, लंबे समय तक गर्म पानी से नहाना या खाना पकाने के दौरान उबलता पानी। बिना वेंटिलेशन वाले बाथरूम और कम हवा आने-जाने वाली बंद जगहों में नमी आसानी से जमा हो जाती है, जिससे फफूंद के पनपने का खतरा बढ़ जाता है। यह नमी ठंडी सतहों पर जमकर सीलन का कारण बनती है।

कैसे करें बचाव?

सीडीसी के मुताबिक घर में फफूंद को पनपने से रोकने के लिए कई सावधानियां अपनाई जा सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, गीले कपड़ों को बंद कमरों के भीतर नहीं सुखाना चाहिए। खाना बनाते समय या पानी उबालते समय घर में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखना जरूरी है ताकि भाप और नमी बाहर निकल सके। यदि घर में अत्यधिक नमी या भाप जमा हो रही हो, तो एग्जॉस्ट फैन और डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, बाढ़ के बाद घर की अच्छी तरह सफाई और उसे पूरी तरह सुखाना भी बेहद जरूरी है। फफूंद का यह अनदेखा खतरा ना सिर्फ हमारे स्वास्थ्य बल्कि हमारे घरों की संरचना के लिए हानिकारक है। इसलिए नियमित रूप से घरों की सफाई और फफूंद को रोकना जरुरी है। इसके संपर्क में आने के बाद स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कत होने लगे, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

शब्द पहेली - 8959

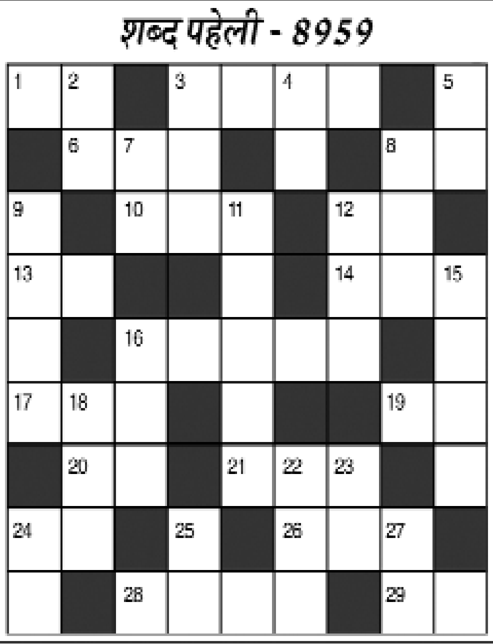

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8958 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हितकारिणी
प्राइमरी, मिडिल, हायर सेकेण्डरी
हिन्दी मीडियम स्कूल, जबलपुर

बाबू मनमोहन दास हितकारिणी कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, दीक्षितपुरा (XI-XII विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय) फोन: 0761 4129807 www.bmd.hitkarini.edu.in

हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला, देवताल, गढ़ा (VII-XII विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) फोन: 0761-4129813 www.hgb.hitkarini.edu.in

हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला, गोरखपुर (X-XII विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) फोन: 0761 4129812 www.hssg.hitkarini.edu.in

हितकारिणी कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, बी.टी. तिराहा, गढ़ा (VI-XII विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय) फोन: 0761-4129810 www.hgg.hitkarini.edu.in

हितकारिणी प्राथमिक शाला, बी.टी. तिराहा, गढ़ा (KG2-V) फोन: 0761-4129811 www.hgg.hitkarini.edu.in

हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला, सहजपुर (IX-XII वाणिज्य, कला एवं कृषि संकाय) फोन: 7389997882 www.hcasahajpur.hitkarini.edu.in

हमारी विशेषताएँ
गुणवत्तापूर्ण शिक्षा | संस्कार एवं मूल्य शिक्षा | लक्ष्य आधारित शिक्षण | सर्वांगीण विकास

मुख्य कार्यालय
जोन्सगंज, जबलपुर (म.प्र.) 0761-2410270, 2410578
www.hitkarini.com sabha@hitkarini.com
हमारे बारे में अधिक जानने के लिए QR कोड स्कैन करें

आदिवासी बच्चों की मलेरिया से मौत बालाघाट-बैहर मार्ग पर चकाजाम

सिस्टम पर लापरवाही के आरोप, प्रशासन ने दिखाई निर्ममता

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

आदिवासी बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर आदिवासी समाज का आक्रोश अब सड़कों पर उतर आया है। बुधवार तड़के एक और चार वर्षीय बच्चे की मौत के बाद गुस्साए आदिवासी समाज ने बालाघाट-बैहर मार्ग पर बंजारी तिराहे के पास चकाजाम कर दिया। जिससे वाहनो की लंबी कतारे लगी और घंटो तक आक्रोश जैसी स्थिति बनी रही। यहां प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पर इलाज में लापरवाही बरतने और मृतक बच्चे का जबरन दबाव बनाकर अंतिम संस्कार करवाने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए है। साथ ही मांग की है कि बच्चे का शव निकलवाकर पीएम करवाने और बिमारी की निश्पक्ष जाचं की मांग की।

दरअसल, मामला परसवाड़ा ब्लॉक की मोहनपुर पंचायत के बैगाटोला का है। यहां तडके सुबह चार वर्षीय लवकुश उर्फ सुकलू मरकाम की मौत हो गई। मृतक के दादा तुलसीराम मरकाम का आरोप है कि बच्चे की तीन-चार दिन से तबीयत खराब थी, जिसे मोहनपुर स्वास्थ केंद्र में दिखाया गया था। उसे उल्टी-दस्त और बुखार के साथ मलेरिया निकला था। लेकिन मोहनपुर में दवा उपलब्ध नहीं थी, जहां उन्हे सोनेवानी से दवा उपलब्ध करवाई गई थी। लेकिन तड़के सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। अब यहां सबसे गंभीर आरोप यह है कि बच्चे की मौत के बाद बिना पोस्टमार्टम कराए ही प्रशासन ने दबाव बनाकर उसका अंतिम संस्कार करवा दिया। परिजनो का इस बात पर दर्द झलख उठा कि एसडीएम श्रीश प्यासी ने ऐसा दबाव बनाया कि बच्चे के माता-पिता और अन्य रिश्तेदारो को भी अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार में शामिल होने का अवसर नही दिया गया। अंतिम संस्कार की सारी व्यवस्था धरी की धरी रह गई।

मृतक बच्चे के दादा तुलसीराम मरकाम ने बताया गया कि उनके बेटा-बहू करीब तीन माह पहले रोजगार की तलाश में हैदराबाद गए हैं, जहां वे आरा मशीन में काम कर रहे हैं। उन्हे बच्चे की मौत की सूचना तो दी गई, लेकिन प्रशासन ने उनके गांव लौटने व उनका इंतजार करने का मौका तक नहीं दिया। ऐसे में जन्म देने वाले मॉ-बाप और रिश्तेदार, बच्चे के अंतिम संस्कार तक के लिए तरस गए। तुलसीराम मरकाम ने यह भी बताया कि परिवार के अन्य बच्चे भी बीमार हैं। उनके छोटे पुत्र माखन मरकाम का बेटा गगन मरकाम और बडे बेटे सुकलू मरकाम के बेटे अजय मरकाम, अंकुश मरकाम भी गंभीर रूप से बिमार चल रहे है, जिन्हे आनन फानन में प्रशाासन ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है।

इधर, ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने सारी मर्यादा लांघ दी है और अपने क्रुरता का परिचय दिया है। बीमारी और बच्चो की मौत के बावजूद गांवों में स्वास्थ्य सुविधायें नही पहुच रही है। स्वास्थ विभाग की टीम को आज देखा गया है। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश फूंट गया। इस मामले में परसवाड़ा ब्लॉक के मलेरिया विभाग के सुपरवाइजर संजय देशमुख पर ग्रामीण खूब बिफरते नजर आये। वही बैगाटोला पहुंचे बिरसा बिग्रेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश पेंदाम ने भी इस मामले को लेकर आपत्ति दर्ज की और सिस्टम पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बच्चों की मौत, उपचार व्यवस्था, पोस्टमार्टम और परिजनों को अंतिम संस्कार में शामिल होने का अवसर नहीं दिए जाने के आरोपों पर प्रशासन से स्पष्ट जवाब मांगा है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर बच्चे की मौत बीमारी से हुई थी तो पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया? मृतक के माता-पिता को अंतिम दर्शन का अधिकार क्यों नहीं मिला? और जब मृतक बच्चा मलेरिया ग्रस्त था, तो उसे जिला अस्पताल में भर्ती करने में चूक क्यो हुई? हालांकि परसवाड़ा क्षेत्र में यह पहली मौत बताई जा रही है। लेकिन बिमारी से बच्चो की मौत के लगातार सामने आ रहे मामलों से अब आदिवासी समाज का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। यही वजह थी कि बंजारी तिराहे पर चकाजाम हुआ। प्रशासन के सामने अब तरह तरह की ना सिर्फ चुनौतियां है, बल्कि सिस्टम की गलतियों को पिटारा भी खुल रहा है। अब तो इन गंभीर आरोपों का जवाबदेही तय होनी चाहिये। हालांकि इस मामले में अब सीएमएचओ ने परसवाडा बीएमओं को नोटिश जारी करने की बात कही है और 10 बच्चो की मौत का आंकडा दर्ज होना बताया है। वही आदिवासी समाज ने दफनाये गये बच्चे के शव को पुनः बाहर निकालने और पीएम करवाने की मांग रखी है।

हड़ताल के प्रतिनिधि मंडल ने बिहार के मुख्यमंत्री से की भेंट

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमेटी एक्ट 1949 को निरस्त करने के लिए आयोजित हड़ताल के प्रतिनिधि मंडल ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भेंट की। इस भेंट का मुख्य उद्देश्य महाबोधि महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्ध समुदाय के हाथों में सौंपना है, जैसा कि याचिकाकर्ता पूज्य भदंत धम्म शिखर जी ने स्पष्ट किया। महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन राष्ट्रीय समिति के तत्वावधान में 23 से 27 अगस्त तक पटना में पांच दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के बौद्ध अनुयायी शामिल हुए। महाबोधि महाविहार का निर्माण 260 ईसा पूर्व बौद्ध सम्राट अशोक ने किया था, जो बौद्ध उपासकों का श्रद्धा का केंद्र है। अनागारिक धम्मपाल जी ने 1895 में इस महाविहार का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को सौंपने के लिए पहली बार याचिका दायर की थी। भारत की स्वतंत्रता के बाद भी बौद्ध अनुयायियों को प्रबंधन नहीं सौंपा गया। 1949 में बिहार सरकार ने बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमेटी एक्ट बनाया, जिसमें चार गैर-बौद्ध, चार बौद्ध और एक पदेन अध्यक्ष कलेक्टर शामिल थे। समय-समय पर बुद्ध अम्बेडकर मिशन के सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाया, लेकिन प्रबंधन गैर-बौद्धों के हाथों में ही रहा। 2012 में बौद्ध अनुयायियों ने दिल्ली में रिट पिटीशन दायर की, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। 2018 में पूज्य भदंत धम्मशिखर जी ने महत्वपूर्ण साक्ष्यों के साथ इंटरवेशन पिटीशन दायर की। हाल ही में 23 अगस्त को भूख हड़ताल के पहले दिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रतिनिधि मंडल को आमंत्रित किया और आश्वासन दिया कि महाबोधि महाविहार बोधगया बौद्ध अनुयायियों का है और इस पर सरकार विचार करेगी।मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद हड़ताल को समाप्त कर दिया गया, लेकिन पूज्य भदंत धम्मशिखर जी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को नहीं सौंपा, तो भविष्य में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

समिति के सदस्यों ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की है कि महाबोधि महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्धों को सौंपा जाए। डॉ. संजय खोब्रागडे ने कहा कि यह आंदोलन बौद्ध समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। सदस्यों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया है कि वे इस संघर्ष को तब तक जारी रखेंगे जब तक महाबोधि महाविहार बोधगया को बौद्ध समुदाय को सौंपा नहीं जाता। यह आंदोलन बौद्ध समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

महर्षि अरविंद घोष जयंती पर व्याख्यानमाला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। महर्षि अरविंद घोष की जयंती पर जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जिला संवाद कार्यक्रम व्याख्यान माला कार्यक्रम मंगलवार 25 अगस्त को जिला पंचायत सभागार मे आयोजित किया गया। महर्षि अरविन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि बृजेन्द्र पांडे (शारदा मंदिर पुजारी), मुख्य वक्ता अरविन्द शाह बडकरे (एनएसएस प्रभारी महाविद्यालय उमरिया) व हरिनारायण के साथ जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविन्द्र शुक्ला, विकासखंड समन्वयक मानपुर महेन्द्र सिंह ताराम, विकासखंड समन्वयक पाली पुष्पा सिंह टेकाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों व्दारा अपने अपने वकतव्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान महर्षि अरविंद के साहित्य, दर्शन, राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक चिंतन पर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने उनके विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे जिले से आये हुए सभी नवांकुर संस्था प्रमुख, समस्त परामर्शदाता, समस्त प्रस्फूटन समिति के साथ छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

मच्छरदानी के लिए भी तरसते ग्रामीण, अब प्रशासनिक व्यवस्था से टूटा विश्वास

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बैगा अंचल मे उत्पन्न हुए स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए अब जिला प्रशासन भले ही व्यापक इंतेजाम कर रहा हो, लेकिन उस चूक पर पर्दा नही डाला जा सकता,जो सिस्टम के द्वारा की गई है। वर्तमान में प्रशासन बैगा अंचल में घर-घर सर्वेक्षण, दवा वितरण, फॉगिंग और टीकाकरण के बड़े-बड़े आंकड़े पेश कर रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत का राग-विलाप अब भी सरकारी व्यवस्था को बेनकाब कर रहा है। जो इलाका मलेरिया और मच्छरजनित बीमारियों का खतरे का हाईरिस्क जोन था, वहां ग्रामीणों को मच्छरदानी बांटी ही नही गई। मजबूरीवश कुछ युवाओ को मच्छरदानी जैसी बुनियादी सुरक्षा के लिए भी चंदा जुटाकर मच्छरदानी खरीदी और उसे लोगो में बांटा। यह स्थिति सिर्फ सिस्टम की लापरवाही नही थी, बल्कि सरकारी व्यवस्था की विफलता का आईना था, जो बीमारी फैलने के बाद सक्रिय हुई और अब बडे बडे आंकडे पेश कर रही है।

एक तरफ प्रशासन व्यापाक इंतेजाम के दावे कर रहा है तो दूसरी तरफ प्रभावित इलाके के ग्रामीण कह रहे है कि व्यवस्था अनुसार लंबे समय से उन्हें मच्छरदानी उपलब्ध नहीं कराई गई। आखिर जिन्हे संरक्षित करना है, उनके लिये होने वाले सरकारी इंतजामों में कमी क्यो रह जाती है। मलेरिया विभाग की ओर से भी ग्रामीणो को बताया गया कि सरकार की तरफ से ही मच्छरदानी नहीं आ रही है, इसलिये उन्हे मच्छरदानी नही बांटी जा सकी। ऐसे में मलेरिया से सुरक्षा कैसे होगी? यह तो भला हो, उन सामाजिक संस्थाओ का और क्षेत्र के डुलेश मरकाम जैसे युवाओं को, जिन्होने अपने जनजाति समुदाय के हालातो की चिंता की और चंदा जमा करके मच्छरदानी बांटने का काम किया। वास्तव में उनका यह प्रयास प्रशासन के लिए आईना है, जो हर संभव सुविधा पहुंचाने का दावा करता है। वास्तव में जब पीड़ितो के बीच सरकार नहीं पहुंचेगी तो युवाओ द्वारा चंदा जुटाना, मच्छरदानी खरीदना और फिर जरूरतमंद परिवारों तक मच्छरदानी पहुंचाना, उनकी अपनी मजबूरी बनेगी। प्रशासन को यह समझना होगा कि तत्काल की व्यवस्था से विश्वासन नही बढेगा। सरकारी विभागों को अब कागजी आंकड़ों से बाहर निकलकर जमीन पर जवाब देना होगा। सोचने वाली बात है कि जब हाईरिस्क जोन में निवास करते वाले आर्थिक रूप से कमजोर विशेष जनजाति समुदाय के ग्रामीण अपनी जेब से मच्छरदानी खरीदने को मजबूर हों, तो सवाल सिर्फ मच्छरों का नहीं होगा, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता और प्रशासनिक तैयारीयों का भी होगा।

क्षेत्र में संकट बढा, 23-24 बच्चे कालकलवित हुए, तो प्रशासन की नींद खुल पाई है। प्रशासनिक आकड़े कहते है कि स्वास्थ्य विभाग की 20 सर्वेक्षण टीमे प्रभावित ग्रामों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी कर रहीहै।

राखी के त्योहार को लेकर बाजारों में सजी राखियों की दुकानें

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 28 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है और बाजारों में राखियों की दुकानें सजकर तैयार हो गई हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम और विश्वास का प्रतीक राखी बांधकर उनकी लंबी आयु एवं सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। वहीं भाई भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी खुशियों की कामना करेंगे। इस पर्व को लेकर परिवारों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। नगर के रणविजय चौक, गांधी चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर राखियों की आकर्षक दुकानें सजाई गई हैं। दुकानों पर रंग-बिरंगी, आकर्षक डिजाइन वाली राखियां उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर एवं विभिन्न डिजाइनों वाली राखियां भी लोगों को आकर्षित कर रही हैं। इसके साथ ही बहनों द्वारा भाइयों के लिए उपहार एवं मिठाइयों की खरीदारी भी की जा रही है। रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में लोगों की चहल-पहल बढ़ गई है। दुकानदारों को भी पर्व के अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद है। पर्व को लेकर नगर में उल्लास और भाई-बहन के प्रेम की भावना दिखाई दे रही है।

वन एवं वनप्राणी संरक्षण - सुरक्षा को लेकर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

मानपुर (स्वतंत्र मत)।

प्राकृतिक पर्यावरण के संतुलन बनाये रखने, प्राणवायु, एवं पशु पक्षी मानव जीवन के लिये वन का होना अति आवस्यक है, वन से हमें आक्शीजन, आयुर्वेद दवाई, लकड़ी, गोंद एवं कई प्रकार फल प्राप्त होते हैं, जड़ीबूटी एवं तेंदू पत्ती जैसे विभिन्न वन सम्प्रदा से कई कम्पनियां भी चलते हैं, वन एवं वनप्राणी के होने पर पर्यटक लोगों के आगमन से कई लोगों का रोजगार भी जुड़ा रहता है, वन प्राकृतिक सुन्दर्ता भी है, घने वन क्षेत्र में बाढ़ सूखा और अत्यधिक ठंडी से भी बचाव बना रहता है, वन मानव जीवन से सीधा जुड़ाव रहता है, इसी लिये वन वनप्राणी और वन सम्प्रदा की रक्षा एवं विकास करना अपना प्रथम करतब्य है द्य इसी तरह के विषयों को लेकर 24 एवं 25 अगस्त को ताला बांधवगढ़ जैव ल्विधिता केंद्र में दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ।

वहीं बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के फील्ड डायरेक्टर डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि इस प्रशिक्षण में उमरिया जिला के विभिन्न मंडल, रेंज से नय स्टॉप अधिकारी लोग प्रशिक्षत हुये, इसमें डब्ल्यू. डब्ल्य. एफ, जीपीएफ, एसएफआरआई, एस. डब्ल्यू. एच. एफ., एवं एसटीएफएस जैसे विशेष आयोग सामिल हैं, वाइल्ड लाइफ क्राइम, वाइल्ड लाइफ क्राइम विष्टिलेशन, क्राइम डिटेक्शन, इटीपोचिंग आपरेशन, पेट्रोलिंग, जूमन राइस जैसे विशेष विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया है।

वहीं क्षेत्र संचालक डॉ. सहाय जी ने कहा कि यह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व 1536 वर्ग किलो मीटर में विस्त्रित रूप से फैला हुआ है, यहां से तकरीबन 130 गांव लगे हुये हैं, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में मध्य प्रदेश के अंगर सर्वाधिक बाघों का निवास और भृमण बना रहता है, यहां तेंदुआ भालू जैसे कई प्रजाति के वन प्राणी भी रहते हैं, यहां जंगली आंथियों का मूमेंट भी बना रहता है, यह राष्ट्रीय उद्यान पूरे विस्व में भी जाना जाता है, यहां अंतर राष्ट्रीय परयटकों का आवागमन बना रहता है, यह क्षेत्र प्राकृतिक सुन्दर्ता में धनी क्षेत्र माना जाता है।

आग्रह करते हुये डॉ. सहाय जी ने कहा कि समस्त पत्रकारों से आग्रह है कि वन प्राणियों के विषय में रोचक जानकारियां और ग्रामीणो को सचेत करने वाले जानकारी तथा वन वन सम्प्रदा वनप्राणी के शुरक्षा और सवयं के सावधानी के सम्बनंध में प्रकाशित और प्रकाशित करते रहें द्य वहीं बीटीआर से लगे हुये समस्त ग्रामीण शहर क्षेत्र के सभी समाज सेवी संस्था द्वारा वन और वन प्राणी शुरक्षा कार्य में बड़े बड़े लगन से हमेशा जुड़े रहे हैं जिसके लिये मैं उन सब को धन्यवाद देता हूं, और आग्रह करता हूं कि आगे भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्य से जुड़े रहें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्रीय सभी मंडल, उपमंडल, रेज अधिकारी, वनपाल वनरक्षक सामिल रहे।

लखों रुपये से बने परासी आगनबाड़ी केन्द्र भवन दो साल में जर्जर के कगर पर, शुरू से बंद है ट्यूवेल पम्प, पीआईयू के हैं कारनामें..!

मानपुर (स्वतंत्र मत)

शिक्षा स्तर को बढ़ाने एवं कुपोषण मुक्त के लिये सरकार बड़े लगन से जुड़ी रहती है, क्षेत्रीय विकास कार्य में बजट खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ रही है जहा दूसरी तरफ निर्माण एजेंशी जवाबदार विभागों द्वारा भ्रस्टाचार रूपी शासकीय बजट का यारान्यारा करने में रुकने को नाम नहीं लेना चाहती। उमरिया जिला, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र मानपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पारासी ध में दो - तीन वर्ष पहले मोटे बजट से आगनबाड़ी केन्द्र भवन का निमाण करवाया गया है, यह भवन पीडब्ल्यू के पीआईयू विभाग एजेंशी द्वारा बनवाया गया है, जिसका निर्माण स्टीमेट को छिपा कर किया गया है जो भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुका है.!

स्थीनीय लोगों की सुने तो यह भवन तकरीबन 20 लाख से ज्यादा के बजट से दो तीन वर्ष पहले बनवाया गया है, इस भवन के दीवाल कई जगह फटकर खण्डहर होने लगे हैं, इस भवन के सभी कमरे और हाल में छत से पानी का मोटा रिसाव हो रहा है, जिससे बच्चे और माताओं को बैठने के लिये जगह नहीं मिला करता है, गीले फर्श में बैठकर पौष्टिक आहार पाने के लिये नन्हे बच्चे मजबूर रहते है तो कई पात्र बच्चे और महिलायें केन्द्र जाना ही बंद कर दिये हैं, यहां फेवर ब्लॉक नहीं लगवा गया है जिससे नन्हे बच्चों को खेलने का जगह नहीं है, यहां खेल के मैदन के मैदना का होना तो दूर आगन तक नहीं है, यहां के ट्वायलेट के पाइप पहले महीने से ही फटे हैं तो उपस्थित बच्चे और महिलायें कहां जायें पेट सफा के लिये ? यहां पेयजल की कोई सुविधा न होने से पानी लेने सहायिका को दूर हैण्ड पम्प से पानी लाना पड़ता है जो वर्षात में साफ नही रहता है, यहां नये ड्यूवेल पम्प लगवाकर सेंटेक्स के ब्यवस्था का स्टीमेट भी था जबकि यहां लगा बोर पम्प सुरू से ही बंद पड़ा है और विभाग को मोटा बिजली बिल भुगतान करना पड़ता है।

नेशनल लोक अदालत 12 को

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर प्री-लिटिगेशन स्तर पर ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथ से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चकवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिदर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। उन्होने बताया कि 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में उपरोक्तानुसार दी जा रही छूट सिविल दायित्व राशि रू0 10,00,000 (दस लाख रू) तक

बीमा योजना पर जोर

मण्डला(स्वतंत्र मत)। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशन में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित समर्पित संस्था के माध्यम से जिले के सभी नौ ब्लॉकों में व्यापक वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों के नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना और उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक बनाना है।

श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम 4 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने जिले में 4 सितंबर को जिला स्तरीय श्रीकृष्ण पर्व आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। कार्यक्रम संस्कृति संचालनालय के निर्देशों के तहत आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए दो अधिकारियों को नोडल दायित्व सौंपा गया है। उपसंचालक कृषि कल्याण विभाग अश्वनी झारिया को नोडल अधिकारी तथा जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनोद मरावी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

खेलो इंडिया संवाद 27 को

मण्डला(स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम विभाग एवं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया संवाद खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम का आयोजन 27 अगस्त को किया जाएगा। कार्यक्रम आर.डी.पी.जी. कॉलेज में सुबह 10 बजे आयोजित होगा। मंडला को राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए टाइप-ए श्रेणी का आयोजन केंद्र बनाया गया है। इस श्रेणी के केंद्रों पर प्रधानमंत्री के साथ दो-तरफा संवाद की व्यवस्था रहेगी। इससे जिले के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सीधे संवाद से जुड़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय खिलाड़ी युवाओं के साथ अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करेंगे।

जिला स्तरीय कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। म.प्र. जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में संवाद योजना अंतर्गत रेवा-सेवा समागम एवं नर्मदा संवाद जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला में आयोजित हुई। शुभारंभ साध्वी मनीषा दीदी, विचारक पंकज पाण्डेय एवं प्रांत प्रमुख नैनसुख द्वारा मां नर्मदा पूजन से किया गया।

आईटीआई में प्रवेश 29 तक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित विभिन्न ट्रेडों की रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 29 अगस्त तक मध्यप्रदेश तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर जाकर नवीन रजिस्ट्रेशन, त्रुटि सुधार एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। संस्था के प्राचार्य ने बताया कि इस चरण में अभ्यर्थी किसी भी एक आईटीआई के अधिकतम 5 व्यवसायों के लिए चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं अथवा मोबाइल नंबर 8718878097 या 9407068737 पर संपर्क कर सकते हैं।

द्वादश ज्योतिर्लिंग में महाभिषेक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सावन मास के अंतिम सोमवार को महिष्मति घाट स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान शिव का भव्य महाभिषेक किया गया। इस दौरान भगवान भोलेनाथ को 56 भोग अर्पित किए गए और 11 हजार बेलपत्र चढ़ाकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजन का शुभारंभ श्रीगणेश मंगलकारिणी के आव्हान के साथ किया गया। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पंडित सुभाष तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलेनाथ का पूजन संपन्न कराया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से भगवान शिव का जल दुग्ध सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया और अपनी मनोकामनाएं अर्पित की।

आईसीटी इंचार्ज की बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित नवीन व्यावसायिक शिक्षा एवं आईसीटी कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर व्यावसायिक प्रशिक्षकों एवं आईसीटी इंचार्ज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, एडीपीसी एल.एस. मसराम, जिला व्यावसायिक समन्वयक एवं एपीसी मुकेश पाण्डेय तथा ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन की फेलो सुश्री महिमा बरेजा सहित संबंधित प्रशिक्षक, प्राचार्य एवं आईसीटी लैब इंचार्ज उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय आयुर्वेदिक शिविर प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल गाजीपुर जिलेहरी घाट में पांच दिवसीय आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 23 अगस्त से 27 अगस्त तक होगा। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक आयोजित होने वाले इस शिविर में अनुभवी वैद्य एवं उनकी टीम द्वारा विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण एवं आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार किया जाएगा। आचार्य भीमदेव ने बताया कि शिविर का उद्देश्य विभिन्न बीमारियों से पीड़ित लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराना है।

अचानक समूह बैंक बंद कर गायब हुआ अमला जमाकर्ता हो रहे परेशान लाखों नही करोड़ों का हो गया हिसाब किताब

मण्डला(स्वतंत्र मत)

निवास क्षेत्र में अनेक चिंडफंड कम्पनी जो कि बैंक समूह के नाम पर काम कर रही थी वे अचानक गायब होते नजर आ रही हैं। शुरूआत में तो इन कम्पनियों द्वारा अच्छा लेन देन किया गया और मासिक वार्षिक और कम समय अवधि पर दोगुनी राशि भी ग्राहकों को वापस की गई लालच में आकर कम्पनी और समूहों में लोगों ने विश्वास किया और डेली जमा राशि के साथ एफडी भी करा ली। अब ऐसी कम्पनियां गायब हो चुकी है जिससे लोग परेशान हैं। उनकी जमा पूंजी कैसे वापस होगी इस पर सवाल खड़े हो गए हैं। रोज-रोज की छोटी-छोटी बचत से घर चलाने वाले लोगों ने भविष्य के लिए जो रकम जोड़ी अब उसी रकम के डूबने की चिंता उन्हें रात-दिन परेशान कर रही है। निवास क्षेत्र की कई महिलाओं और जमाकर्ताओं ने जबलपुर जिले के मंझौली से संचालित बताई जा रही शक्ति महिला संघ बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित के खिलाफ जमा राशि वापस नहीं मिलने की शिकायत की है। पीड़ितों का आरोप है कि समिति से जुड़े एजेंट वर्षों तक घर-घर पहुंचकर प्रतिदिन बचत के नाम पर राशि जमा कराते रहे। शुरुआत में पासबुक में नियमित एंट्री होती रही जिससे लोगों का भरोसा बढ़ता गया। लेकिन अब स्थिति यह है कि पिछले करीब छह महीने से जमाकर्ता अपनी ही रकम पाने के लिए भटक रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि कई जमाकर्ताओं के पास राशि जमा करने की पासबुक मौजूद है लेकिन भुगतान के नाम पर उन्हें लगातार टालने की शिकायत सामने आ रही है। इससे महिलाओं और छोटे जमाकर्ताओं के बीच अपनी मेहनत की कमाई डूबने की आशंका गहराती जा रही है। लोगों का कहना है कि रोजाना 10 रूपए से लेकर 100 तक अपनी क्षमता के अनुसार बचत करने वालों के लिए यह रकम छोटी नहीं है। किसी ने बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसा जोड़ा तो किसी ने बीमारी और घर की जरूरत के लिए। अब जब जरूरत के समय पैसा मांग रहे हैं तो जवाब नहीं मिल रहा। पीड़ितों के मुताबिक समिति से जुड़े एजेंट नियमित रूप से लोगों के घर और दुकानों तक पहुंचते थे। रोजाना बचत की रकम जमा कराई जाती थी और इसके बदले पासबुक में राशि दर्ज की जाती थी। छोटे-छोटे अमाउंट जमा करने की व्यवस्था के कारण खासतौर पर महिलाओं और निम्न आय वर्ग के लोगों ने इसमें भरोसा जताया। जमाकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय तक व्यवस्था सामान्य चलती रही। लोगों को लगा कि उनकी रकम सुरक्षित है और जरूरत पड़ने पर उन्हें वापस मिल जाएगी। इसी भरोसे में कई लोगों ने लगातार रकम जमा की। लेकिन पिछले करीब छह महीनों से भुगतान में दिक्कत शुरू होने की बात सामने आ रही है। अब जमाकर्ता पासबुक लेकर संबंधित लोगों के चक्कर काट रहे हैं। आरोप है कि भुगतान के लिए कभी किसी अधिकारी से संपर्क करने की बात कही जाती है तो कभी दूसरी तारीख बताकर मामला टाल दिया जाता है। इससे लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है। जमाकर्ताओं की परेशानी इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि उनके पास जमा राशि का रिकॉर्ड मौजूद है। कई लोगों ने अपनी पासबुक संभालकर रखी है। उनका कहना है कि यदि वर्षों तक एजेंटों ने राशि जमा की और पासबुक में उसका हिसाब दर्ज किया गया तो अब भुगतान के समय उन्हें परेशान क्यों किया जा रहा है महिलाओं का कहना है कि वे किसी बड़ी निवेशक नहीं हैं। उन्होंने अपनी रोजमर्रा की कमाई से बचत की है। किसी ने घर का खर्च कम करके रकम जमा की तो किसी ने मजदूरी से पैसे बचाए। ऐसे में जमा पूंजी का भुगतान अटकना उनके लिए गंभीर आर्थिक संकट बन सकता है। महिलाओं का आरोप है कि जब वे अपनी शिकायत लेकर निवास थाने पहुंचीं तो उनका आवेदन नहीं लिया गया। उन्हें पहले कलेक्टर कार्यालय या जनसुनवाई में शिकायत करने की सलाह दी गई। पीड़ितों का कहना है कि जब किसी संस्था या उससे जुड़े लोगों पर आम नागरिकों की जमा राशि रोकने जैसे गंभीर आरोप लग रहे हों तब शिकायतकर्ता को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भेजने के बजाय मामले की प्रारंभिक जांच होना जरूरी है। यदि आरोप गलत हैं तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है और यदि शिकायत में दम है तो समय रहते कार्रवाई भी संभव है। स्थानीय लोगों की चिंता सिर्फ वर्तमान भुगतान को लेकर नहीं है। उन्हें डर है कि यदि समय रहते जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो संस्था से जुड़े एजेंट या जिम्मेदार लोग क्षेत्र से गायब हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में जमाकर्ताओं के लिए अपनी रकम वापस पाना और भी मुश्किल हो सकता है। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में शुरुआत में ही दस्तावेज, पासबुक, जमा रसीद, एजेंटों की जानकारी और संस्था से जुड़े रिकॉर्ड सुरक्षित करना जरूरी होता है। यदि शिकायतें बढ़ती हैं और कार्रवाई देर से होती है तो बाद में जांच एजेंसियों के सामने भी वास्तविक स्थिति तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एहतेराम से मनाई जश्ने ईद मिलादुन्नबी

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्र मत)

पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के यौमे विलादत के अवसर पर नारायणगंज में जश्ने ईद मिलादुन्नबी बड़े ही एहतेराम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंगलवार की रात मदीना मस्जिद में मिलाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार सुबह 9 बजे मदीना मस्जिद नारायणगंज से जुलूसे मुहम्मदिया निकाला गया। जुलूस कूड़ामैली क्षेत्र से होते हुए नारायणगंज ईदगाह पहुंचा जहां इसका समापन किया गया। जुलूस में बच्चों युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। युवाओं ने नारे लगाए और नात-ए-पाक पढ़कर पैगम्बर साहब की शान में अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान मोमिन भाइयों की ओर से लोगों को प्रसाद का वितरण भी किया गया। जुलूसे मुहम्मदिया के दौरान थाना टिकरिया पुलिस ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस जवान जुलूस के साथ मौजूद रहे और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जिससे जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इसके लिए मुस्लिम समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पेश इमाम मोहम्मद सिद्दीक साहब, हाजी मोहम्मद शहीद मंसूरी, मुन्ना मंसूरी, अब्दुल रहीम मंसूरी, मोहम्मद जमाल अंसारी, सत्तार खान, जमील खान, ताज खान, मोहम्मद जाहिर अहमद अंसारी, सेवानिवृत्त स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी खुर्शीद अहमद खान सहित समाज के अनेक बुजुर्ग एवं लोग मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन की ओर से थाना प्रभारी प्रदीप पांडे, अभिषेक मिश्रा, दीपक द्विवेदी, राम मसकरे सहित अन्य पुलिसकर्मी व्यवस्था में तैनात रहे।

सीआरपीएफ जवानों को बांधी राखी

मण्डला(स्वतंत्र मत)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला इकाई के द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्यालय में जवानों के साथ रक्षाबंधन पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। घर से दूर रहकर देश की सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहने वाले सुरक्षाबलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए परिषद के कार्यकर्ता कैंप पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी परिषद की छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने वीर जवानों को तिलक लगाकर आरती की और उनकी कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधा। राखी बंधवाकर जवानों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इस आत्मीयता के लिए परिषद का आभार व्यक्त किया। इस दौरान सीआरपीएफ द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव, डिप्टी कमांडेंट मनोरंजन कुमार एवं मनोरमा सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थी परिषद के इस अनूठे प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से जवानों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें घर से दूर होने का अहसास नहीं होता। कार्यक्रम में हर्षिता भिरानी, सोमती भावरे, राशि बारमैया, मोनिका भवेदी, काजल नागिया आदि छात्रा कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका रही।

वन विभाग की कार्रवाई, 115 बल्लियां जब्त

अवैध कटाई कर वन्यजीवों को फंसाने के लिए उपयोग किए जाने का आरोप

कार्रवाई के दौरान पुलिस को दी गई सूचना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत गोंझी के मटियाटोला में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 115 लकड़ी की बल्लियां जब्त की हैं। इनमें 110 सतकठा और 5 सागौन की बल्लियां बताई गई हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह लकड़ी ग्राम पंचायत गोंझी निवासी रामलाल पिता भूपत के खेत से जब्त की गई। वन विभाग को सूचना मिली थी कि उक्त बल्लियों को जंगल से अवैध रूप से काटकर खेत में रखा गया है और इनका उपयोग वन्यजीवों को फंसाने के लिए किया जा रहा है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद लकड़ी को जब्त कर पंचनामा तैयार किया। जब्त लकड़ी को विभागीय डिपो में सुरक्षित रखवा दिया गया है। कार्रवाई के दौरान मौके पर सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बताया गया कि कार्रवाई के दौरान रामलाल द्वारा इसका विरोध करते हुए कार्रवाई रोकने का दबाव बनाया गया। साथ ही अधिकारियों एवं ग्रामीणों को जहर पीकर फंसाने की धमकी दिए जाने की बात भी सामने आई।

स्थिति को देखते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने मामले की सूचना नैनपुर पुलिस थाने को दी। वन विभाग द्वारा मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

रक्षाबंधन पर्व पर बाजार हुआ गुलजार

दुकानों पर सजीं रंग-बिरंगी राखियां

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही नगर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। मुख्य मार्ग सहित बुधवारी बाजार में राखियों की दुकानें रंग-बिरंगी राखियों और सतरंगी धागों से सजी नजर आ रही हैं। राखी की खरीदारी के लिए महिलाओं और युवतियों की भीड़ बाजार में दिखाई दे रही है। राखी बाजार में इस बार पारंपरिक राखियों के साथ आधुनिक और फैंसी राखियों की भी भरमार है। बच्चों को आकर्षित करने के लिए डोरेमोन, छोटा भीम, स्पाइडरमैन सहित विभिन्न कार्टून पात्रों वाली राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा लाइटिंग और म्यूजिक वाली राखियां भी बच्चों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। रक्षाबंधन को लेकर राखियों के साथ अन्य सामान की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। जनरल स्टोरों पर मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और महिलाओं एवं युवतियों के सौंदर्य प्रसाधनों की खरीदारी हो रही है। वहीं कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ नजर आ रही है। पर्व को लेकर बाजार में बढ़ी चहल-पहल से व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। दुकानदारों को रक्षाबंधन के अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद है। कुल मिलाकर भाई-बहन के प्रेम के पर्व रक्षाबंधन ने नगर के बाजार को उत्सव के रंग में रंग दिया है।

नैनपुर में धूमधाम से मनाया गया ईद-ए-मिलाद-उन-नबी

मुस्लिम समाज ने निकाला विशाल जुलूस

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का पर्व अकीदत, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मुस्लिम समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर नगर में विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रमों का सिलसिला सुबह फज्र की नमाज के बाद शुरू हुआ। नगर की मस्जिदों को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा सलातो-सलाम पेश किए गए। इस दौरान नगर एवं देश की तरक्की, खुशहाली, अमन-चैन और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं।। सुबह करीब 9 बजे मुस्लिम समाज द्वारा नगर में विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा एवं समाजजन शामिल हुए। धार्मिक नारों और उत्साह के बीच निकले जुलूस में पूरे मार्ग पर भाईचारे और सौहार्द का वातावरण दिखाई दिया। विभिन्न स्थानों पर लोगों द्वारा तबर्रुक, मिठाई, पानी एवं शरबत का वितरण किया गया। जुलूस के समापन के बाद जामा मस्जिद के सामने लंगर-ए-आम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इसके उपरांत मुस्लिम समाज के सदस्यों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैनपुर सहित विभिन्न अस्पतालों में मरीजों को फल वितरित किए गए। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी इस्लामिक कैलेंडर के रबी-अल-अव्वल माह की 12वीं तारीख को मनाया जाता है। यह दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर उनके जीवन, शिक्षाओं तथा मानवता, प्रेम, शांति और भाईचारे के संदेशों को स्मरण किया जाता है।

संपादकीय

विश्वास का संकट

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल प्रश्नों और उत्तरों का मूल्यांकन नहीं हैं। इनके पीछे लाखों विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, समय, धन, पारिवारिक उम्मीदें और भविष्य की योजनाएं जुड़ी होती हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में प्रश्नपत्र की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठते हैं और परीक्षा दोबारा कराने की नौबत आती है, तो इसे केवल एक प्रशासनिक भूल मानकर आगे बढ़ जाना उचित नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता और जवाबदेही का प्रश्न बन जाता है। यूजीसी-नेट जून 2026 की अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा को दोबारा कराने का निर्णय इसी चिंता को सामने लाता है। इन तीन विषयों के प्रश्नपत्रों को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने शिकायतें की थीं। जांच के बाद प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक त्रुटियां, मुद्रण संबंधी गलतियां, अनुवाद की समस्याएं, व्याकरण संबंधी कमियां, विद्वानों और पुस्तकों के नामों में गलतियां तथा पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी समस्याएं सामने आईं। इन कमियों के कारण संबंधित विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय तत्काल दृष्टि से उचित है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण प्रश्नपत्र के आधार पर परिणाम घोषित करना विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता। लेकिन अहम सवाल इससे आगे का है- आखिर इतने महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र में ऐसी गलतियां पहुंचीं कैसे? हाल के समाचारों और उपलब्ध जानकारी में नीट-यूजी प्रश्नपत्र विवाद के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर भी सवाल उठे हैं। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि देश में लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी परीक्षाओं के संचालन के लिए क्या वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त रूप से मजबूत और जवाबदेह है? अक्सर परीक्षा सुधार की चर्चा होते ही प्रश्नपत्र लीक रोकने, परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी बढ़ाने, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बात की जाती है। ये सभी उपाय आवश्यक हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाता है- क्या प्रश्नपत्र स्वयं शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण है? यदि किसी प्रश्न में किसी विद्वान का नाम गलत लिखा हो, किसी पुस्तक का शीर्षक गलत हो, किसी तथ्य में त्रुटि हो, अनुवाद प्रश्न का अर्थ बदल दे या व्याकरण संबंधी गलती के कारण प्रश्न अस्पष्ट हो जाए, तो विद्यार्थी की योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन कैसे होगा? इसलिए परीक्षा की विश्वसनीयता के दो महत्वपूर्ण आधार हैं- प्रश्नपत्र की सुरक्षा और प्रश्नपत्र की शैक्षणिक गुणवत्ता। प्रश्नपत्र परीक्षा केन्द्र से बाहर न जाए, यह जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने वाला प्रश्नपत्र तथ्यात्मक रूप से सही, भाषा की दृष्टि से स्पष्ट, पाठ्यक्रम के अनुरूप और संतुलित हो। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा संस्था के लिए संघ लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली से सीखने की आवश्यकता पर भी चर्चा हो रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि दोनों संस्थाओं की परीक्षाएं पूरी तरह समान हैं। सीखने का विषय उनकी संस्थागत विश्वसनीयता और प्रक्रिया की मजबूती है। देश में युवाओं का आक्रोश सिर्फ बेरोजगारी का नहीं, विश्वास के संकट का भी परिणाम है। परीक्षा में देरी, पेपर लीक, विवादित प्रश्न पत्र-परिणाम और परीक्षाएं रद्द होने से सिस्टम पर एक पूरी पीढ़ी का भरोसा टूटता है। देश में उच्च शिक्षा और डिग्रीधारियों की संख्या तो बढ़ी, लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उसी अनुपात में नहीं बढ़े। झारखंड, बिहार समेत कई राज्यों में सरकारी नौकरी आर्थिक स्थिरता, सामाजिक सम्मान और सुरक्षित भविष्य की प्रतीक है। गांवों और कस्बों में सरकारी नौकरी को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं माना जाता, इसे माता-पिता के दशकों के संघर्ष के सम्मान, छोटे भाई-बहनों की शिक्षा के लिए बेहतर अवसर और परिवार के बढ़े हुए आत्मविश्वास से भी जोड़कर देखा जाता है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है।

बीमारी बदल रही पताः गंभीर पारिस्थितिक बदलावों से खराब हो रही सेहत

ज्योति भास्कर

शायद यह बात अजीब लगे, लेकिन बीमारियों का भी अपना पता होता है। कुछ बीमारियां गर्म इलाकों में ज्यादा होती हैं, तो कुछ ठंडे इलाकों में। कुछ बारिश आते ही बढ़ने लगती हैं, तो कुछ गर्मी के साथ। डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग भी इसी अनुभव के आधार पर बीमारी से निपटने की तैयारी करते हैं। पर, अब मौसम का मिजाज बदल रहा है और उसके साथ बीमारियों का नक्शा। जो बीमारी कल तक किसी इलाके के लिए दूर की बात थी, वह आज वहां नई चिंता बनकर सामने आ रही है।

एक समय था, जब डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया का खतरा मुख्य रूप से गर्म और नम इलाकों में ज्यादा माना जाता था। लेकिन, अब पहाड़ों में भी इन बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में डेंगू के मामले 2021 के 1,709 से बढ़कर 2022 में 8,269 हुए, हालांकि 2025 में घटकर 3,343 रह गए। हिमाचल प्रदेश में भी 2021 के 349 मामलों के मुकाबले 2024 में 3,359 मामले दर्ज हुए। उत्तराखंड, मेघालय, सिक्किम और नगालैंड में भी मच्छरजनित बीमारियों के बदलते स्वरूप ने चिंता बढ़ाई है।

इन आंकड़ों को केवल जलवायु परिवर्तन से जोड़ना सही नहीं होगा। शहरीकरण, जलभराव, लोगों की आवाजाही, सफाई और निगरानी जैसे कई कारक भी जिम्मेदार हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन इन सबके बीच एक नया खतरा जरूर पैदा कर रहा है। बढ़ता तापमान, बदलता बारिश चक्र और नमी मच्छरों के पनपने के नए इलाके और अनुकूल परिस्थितियां बना रहे हैं। इसलिए मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, कालाजार और फाइलेरिया जैसी बीमारियों को जलवायु से प्रभावित होने वाली बीमारियों में रखा जाता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 2024 भारत के हाल के दशकों के सबसे खराब मौसम वाले वर्षों में रहा। इस दौरान रिकॉर्ड गर्मी, बाढ़, तूफान और लंबे समय तक चली असामान्य गर्मी ने लोगों की जिंदगी को प्रभावित किया। 2025 में भी कई जगहों पर बाढ़ के बाद तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। मई 2026 में तूफान से उत्तर प्रदेश में 117 लोगों की मौत हुई। वहीं, हाल में जारी मौसम का असर = भारत में जलवायु और स्वास्थ्य का आपसी संबंध व लचीलापन पाने के रास्ते रिपोर्ट के अनुसार, केवल गर्मी के कारण 2021 में भारत को अनुमानित 160 अरब काम के घंटों का नुकसान हुआ। यह देश की जीडीपी के करीब 5.4 प्रतिशत के बराबर था। वायु प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हर साल देश की जीडीपी का करीब दो प्रतिशत नुकसान होने का अनुमान है।

सरकार को इस बदलती तस्वीर का एहसास है। 2019 में केंद्र सरकार ने जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य को लेकर राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई, जिसमें 2021 में संशोधन किए गए। राज्यों को भी अपनी योजनाएं बनाने के लिए कहा गया। इसमें गर्मी, वायु प्रदूषण, बाढ़ और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों को शामिल किया गया है। मई 2025 में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र ने जलवायु परिवर्तन और मच्छरजनित बीमारियों के संबंध को समझने के लिए समिति बनाई। इसका एक अहम काम मौसम के आंकड़ों के आधार पर पहले ही बीमारी के खतरे का अनुमान लगाने वाली व्यवस्था तैयार करना है।

यहीं हमारे स्वास्थ्य तंत्र के सामने बड़ा सवाल है। हमारे पास तापमान, बारिश और नमी का रिकॉर्ड है। स्वास्थ्य विभाग के पास डेंगू, मलेरिया और दूसरी बीमारियों के आंकड़े हैं। फिर, इन दोनों जानकारियों को जोड़कर पहले से चेतावनी क्यों नहीं दी जा सकती? अगर किसी जिले में तापमान बढ़ रहा है, बारिश का पैटर्न बदला है, नमी ज्यादा है और जगह-जगह पानी जमा हो रहा है, तो बीमारी के खतरे का अनुमान पहले लगाया जा सकता है। ऐसे में, मरीजों के अस्पताल पहुंचने का इंतजार क्यों किया जाए? पहले ही सफाई अभियान चलाया जा सकता है, जलभराव खत्म कराया जा सकता है, मच्छर नियंत्रण बढ़ाया जा सकता है और अस्पतालों को जांच व दवाओं के लिए तैयार किया जा सकता है। इसके लिए मौसम वैज्ञानिक, डॉक्टर, कीटविज्ञानी, महामारी विशेषज्ञ, स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग को साथ काम करना होगा।

सवाल सिर्फ यह नहीं होना चाहिए कि आज कितने मरीज आए। यह भी होना चाहिए कि मौसम के अनुसार अगले महीने कितने मरीज आ सकते हैं। यही बदलाव जरूरी है। अभी व्यवस्था बीमारी आने के बाद ज्यादा सक्रिय होती है। अब उसे बीमारी आने से पहले तैयार होना होगा। भारत के सामने चुनौती पुराने बीमारी के नक्शे को बचाए रखने की नहीं, नए नक्शे को समय रहते पढ़ लेने की है, क्योंकि कल की बीमारी आज का पता बदल रही है। अगर बीमारी का पता बदल रहा है, तो स्वास्थ्य व्यवस्था को भी अपना रास्ता बदलना होगा।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

खबरों की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती, यहां आंखों देखा और कानों सुना भी झूठ हो सकता है!

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की दुनिया के लिए यह सबसे कठिन समय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सब कुछ हिलाकर रख दिया है। अगले पांच वर्षों में न्यूज रुम का चेहरा बदलने के संकल्प के साथ इस नए ज्ञान क्षेत्र ने जितने कम समय में अपनी उपयोगिता बनाई है, वह चकित करने वाली है। जिस दौर में समूचा मीडिया विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में एआई के लिए मीडिया समूहों का उत्साह और उसकी स्वीकार्यता वास्तव में आश्चर्य में डालने वाली है।

सही मायनों में यह वह समय है जब आंखों देखी तथा कानों सुनी बातें भी छलावा और धोखा साबित हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक ने सूचनाओं का ऐसा धुंधला समंदर रच दिया है, जहाँ कुछ क्षणों में फर्जी खबरें सच का लिबास पहनकर तैरने लगती हैं। ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि खबर कितनी तेजी से आप तक पहुँच रही है, बल्कि असली चुनौती यह है कि उस पर भरोसा कितना किया जाए। मशीनी एल्गोरिदम शब्दों को सजा सकता है, आंकड़े जोड़ सकता है, लेकिन सच को तलाशने की नैतिक हिम्मत और मानवीय संवेदना केवल एक निष्पक्ष पत्रकार के पास ही होती है।

डीपफेक से मुकाबला

युद्ध और राजनीतिक भाषणों के फर्जी वीडियो और आडियो वायरल हो जाना अब नई बात नहीं रही। पिछले चुनाव में भी कई दिवंगत नेताओं के वीडियो चले जिसमें वे अपनी पार्टी के वोट की अपीलें कर रहे हैं। जनमत को प्रभावित करने के लिए ऐसे प्रयास चरम पर हैं, जिनकी विश्वसनीयता शून्य है। %वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम% की एक रिर्पोट में एआई जनित गलत सूचनाओं को दुनिया के बड़े खतरों में बताया गया है। आज दुनिया और देश के अनेक बड़े मीडिया हाउस आधिकारिक तौर पर एआई का उपयोग डेटा विश्लेषण और अनुवाद के लिए कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई हजार पेज के डेटा का आंकलन -विश्लेषण सामान्य मनुष्य के लिए कई महीनों का काम है जिसे एआई के टूल्स मिनटों में संभव कर रहे हैं। बावजूद इसके अनेक मीडिया आउटलेट्स एआई से खबरें या विश्लेषण लिखवाकर हंसी के पात्र बन रहे हैं। ऐसे में संशोधन, सुधार और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त सामग्री से कचरा तो बढ़ ही रहा है, विश्वनीयता के नए संकट सामने हैं। बड़े भाषा माडल (एलएलएम) कभी पूरी तरह से काल्पनिक आंकड़े, अदालत के फैसला और ऐतिहासिक घटनाएं गढ़ते हुए दिखते हैं। जिसे सामान्य पाठक सच समझ बैठता है। तकनीकी विशेषज्ञ इसे हैलुसिनेशन कह रहे हैं। जिसका सीधा आशय यह है कि जिन चीजों के सटीक जवाब एआई के पास नहीं होते वह उनके मनगढंत उत्तर प्रस्तुत कर देता है। सजग संपादक और संपादकीय दृष्टि के अभाव में यह सामग्री कई तरह से संकट पैदा कर सकती है।

खबरों में सच की तलाश

सच और झूठ का फासला बहुत कम हो गया है। खबरों का सत्यापन पत्रकारिता की पहली शर्त है। लेकिन होड़ और दौड़ में वह धूमिल हो रही है। सामान्य से लगते कामों में एआई का उपयोग तो किया जा रहा है किया भी जाना चाहिए। किंतु किसी खोजी रिपोर्ट के लिए जमीनी स्तर पर जाकर काम करना, कागजात की जांच करना पत्रकारों की ही जिम्मेदारी है। तकनीक पर अति निर्भरता के समय में हमें उसके गंभीर खतरों का भी भान होना चाहिए। मैदानी पत्रकारिता में मिट्टी की जो खुशबू है वह मैदान में उतरे बिना प्रामणिक और भरोसेमंद नहीं हो सकती। मानवीय संस्पर्श और संवेदना किसी खबर का वितान बड़ा कर सकती है। जाहिर तौर पर पत्रकारिता की निर्भरता पूरी तरह एआई टूल्स पर संभव नहीं है। पत्रकारिता जहां निष्पक्षता, समाज के हित-सद्भाव, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर चिंतन को प्राथमिकता देती है, वहीं एल्गोरिदम का पूर्वाग्रह संभव है। अतः इसे समझने की जरुरत है। एआई माडल उसी डेटा से सीखते हैं जो उपलब्ध है। ऐसे में उपलब्ध डेटा अगर किसी प्रकार के पूर्वाग्रह से ग्रस्त है तो एआई भी उसी प्रकार के परिणाम देगा। कई शोध बताते हैं कि पश्चिमी मानकों पर ट्रेंड एआई माडल अक्सर विकासशील देशों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों पर गलत संदर्भ प्रस्तुत करते हैं।

आसानी से अर्जित नहीं होता भरोसा

भरोसा या विश्वास वह शब्द है जिसे प्राप्त करना आसान नहीं है। आप भले एआई का उपयोग करें किंतु जैसे ही आप यह लिखते हैं कि खबर एआई द्वारा बनी है और इसे मानव संपादक के द्वारा देख लिया गया है। पाठक का भरोसा एआई जनित खबर पर तुरंत कम हो जाता है। पाठक वास्तविक पत्रकारों और लेखकों द्वारा लिखी गई सामग्री को ज्यादा भरोसेमंद मानते हैं। कोई भी अखबार या मीडिया हाउस सालों-साल में यह प्रतिष्ठा अर्जित करता है। उसे एआई के नए माध्यम तुरंत समाप्त कर सकते हैं। दूसरी ओर कापीराइट और बौद्धिक संपदा से जुड़े संकट भी सामने खड़े हैं। कई प्रमुख मीडिया संगठन इस बात पर आपत्ति कर रहे हैं तो कई ने बिना अनुमति और बिना भुगतान उनकी सामग्री के उपयोग के लिए एआई कंपनियों पर मुकदमे भी किए थे। ऐसे में तमाम ऐसे विवाद अभी भी एआई के साथ जुड़े हुए हैं। बताया जाता है कि इंटरनेट पर हजारों की संख्या में ऐसी वेबसाइट्स तैर रही हैं जो केवल विज्ञापन से पैसे कमाने के लिए झूठ का व्यापार कर रही हैं। वे हर पल एआई से झूठी खबरें गढ़ते हुए पोस्ट करती रहती हैं। मीडिया वाचडाग न्यूज गार्ड ने ऐसे तमाम अविश्वसनीय वेबसाइटों की पहचान की है। ऐसे में सच और झूठ के बीच मीडिया के सत्यान्वेषण का धर्म सहम कर रह जाता है। हम सब मानते हैं संपादकीय विवेक का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता। इस दौर में भी यह एक सच्चाई है। नैतिक विवेक और समाज की गहरी समझ के बिना किया गया कोई भी संवाद या संचार संकट ही खड़ा करेगा।

मुख्यधारा के मीडिया की ओर लौटना होगा

सारी तकनीकी क्रांति के बाद भी मुख्यधारा के मीडिया का वजूद बचा रहेगा क्योंकि एआई जनित भ्रमों, फर्जी खबरों की बाढ़ के बीच हमें सत्यापित जानकारी की ओर लौटना ही है। ऐसे में 'प्रिंट इज डेड' जैसी अवधारणाओं के बीच भी मुख्यधारा का मीडिया अपनी विशेषताओं के कारण, संपादकीय गुणवत्ता के कारण बना और बचा रहेगा। सत्य आसानी से नहीं मिलता, इसे समाज भी स्वीकारेगा। इसके साथ ही प्रामणिक और भरोसेमंद मंचों की ओर लौटना ही होगा। क्योंकि यहां प्रामणिक मंच केवल खबरों का व्यापार नहीं कर रहे होगें बल्कि वे अपनी खबरों के सच होने के गारंटी भी देगें। जाहिर है पारंपरिक मीडिया के लिए वह दिन बहुत खास होगा। डीपफेक और एल्गोरिदम के समय में अब चुनौती ही असली और सही खबर पाना है। क्या वो आपके पास है?

अमेरिका में स्थानीय सरकारें दे रही हैं ट्रंप प्रशासन की राशि रोकने की कोशिश को चुनौती

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका के विभिन्न प्रांत और शहर ट्रंप प्रशासन की उस कोशिश को चुनौती दे रहे हैं, जिसमें स्थानीय सरकारों को नये चुनाव नियम अपनाने तक पुलिस, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आतंकवाद-रोधी कार्यों के लिए मिलने वाली लाखों डॉलर की धनराशि रोकने की कोशिश की जा रही है।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में राज्य और स्थानीय सरकारों की ओर से मुकदमे भी दायर किए जा चुके हैं। राज्य और स्थानीय सरकारों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए मिलने वाली धनराशि का इस्तेमाल उन चुनाव नीतियों को अपनाने के लिए दबाव बनाने में कर रहा है, जिन्हें अमेरिकी कांग्रेस ने मंजूरी नहीं दी है। टेक्सास का हैरिस काउंटी (जिसमें ह्यूस्टन शहर भी शामिल है) उन स्थानीय निकायों में शामिल है, जिन्होंने गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। काउंटी अटॉर्नी एबी कामिन ने कहा कि प्रशासन सार्वजनिक सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी व्यवस्था के लिए मिलने वाली धनराशि बंद करने की धमकी देकर वास्तव में स्थानीय सरकारों पर दबाव डाल रहा है। जिन चुनावी उपायों को लेकर विवाद है, उनमें कागजी मतपत्रों की व्यवस्था अपनाना, मतदाता के अमेरिकी नागरिक होने का प्रमाण अनिवार्य करना और पांच प्रतिशत मतपत्रों की गिनती हाथ से करना शामिल है। हैरिस काउंटी ने ओहायो के कोलंबस, टेनेसी के नैशविल और टेक्सास के एल पासो काउंटी के साथ मिलकर डीएचएस की उस कोशिश को चुनौती दी है, जिसमें अनुदान की राशि रोकने की बात कही गयी है।

स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इन धनराशियों से आतंकवाद-रोधी दलों को सहायता मिलती है और ड्रोन तथा बम की धमकियों से निपटने के लिए उपकरण, सुरक्षा सामग्री और कर्मचारियों के अतिरिक्त काम के भुगतान की व्यवस्था होती है।

श्री कामिन ने कहा कि इन क्षेत्रों में सभी राजनीतिक विचारों से जुड़े समर्पित सरकारी कर्मचारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि चुनाव सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से कराये जायें। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक दलगत हितों के लिए सार्वजनिक सुरक्षा की धनराशि को खतरे में डाल रहा है और आतंकवाद-रोधी धनराशि रोक रहा है। वहीं, प्रशासन ने कहा है कि चुनावों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता की रक्षा के लिए ये उपाय जरूरी हैं।

घड़ूंआ में खुदाई के दौरान चांदी के पुराने सिक्कों से भरा कुज्जा बरामद

घड़ूंआ(वार्ता)। पंजाब में मोहाली के ऐतिहासिक एवं प्राचीन गांव घड़ूंआ में विकास कार्य के लिए जमीन की खुदाई के दौरान चांदी के पुराने सिक्कों से भरा एक कुज्जा मिलने से सनसनी फैल गई है। खजाना मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कल देर रात तक गांव में हलचल बनी रही। कई ग्रामीण टॉर्च और खुदाई के औजार लेकर अंधेरे में भी जमीन खंगालते नजर आए। गांव के पुराने पंचायत घर की जगह पर नई आधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। मजदूर लाइब्रेरी की नींव के लिए जमीन की खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान मिट्टी के भीतर एक पुराना और आंशिक रूप से टूटा हुआ कुज्जा दिखाई दिया। उसे बाहर निकालने पर उसमें बड़ी संख्या में पुराने चांदी के सिक्के मिले। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार सिक्कों पर उर्दू भाषा में कुछ लिखा हुआ है। शुरुआती तौर पर इन्हें किसी पुराने राजवंश अथवा ऐतिहासिक काल से संबंधित माना जा रहा है। हालांकि सिक्कों की वास्तविक प्राचीनता, संख्या और ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि विशेषज्ञों की जांच के बाद ही हो सकेगी। पुरातत्व विभाग अथवा संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद सिक्के किस काल के हैं।

रूस में गैस प्लांट में भीषण आग लगने से 6 चीनी नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत, 9 लापता

मॉस्को

रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में एक गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में भयानक आग लग गई। इस हादसे में छह चीनी नागरिकों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं नौ लोग लापता हैं। प्लांट ने बुधवार को टेलीग्राम पर जानकारी दी कि अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को आग लगी थी, जिसे बुझा दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्लांट ने बताया कि कुल 7 लोगों की मौत हुई और 152 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। इनमें से 36 लोगों को अस्पताल ले जाया गया।रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना को इंडस्ट्रियल सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। जांच समिति आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। रूस के इस गैस प्लांट के निर्माण कार्य में विदेशी कर्मचारियों की मदद ली गई थी, जिनमें चीन के कई नागरिक शामिल थे। ऐसा देखा जाता है कि रूस हमेशा ही बड़े इंडस्ट्रियल और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए विदेशी कर्मचारियों को ही काम पर रखता है। अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स पॉलीइथिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक माना जाता है। इस प्लांट से हर साल करीब 23 लाख मीट्रिक टन पॉलीइथिलीन और 4 लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होता है।यह प्रोजेक्ट रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में सिबुर और सिनोपेक के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। रूस की जांच समिति के आने के बाद ही गैस प्लांट में आग लगने के कारणों का पता चल पाएगा।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को योगी सरकार की सौगात, तीन दिन मुफ्त बस यात्रा

प्रयागराज, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में लोकमाता अहिल्याबाई मातृ शक्ति निशुल्क बस यात्रा का शुभारंभ किया। इसी क्रम में प्रयागराज के जिला पंचायत सभागार में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मातृशक्ति को सम्मानित कर रक्षाबंधन के अवसर पर सरकार की ओर से उपहार भेंट किए गए। प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन के पर्व पर महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों और सिटी बसों में निशुल्क यात्रा की सौगात दी है। इसके तहत महिलाएं 27 से 29 अगस्त तक तीन दिनों के दौरान अपने एक सहयोगी के साथ मुफ्त बस यात्रा कर सकेंगी। 29 अगस्त के बाद 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं आधार कार्ड अथवा मतदाता पहचान पत्र दिखाकर निशुल्क बस यात्रा का लाभ उठा सकेंगी। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह समेत अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं को मिठाई और साड़ी भेंटकर सम्मानित किया गया। रक्षाबंधन पर मुफ्त बस यात्रा की सौगात और उपहार पाकर महिलाएं उत्साहित नजर आईं। महिलाओं ने इस पहल के लिए योगी सरकार का आभार जताया।

राजनीतिक और सामाजिक अशांति के साथ ही भाजपा का अंत शुरु हो गया

अगरतला, (वार्ता)

त्रिपुरा में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव एम ए बेबी ने दावा किया कि सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूरे देश में बढ़ते राजनीतिक और सामाजिक असंतोष का सामना करना पड़ रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी अपने अंतिम दिनों की ओर बढ़ रही है।

श्री बेबी राज्य के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को यहां पहुंचे और संगठनात्मक मामलों पर पार्टी की बैठक में शामिल हुए। साथ ही, उन्होंने स्वायत जिला परिषद (एडीसी) में होने वाले आगामी ग्रामीण परिषद चुनाव और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने बढ़ती चुनौतियों का ज़िक्र किया। उन्होंने खास तौर पर दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन का हवाला दिया, जिसके कारण शिक्षा मंत्री को इस्तीफ़ा देना पड़ा था।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विरोध-प्रदर्शनों और आलोचनाओं से निपटने की कोशिशों के बावजूद जारी आंदोलन जनता की बढ़ती नाराज़गी को दर्शाता है। उन्होंने बिहार में भाजपा को हाल ही में मिली चुनावी हार को अहम राजनीतिक संकेत बताते हुए कहा कि इससे पार्टी का राजनीतिक दबदबा कमज़ोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा की संगठनात्मक और राजनीतिक समस्याएं साफ़ तौर पर दिख रही हैं। उन्होंने भाजपा के ख़िलाफ़ आंदोलनों को मज़बूत करने में विपक्षी ताकतों की भूमिका पर भी ज़ोर दिया। श्री बेबी ने कहा कि राज्य में राजनीतिक हालात बदल रहे हैं। कई आंदोलन और जनता की शिकायतें ज़ोर पकड़ रही हैं, जिससे सत्ताधारी भाजपा के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। राज्य में विपक्ष के एक बड़े गठबंधन की संभावना पर बात करते हुए उन्होंने माकपा और टिपरा मोथा के बीच चल रही बातचीत का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि चुनावी समझौते को लेकर अभी कोई अंतिम फ़ैसला नहीं हुआ है और बातचीत जारी है, हालांकि पार्टियों के बीच कुछ मतभेद भी हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष की पार्टियों के आपसी मतभेदों से भाजपा के ख़िलाफ़ चल रही बड़ी लड़ाई कमज़ोर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय लोकतांत्रिक और जन-हितैषी राजनीतिक ताक़तों को मज़बूत करना ज़रूरी है।

रूस ने यूक्रेन के जहाजों और बंदरगाहों पर हमले जारी रखे : रक्षा मंत्रालय

मॉस्को (स्पूतनिक/वार्ता)। रूस की सेना ने ड्रोन और हवा से दागे जाने वाले सटीक हथियारों का इस्तेमाल कर यूक्रेन के बंदरगाह प्रतिष्ठानों और सैन्य-संबंधी ढांचे को निशाना बनाया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, रूसी बलों ने यूक्रेन के लिए सैन्य सामग्री ले जा रहे दो मालवाहक जहाजों और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के सैन्य उपकरणों वाले चार भंडारण केंद्रों पर हमला किया। ये सभी ठिकाने युझनी बंदरगाह पर स्थित थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा, युझनी बंदरगाह पर यूक्रेन के लिए सैन्य सामग्री ले जा रहे दो सूखे मालवाहक जहाजों और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के सैन्य उपकरणों वाले चार भंडारण केंद्रों को ड्रोन और हथियारों से निशाना बनाया गया। क्षा मंत्रालय ने कहा, युझनी बंदरगाह पर यूक्रेन के लिए सैन्य सामग्री ले जा रहे दो सूखे मालवाहक जहाजों और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के सैन्य उपकरणों वाले चार भंडारण केंद्रों को ड्रोन और हथियारों से निशाना बनाया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि रूसी सशस्त्र बलों ने चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर स्थित उन ईंधन भंडारण टैंकों को भी निशाना बनाया, जिनसे यूक्रेनी सशस्त्र बलों को ईंधन की आपूर्ति की जानी थी।

ईरान के हमले से अमेरिकी जासूसी नेटवर्क को अरबों डॉलर का नुकसानः रिपोर्ट

न्यूयॉर्क, (स्पूतनिक)। ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से पश्चिम एशिया में अमेरिकी खुफिया ठिकानों और निगरानी उपकरणों को बहुत नुकसान पहुंचा है और इनकी मरम्मत पर अरबों डॉलर खर्च होने का अनुमान है। एनबीसी न्यूज ने यह जानकारी दी।रिपोर्ट के अनुसार हमलों में सीआईए से जुड़े ठिकानों, निगरानी उपकरणों और अमेरिकी सेना के साथ साझा किये जाने वाले उपकरणों को निशाना बनाया गया। इसकी वजह से अमेरिकी कांग्रेस को क्षतिग्रस्त ठिकानों की मरम्मत के लिए धन की व्यवस्था करनी पड़ रही है। हमलों ने अमेरिकी तैयारियों की गंभीर विफलता को भी उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी एजेंसियां ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरीं, लेकिन उन्होंने ईरान के मिसाइल और ड्रोन शस्त्रागार से अपने सैन्य अड्डों और खुफिया ढांचे की सुरक्षा के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी एजेंसियां ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरीं, लेकिन उन्होंने ईरान के मिसाइल और ड्रोन शस्त्रागार से अपने सैन्य अड्डों और खुफिया ढांचे की सुरक्षा के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। सीएसआईएस के सेठ जोन्स ने एनबीसी न्यूज से कहा, अमेरिका इस युद्ध में उतरा और उसने किसी भी तरह से ठिकानों की सुरक्षा पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया था। उन्होंने कहा, और हमें भारी नुकसान उठाना पड़ा। ईरान के खिलाफ अमेरिका के युद्ध ने मरम्मत का भारी-भरकम खर्च का बोझ डाल दिया है।

महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये की मदद देंगे, छात्र-छात्राओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि प्रदेश में उनकी सरकार बनने पर महिलाओं को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए हर साल 40 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। यह राशि आने वाले वर्षों में बढ़ाई भी जाएगी। समाजवादी पार्टी आधी आबादी को उसका अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री यादव ने पार्टी कार्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए 1090 जैसी व्यवस्था शुरू की थी। डायल-100 की शुरुआत भी पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को आम लोगों तक तेजी से पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं के साथ-साथ प्रदेश की आने वाली पीढ़ी के हित में भी कई बड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि सपा सरकार बनने पर स्कूली बच्चों, कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोडवेज बसों और मेट्रो में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पहले भी तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को लैपटॉप बांटे थे। उस समय तकनीक आज की तरह

विकसित नहीं थी, इसके बावजूद सपा सरकार ने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का काम किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग तकनीक के बारे में कुछ नहीं जानते, वे आज टैबलेट बांटने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने पहले ही विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर यह साबित किया था कि युवाओं को तकनीक से जोड़ना कितना जरूरी है। खिलेश ने भाजपा के 'नारी वंदन' अभियान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग जब नारी वंदन की बात करें तो उन्हें हाथरस की बेटी की घटना याद दिलानी चाहिए।

उन्होंने खुशी दुबे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि महिलाओं के साथ अन्याय के कई मामले सामने आए हैं और प्रदेश में आधी आबादी सबसे अधिक घटनाओं का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के समय 108 और 102 जैसी मुफ्त एंबुलेंस सेवाएं संचालित थीं। आने वाले समय में उनकी सरकार स्वास्थ्य, सुरक्षा और परिवहन से जुड़ी सुविधाओं को और मजबूत करेगी।

सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी की कोशिश होगी कि प्रदेश की महिलाओं, युवाओं और आने वाली पीढ़ी को उनका हक मिले और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों। प्रेस कांफ्रेंस में मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव, कैराना की सांसद इकरा हसन, सांसद प्रिय सरोज सहित कई महिला विधायक, पार्टी प्रवक्ता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

प्रभास और ऋषभ शेट्टी ने की 'महाकाली' की तारीफ, अक्षय खन्ना के शुक्राचार्य अवतार को बताया दमदार

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास और ऋषभ शेट्टी ने निर्देशक प्रशांत वर्मा की आगामी पौराणिक फिल्म 'महाकाली' की पहली झलक की सराहना की है। दोनों सितारों ने विशेष रूप से अक्षय खन्ना के दमदार शुक्राचार्य अवतार और श्रिया रेड्डी की प्रभावशाली मौजूदगी की तारीफ की है। प्रभास ने सोशल मीडिया पर फिल्म की झलक साझा करते हुए प्रशांत वर्मा और पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना और श्रिया रेड्डी झलक में बेहद शानदार नजर आ रहे हैं। वहीं, ऋषभ शेट्टी ने भी फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि 'महाकाली' में शुक्राचार्य के युद्ध की पुकार बेहद शक्तिशाली और गूंजदार है। उन्होंने प्रशांत वर्मा और फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। फिल्म की पहली झलक में अक्षय खन्ना का शुक्राचार्य अवतार प्रमुख आकर्षण के रूप में सामने आया है। असुरों के गुरु के किरदार में उनका उग्र, प्रभावशाली और रहस्यमयी अंदाज दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। उनके ट्रांसफॉर्मेशन और किरदार के इर्द-गिर्द बुने गए रहस्य ने धर्म और अधर्म के बीच होने वाले महायुद्ध को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

'महाकाली' में भव्य विजुअल्स, विस्तृत वर्ल्ड-बिल्डिंग और विशाल सिनेमाई दुनिया देखने को मिलेगी। श्रिया रेड्डी की दमदार मौजूदगी भी फिल्म के रहस्य और आकर्षण को बढ़ाती है। 'हनु-मान' की सफलता के बाद प्रशांत वर्मा अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) को आगे बढ़ाते हुए इस फिल्म के जरिए भारतीय पौराणिक कथाओं को भव्य स्तर पर प्रस्तुत करने जा रहे हैं।

आरके दुग्गल द्वारा प्रस्तुत और रिवाज़ रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित 'महाकाली' का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लूरू कर रही हैं। फिल्म में अक्षय खन्ना, श्रिया रेड्डी, भूमि शेट्टी और रोहित सराफ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 08 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्मित कौर अहलूवालिया ने डेडलिफ्ट के दौरान लगी चोट पर खुलकर की बात

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया को हाल ही में वर्कआउट सेशन के दौरान डेडलिफ्ट करते समय चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें पूरी तरह बेड रेस्ट लेना पड़ा। निर्मित को चोट के कारण कुछ समय के लिए अपनी नियमित फिटनेस रूटीन से भी दूरी बनानी पड़ी। निर्मित ने सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह इस ब्रेक को हार या रुकावट के तौर पर नहीं देख रही हैं, बल्कि इसे अपने शरीर को ठीक होने के लिए जरूरी समय मान रही हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्दबाजी में वापसी करने के बजाय पूरी तरह स्वस्थ होकर पहले से अधिक मजबूती के साथ लौटना चाहती हैं। निर्मित ने कहा, यह मेरे लिए बेहद दर्दनाक अनुभव रहा है और इसने मुझे एक बार फिर समझाया कि आप खुद को कितना भी मजबूत या अनुभवी मानें, अपने शरीर या किसी भी वर्कआउट मूवमेंट को हल्के में नहीं लेना चाहिए। डेडलिफ्ट करते समय मुझे चोट लगी और यह इतनी गंभीर थी कि मुझे पूरी तरह बेड रेस्ट लेना पड़ा। जो इंसान एक्टिव रहा और ट्रेनिंग करना पसंद करता हो, उसके लिए अचानक रुक जाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, अब मुझे समझ आया है कि कभी-कभी रुकना, आराम करना और अपने शरीर को ठीक होने का समय देना भी जरूरी होता है। अभी रुकने से मुझे कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आगे आने वाली जंग के लिए खुद को तैयार कर रही हूं। मैं वापसी जरूर करूंगी, लेकिन सही तरीके से और पूरी तरह ठीक होकर वापसी करना चाहती हूं। निर्मित ने लोगों को ट्रेनिंग के दौरान सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा, ट्रेनिंग करते समय अपने शरीर की बात सुनें। यदि शरीर थका हुआ महसूस कर रहा है, नींद पूरी नहीं हुई है या खान-पान सही नहीं है, तो इन चीजों को ठीक करने के लिए जरूरी कदम उठाएं। रिकवरी भी उतनी ही जरूरी है जितनी ट्रेनिंग।

कौन होणार करोड़पति' में होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर माधुरी दीक्षित जल्द ही क्विज शो 'कौन होणार करोड़पति' में होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी। शो के साथ जुड़ने को लेकर माधुरी का कहना है कि उन्हें इस मंच पर लोगों की कहानियों, सपनों और जज्बातों से जुड़ने का अवसर सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। माधुरी दीक्षित को 'कौन होणार करोड़पति' की मेजबानी करते देखने को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता है। रजिस्ट्रेशन शुरू होने के साथ शो को लेकर चर्चा भी तेज हो गई है। माधुरी ने कहा, जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित किया, वह थी लोगों की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ने की इच्छा। 'कौन होणार करोड़पति' सिर्फ सवालों के जवाब देने और पैसे जीतने का मंच नहीं है, बल्कि यह अपने सपनों पर भरोसा करने, आत्मविश्वास रखने और उन्हें पूरा करने की हिम्मत की बात करता है। दशकों तक अभिनेत्री, डांसर और परफॉर्मर के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने वाली माधुरी के लिए इस शो की मेजबानी एक अलग अनुभव है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 'कौन होणार करोड़पति' के साथ दर्शक मेरा एक ज्यादा सहज और स्पॉन्टेनियस अंदाज देख पाएंगे। एक अभिनेत्री के तौर पर आप एक किरदार में ढलते हैं, लेकिन यहां मैं खुद जैसी हूं वैसी ही रह सकती हूं। उन्होंने कहा कि शो में कंटेस्टेंट्स की बातें सुनना, उनकी कहानियां जानना और उनसे जुड़ना उन्हें पसंद आएगा। उनके मुताबिक, हर कंटेस्टेंट के साथ जुड़े सपने, जज्बात, हंसी और अचानक आने वाले सरप्राइज शो को खास बनाते हैं। माधुरी ने कहा कि उन्हें लोगों से बातचीत करना पसंद है और वह कंटेस्टेंट्स तथा दर्शकों के साथ इन खास पलों को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।

जिलेभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा संस्कृत सप्ताह

तिलक वंदन, गीता-सुभाषित श्लोकों के सामूहिक पाठ से संस्कृतमय हुए विद्यालय परिसर

नरसिंहपुर (स्वतंत्रमत)

लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले के शासकीय विद्यालयों में 'संस्कृत सप्ताह' का शुभारंभ हुआ। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार तथा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं जीवन मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रथम दिवस विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मां सरस्वती का पूजन, तिलक वंदन, श्लोक वाचन एवं सामूहिक पाठ किया। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में छात्राओं ने गुरूजनों का तिलक वंदन किया तथा कक्षा 11वीं के छात्र जय कुमार मेहरा के नेतृत्व में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर में संस्कृत सप्ताह के नोडल अधिकारी श्री गोविंद मेहरा के मार्गदर्शन में

10 चयनित सुभाषित श्लोकों का सस्वर एवं सामूहिक पाठ किया गया। प्राचार्य श्री प्रभात मिश्रा एवं शिक्षकों ने सस्वर सुंदरकांड का पाठ किया।

श्लोकों की गूंज से विद्यालय परिसर संस्कृतमय हो उठा। इसी क्रम में सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव में पूजन-अर्चन के साथ विद्यार्थियों ने श्लोक वाचन किया। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सालीचौका रोड में नीति श्लोकों का पाठ कराया गया, जबकि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी में विद्यार्थियों को तिलक लगाकर संस्कृत ध्येय मंत्र एवं श्लोक वाचन कराया गया। एकीकृत हाई स्कूल कुकलाह में विद्यार्थियों ने 10 सुभाषित श्लोकों का सामूहिक पाठ किया। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रभात मिश्रा ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और जीवन दर्शन का आधार है। संस्कृत सप्ताह के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक एवं जीवन मूल्यों का विकास होगा। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त तक संस्कृत गीत प्रतियोगिता, संगोष्ठी, वेद पाठ, शोभायात्रा सहित विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में संस्कृत के सुभाषितों एवं उनमें निहित जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प भी लिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि संस्कृत सप्ताह के दौरान जिले के विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि विकसित करने के साथ ही भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालय स्तर की गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों एवं समाज में संस्कृत के प्रति सकारात्मक रुचि और जागरूकता का विस्तार हो। कार्यक्रमों में विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं शाला परिवार की सक्रिय सहभागिता रही।

दो दिवसीय अभ्यास एवं प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

भारतीय किसान संघ जिला नरसिंहपुर का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग एवं प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र में सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम भगवान बलराम भारत माता की पूजन जय घोष के साथ वर्ग प्रारंभ हुआ । संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन परिचय पर प्रांत मंत्री स्वदेश कोठारी ने कहा कि श्री ठेंगड़ी का जीवन सरल और अध्ययन की व्यापकता चिंतन की गहराई ध्येय के प्रति समर्पण सिखाता है किसानों को एकजुट करने किसान का उत्थान हो यह भाव को लेकर 4 मार्च 1979 को भारतीय किसान संघ की स्थापना की गई। जिला उपाध्यक्ष भाव सिंह पटेल द्वारा किसानों को अपने अनुभव साझा किए।प्रांत संगठन मंत्री तुलसीराम द्वारा संगठन के संगठनात्मक पहलुओं पर विचार रखा। बताया कि संगठन की मजबूती के लिए नियमित मासिक बैठक अनिवार्य है। ग्राम स्वलंबी बने किसान की उन्नति में राष्ट्र की उन्नति है । जिला अध्यक्ष संतोष राय के द्वारा संगठन के नारे का अभ्यास कराया गया यह नारे हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं संगठन सर्वोपरि है। चतुर्थ सत्र भारतीय किसान संघ के सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश खेमरिया द्वारा कार्यकर्ता कार्य व कार्यक्रम पर विचार रखे। कार्य के लिए कार्यकर्ताओं की आवश्यकता महत्वपूर्ण है संतुलित और स्थिर मन परिवार के साथ समाजंय बिठाकर धैर्य के साथ सकारात्मक ऊर्जा के साथ काम करना चाहिए । कार्यकर्ता की तपस्या ही संगठन की और समाज की मजबूती बनती है भारतीय किसान संघ जिला अभ्यास वर्ग नरसिंहपुर में पंचम सत्र मंडल रचना एवं सदस्यता लक्ष्य का निर्धारण रहा।मंडल तहसील प्रभारी प्रांत संगठन मंत्री तुलाराम रहे। षष्ठम सत्र जितेन्द्र जैन द्वारा आयामों का परिचय एवं रचना से अवगत कराया गया। सप्तम सत्र में प्रांत उपाध्यक्ष नारायण सिंह पटेल द्वारा ग्राम विकास में ग्राम समिति की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। अष्टम सत्र में संभागीय अध्यक्ष अनिरूद्ध पटेल द्वारा संगठन कार्य कार्यक्रम एवं संगठन के नाम का महत्व पर प्रकाश डाला गया। मंच संचालन जिला मंत्री अभिषेक पटेल द्वारा किया गया । संगठन गीत का अभ्यास नितिन तिवारी जिला प्रचार प्रमुख एशवत पटेल, तहसील मंत्री गोटेगांव कार्यक्रम के समापन पर जिला कोषाध्यक्ष विष्णु पटेल द्वारा आभार किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी मुन्ना पटेल, राजेंद्र सिंह पटेल, संजय पाठक ,नंदराम राजपूत, दिनेश पटेल ,तहसील अध्यक्ष एंशवत पटेल , सुरेन्द्र सिंह राजपूत, साईखेडा करेली गोवर्धन सिंह, नरसिंहपुर तहसील मंत्री एंशवत पटेल, गोटेगांव राजेश चौरसिया, करेली श्रीविश्वनाथ शर्मा, साईखेड़ा ओम चौकसे, नरसिंहपुर प्रांत सदस्य सरदार सिंह पटेल, प्रांत जैविक प्रमुख श्रीकृष्णपाल सिंह आदि की उपस्थिति रही।

सांगई के स्कूल में छात्राओं ने बनाई राखियां

राखी बनाओ एवं सजाओ प्रतियोगिता में दिया रक्षाबंधन का संदेश

नरसिंहपुर/गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

भाई बहिन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जायेगा। जैसे जैसे रक्षाबंधन की तिथि नजदीक आ रही है वेसे ही इसका उत्साह चरम पर नजर आ रहा है। बीते मंगलवार को ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में बच्चों के उत्साह को देखते हुए राखी बनाओ एवं सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 की छात्राओं ने स्वयं घर से राखियाँ बनाकर एवं उन्हें आकर्षक ढंग से सजाकर उनका प्रदर्शन कर प्रस्तुतीकरण किया। प्रतियोगिता उपरांत कक्षावार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं का चयन किया गया जिन्हे जल्द पुरुस्कार दिये जायेंगे।

इस दौरान 8 वी की छात्राओं दुर्गा केवट एवं अंकिता धानक ने बताया कि हम लोगों ने पतले मोतियों के उपयोग से राखी बनाई है। इसे हम 28 अगस्त को अपने भाई की कलाई पर बांधेगे। इसी अवसर पर 7 वी की छात्राओं मुनमुन केवट एवं विद्या केवट ने कहा कि रक्षाबंधन के आने का हमें बेसब्री से इंतजार रहता है। हम लोगों ने भाइयो के लिए उत्साहपूर्वक राखियाँ तैयार की है। इस आयोजन के मार्गदर्शी शिक्षक मधुसूदन पटैल ने कहा कि वर्तमान मोबाइल क्रांति के दौर में विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता को संपन्न कराने में प्रधानपाठक दशरथ प्रसाद जाटव, शिक्षक विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर, चंद्रभूषण नामदेव एवं छात्राओं रोशनी केवट,चाँदनी केवट, साक्षी केवट, रोहिणी केवट,सौम्या केवट, कुसुम केवट, अंजलि केवट, अनुष्का केवट,शिखा कहार की अहम भूमिका रही।

कजलिया पर्व पर अवकाश की मांग

नरसिंहपुर। स्वतंत्र मत। पारंपरिक आस्था और लोक संस्कृति से जुड़े कजलिया पर्व के अवसर पर 29 अगस्त को अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला नरसिंहपुर द्वारा डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को ज्ञापन सौंपा गया।संघ पदाधिकारियों ने बताया कि कजलिया पर्व क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाते हैं। ऐसे में 29 अगस्त को अवकाश घोषित किए जाने से कर्मचारी एवं उनके परिवारजन भी इस पारंपरिक पर्व में सहभागिता कर सकेंगे।प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी कलेक्टर से मांग की कि कर्मचारी हित एवं क्षेत्र की पारंपरिक आस्था को ध्यान में रखते हुए 29 अगस्त को कजलिया पर्व का अवकाश घोषित करने के लिए शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाए।इस अवसर पर तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अंचल शर्मा, ब्रजेश नेमा सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मां नर्मदा के थरेरी घाट से शिव धाम डमरू घाटी गाडरवारा तक निकली भव्य एवं विशाल सार्वजनिक कांवड़ यात्रा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

पवित्र श्रावण मास के आखिरी सावन सोमवार को गाडरवारा क्षेत्र में मां नर्मदा के थरेरी घाट से शिव धाम डमरू घाटी तक भव्य एवं विशाल सार्वजनिक कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल (मुलायम भैया) भी शामिल हुए। हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने कांवड़ यात्रा में सहभागिता करते हुए मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान नर्मदेश्वर महादेव का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ जलाभिषेक किया।

सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी क्षेत्र में सभी के सुखी, निरोगी एवं कल्याणकारी जीवन की कामना के उद्देश्य से इस यात्रा का आयोजन किया गया। मां नर्मदा जी एवं देवाधिदेव भगवान नर्मदेश्वर महादेव की असीम कृपा से आयोजित इस धार्मिक यात्रा का शुभारंभ मां नर्मदा जी की पूजा-अर्चना, आरती, चुनरी एवं प्रसाद भेंट कर किया गया।

क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल की आगवानी में समस्त कांवड़ियों ने श्री राज राजेश्वरी मंदिर, थरेरी घाट से यात्रा का शुभारंभ किया। प्रातः लगभग 10 बजे प्रारंभ हुई कांवड़ यात्रा बिछुआ, नरवारा, लिलवानी, सूकरी एवं कौड़ियां होते हुए लगभग 21 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय कर सायं करीब 4:30 बजे शिव धाम डमरू घाटी गाडरवारा पहुंची।

यात्रा में बच्चे, युवा, महिलाएं, पुरुष एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिवभक्त नंगे पैर कंधों पर कांवड़ लेकर पूरे रास्ते बम-बम भोले और बोल बम के जयघोष लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। भक्ति गीतों की धुन पर बच्चे, महिलाएं और युवा नाचते-गाते नजर आए, जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय और भक्तिमय हो गया।

शिव धाम डमरू घाटी पहुंचने पर कांवड़ियों ने अपनी कांवड़ में लाए मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान नर्मदेश्वर महादेव का मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया। इसके बाद विधिवत पूजन-अर्चना एवं आरती कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया। तदोपरांत सभी कांवड़ियों ने भंडारा प्रसादी ग्रहण की।

कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों एवं विभिन्न सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों तथा ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। कांवड़ियों के लिए जलपान, चाय, फलाहार, नमकीन एवं फलों की व्यवस्था की गई। अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पहार पहनाकर एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति द्वारा डमरू घाटी के सामने मुख्य मार्ग पर देवकरण कीर के निज निवास एवं गोपाल खेमरिया की गोदाम पर कांवड़ियों सहित डमरू घाटी दर्शन करने पहुंचे सभी शिवभक्तों के लिए भंडारा प्रसादी की व्यवस्था की गई। सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति ने यात्रा में शामिल सभी कांवड़ियों, क्षेत्र की धर्मप्रेमी जनता, सहयोग करने वाले शिवभक्तों, विभिन्न संगठनों एवं समाजसेवी कार्यकर्ताओं, जगह-जगह स्वागत करने वाले ग्रामीणों, पुलिस प्रशासन तथा विशेष रूप से पत्रकार बंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

बारहाबड़ा व सूखाखैरी से होते हुए चीचली पहुंची कलश वंदन रथ यात्रा

संत शिरोमणि श्री गुरुदेव रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती पर निकाली जा रही रथ यात्रा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले में संत शिरोमणि श्री गुरुदेव रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन उपलक्ष्य में कलश वंदन रथ यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड चीचली के ग्राम बारहाबड़ा एवं सूखाखेरी होते हुए श्री रविदास मंदिर चीचली पहुंची। यहां से श्रद्धालुओं द्वारा अत्यंत उत्साह एवं श्रद्धा के साथ भव्य कलश वंदन यात्रा निकाली गई। यात्रा में ढोल-नगाड़ों, ध्वजों एवं कलशों के साथ बड़ी संख्या में मातृशक्ति, बहनों, ग्रामीणजनों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से जुड़े वार्ड एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कलश वंदन रथ यात्रा पूरे नगर में भ्रमण करते हुए बस स्टैंड चीचली पहुंची। अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री मुकेश मरैया, प्रस्फुटन समिति गंगई की अध्यक्ष श्रीमती राधा अहिरवार, श्री कमल खटीक तथा नवांकुर संस्था एवं जन अभियान परिषद से जुड़े श्री संतोष चौरसिया ने आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। वक्ताओं ने संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज के जीवन चरित्र, कृतित्व, व्यक्तित्व एवं उनके महान विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन के माध्यम से समाज को समता, समरसता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकता एवं सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही। कलश वंदन रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं एवं आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला। यात्रा का अगला पड़ाव गाडरवारा रहेगा, जहां आज रात्रि विश्राम किया जाएगा।

प्रधान जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा जबलपुर के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संदर्भ में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में ए.डी.आर. सेंटर भवन उमरिया के कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी न्यायिक अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों के निराकरण किये जाने हेतु निर्देश दिये।बैठक के दौरान प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नजमा बेगम,द्वितीय जिला न्यायाधीश अहमद रजा, तृतीय जिला एवं अपर न्यायाधीश स्वाति कुशल धारीवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया मोहन डावर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार अग्रवाल,द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड वीणा खलखो, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड आशीष धुर्वे, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड सरफराज खान, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड पल्लवी सिंह एवं प्रशिक्षु न्यायाधीश शुभांशु सोनी आदि समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।

उमरिया सेवादल ने हार्डिकर जी को किया नमन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बुधवार 26 अगस्त को नगर के गांधी चौक उमरिया में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के संस्थापक स्व. एन एस हार्डिकर जी की पुण्य तिथि जिला कांग्रेस सेवादल उमरिया एवं कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियो ने तैलचित्र पुष्प पर माला अर्पित कर हार्दिकर जी अमर रहे के नारो के साथ मनाया।

कार्यक्रम का संचालन संतोष सिंह अध्यक्ष जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. एन एस हार्डिकर जी के देश के प्रति त्याग और आजादी के लिए संघर्ष के साथ सेवादल स्थापित कर महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज हम सब उन्हें नमन करते हैं और सेवादल के माध्यम से उनके द्वारा बताए गए भारत देश के आम जनता के हितों के रक्षा के लिए देश विरोधी ताकतों के विरुद्ध लड़ने की क्षमता अर्जित करते हैं।

इस दौरान नगरी निकाय कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिभुवन प्रताप सिंह, बांधवगढ़ विधानसभा प्रत्याशी श्रीमती सावित्री सिंह धुर्वे, नगर पालिका उपाध्यक्ष अमृत लाल यादव, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष विजेंद्र सिंह अब्बू, सेवादल के उपाध्यक्ष पीएन राव, वरिष्ठ नेता हिरेश मिश्रा, कांग्रेस नेता मुकेश सिंह, ओम प्रकाश मुन्ना सोनी, शिव कुमार सिंह, करण सिंह, राजेश सिंह,छोटेलाल, प्रहलाद यादव, भगवान दास, मंगल सिंह, किशोर सिंह, रेखा सिंह, शकुंतला धुर्वे ,सरिता सोनी ,अयाज खान, लोटन पाल, अनंत सिंह,गजवीर सिंह ,ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र महोबिया, आनंद सिंह, कैलाश सिंह, नीरज बासोर, लक्ष्मी गुप्ता, शिव शर्मा, उमेश सिंह, युवा सेवा दल अध्यक्ष संदीप यादव, सहित अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

युवाओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सोशल वेलफेयर सोसायटी, उमरिया द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए स्वेच्छा से रक्तदान किया। सोसायटी के अध्यक्ष शेख शाहरुख ने बताया कि उनकी संस्था पिछले पांच वर्षों से लगातार रक्तदान शिविर आयोजित करती आ रही है। इसी सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मॉयल में हिंदी के रंग, काव्य गोष्ठी में गूंजे ओज, श्रृंगार और देशभक्ति के स्वर

उकवा (स्वतंत्र मत)। मॉयल लिमिटेड उकवा खान के प्रशासनिक भवन स्थित सभागृह में मंगलवार को काव्य गोष्ठी सह विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और दैनिक कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में कविताओं और तालियों की गूंज से माहौल साहित्यिक हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं सर्वधर्म सेवा समिति उकवा के अध्यक्ष जेम्स बारीक रहे, जबकि अध्यक्षता खान प्रबंधक निषाद निकोसे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ लता शबनम द्वारा मां शारदा की वंदना से हुआ। अतिथियों ने मां सरस्वती के

छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

काव्य गोष्ठी में बालाघाट जिले के चार कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। माधुरी किरण ने देशभक्ति से ओतप्रोत मैं भारत की बेटी हूं... कविता प्रस्तुत कर सभागार में जोश भर दिया। इसके बाद किशोर सागर छिपेश्वर ने हास्य-व्यंग्य और पैरोडी के माध्यम से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। भरवेली के कवि मनोज रामटेके ने वीर रस एवं राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि उकवा के कवि इम्मानुएल दीप ने सामाजिक चेतना और ओजपूर्ण कविताओं से खूब वाहवाही लूटी। मुख्य अतिथि जेम्स बारीक ने कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति और पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खान प्रबंधक निषाद निकोसे ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए मॉयल प्रबंधन की प्रतिबद्धता जताई।

कार्यक्रम का संयोजन सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) एवं राजभाषा विभाग प्रमुख विवेक महाकालकर ने किया। कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर शहर में निकला भव्य जुलूस

बड़ी संख्या में शामिल हुए समाजजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर बुधवार को शहर में मुस्लिम समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरुआत मिशन चौक स्थित इमामबाड़ा से हुई। इसमें छोटे-छोटे बच्चों से लेकर समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान पूरे मार्ग पर उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल नजर आया। जुलूस में युवा वर्ग डीजे साउंड पर बज रहे सामाजिक एवं धार्मिक गीतों के बीच हाथों में झंडे लेकर चलते दिखाई दिए। बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जुलूस मिशन चौक से प्रारंभ होकर थाना तिराहा, सुभाष चौक, कचहरी चौक होते हुए जिला अस्पताल रोड स्थित अंजुमन इस्लामिया स्कूल पहुंचा, जहां इसका समापन किया गया। समापन स्थल पर मुस्लिम समाज के बच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके साथ ही समाज में बेहतर कार्य करने वाले लोगों तथा प्रतिभावान बच्चों का सम्मान भी किया जाएगा। आयोजन के दौरान सामाजिक एकता, भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया गया। जुलूस को लेकर शहर में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। जुलूस के दौरान हज़रत ईत्र शाह पीर बाबा कमेटी ऑल इंडिया मुस्लिम तेहवार कमेटी तनवीर खान, तनु भाई, आजरुद्दीन अज्जू भाई, इरफान खान, हैप्पी भाई, शमसुद्दीन भाई, अनवर नियाजी, नसरुद्दीन भाई सहित समाज के अन्य जन मौजूद रहे।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में आकर्षक साज सज्जा- ईदमिलादुन्नबी के अवसर पर नगीना मस्जिद को दुल्हन की तरह सजाया गया था, इसी तरह मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा अपने घरों और प्रतिष्ठानों में रंग बिरंगी साज-सज्जा भी की गई है। पर्व की तैयारियां पिछले एक सप्ताह से की जा रही थी। ईद-ए-मिलाद-उननबी का पर्व है। यह इस्लाम धर्म का महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था। उनके जन्मदिवस के दिन पैगंबर साहब की याद में खुशी के पर्व के तौर पर इस त्योहार को मनाते है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह पर्व हर साल रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन इस पर्व को मनाने की परंपरा होती है। इस दिन पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं और उनके जीवन के संघर्षों को लोग याद करते हैं। साथ ही एक दूसरे को मुबारकबाद भी देते हैं।

चाणक्य ब्राह्मण महासभा ने कराया पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी जिला अस्पताल रोड स्थित भगवान परशुराम मंदिर में चाणक्य ब्राह्मण महासभा द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया। चाणक्य ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष उमाकांत पप्पू दीक्षित ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक को लेकर श्रद्धालुओं में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और भगवान शिव का पूजन कर रुद्राभिषेक संपन्न किया। पूजन-अर्चन के पश्चात भगवान शिव की आरती की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना, एकजुटता और धार्मिक संस्कारों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और पूरा मंदिर परिसर भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा।

लमतरा इंडस्ट्रियल एरिया में बदमाशों की दबंगई

ट्रक से डीजल की लूट, चौकीदार को दी जान से मारने की धमकी

कटनी (स्वतंत्रमत)

लमतरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक इंडस्ट्रीज के मुख्य द्वार के सामने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्त की पोल खोल देने वाली वारदात सामने आई है। इलाके में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए सरेआम लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह लगभग 6 बजे पांडे इंडस्ट्रीज के गेट के बाहर खड़ी गाड़ी से बदमाशों ने जबरन डीजल लूट लिया। पूरी घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी बेखौफ होकर पाइप और डिब्बों के जरिए गाड़ी से डीजल निकालते और लूटकर ले जाते दिख रहे हैं। बताया जाता है कि जब वहां तैनात चौकीदार ने बदमाशों को रोकने और उनका विरोध करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उसके साथ बदसलूकी की और लाठी-डंडों से डराते हुए जान से मारने की धमकी दी। डरा-धमकाकर की गई इस वारदात से यह साफ है कि यह महज चोरी नहीं, बल्कि सरेआम की गई लूट की घटना है। इंडस्ट्रियल एरिया जैसे मुख्य व्यापारिक क्षेत्र में सुबह-सुबह हुई इस लूट की घटना ने पुलिस पेट्रोलिंग और लॉ एंड ऑर्डर पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है जब ड्यूटी पर तैनात चौकीदार ही सुरक्षित नहीं है और उससे सरेआम लूट की जा रही है, तो अन्य संपत्तियों और नागरिकों की सुरक्षा का क्या। स्थानीय उद्योगपतियों और वाहन चालकों ने कटनी पुलिस से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तत्काल पहचान कर उनके खिलाफ लूट और धमकी का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

सावन में गहोई एकता महिला मंडल का भव्य झूला उत्सव

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री गहोई एकता महिला मंडल द्वारा 22 अगस्त को सावन मास के शुभ अवसर पर 'झूला उत्सव एवं भजन जैमिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम' में समाज के वरिष्ठजनों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम' का शुभारंभ समाज के सरपंच हजारीलाल नौंगरैया, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन तथा एकता मंडल की मनीषा कनकने, स्नेहलता सेठिया, अर्चना कनकने, उदिता चौदहा, रश्मि मसूरहा एवं शिल्पी सोनी सहित समाज के गणमान्यजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम' की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। नन्ही बालिका 'ईवा लहरिया' ने सुंदर गणेश वंदना की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर 'दिया बनाओ एवं बांसुरी सजाओ प्रतियोगिता' भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दिया बनाओ प्रतियोगिता में 'प्रथम स्थान शिवानी सेठिया, द्वितीय स्थान रागिनी सरावगी एवं तृतीय स्थान श्रेया पहारिया' ने प्राप्त किया। वहीं बांसुरी प्रतियोगिता में 'प्रथम स्थान रीना कुचिया, द्वितीय स्थान सारिका चौदहा एवं तृतीय स्थान शिवानी डेंगरे' ने प्राप्त किया। दिया बनाओ प्रतियोगिता में श्रेया लहरिया एवं मेघा कनकने' को विशिष्ट पुरस्कार प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल द्वारा निष्पक्ष निर्णय किया गया। कार्यक्रम' का संचालन रीता सेठिया एवं मनीषा कनकने' ने किया। कार्यक्रम' की मुख्य प्रभारी शिल्पी सोनी, रीता सेठिया, प्रीति सुहाने, प्रियंका सेठिया एवं कीर्ति बिल्लैया' रहीं। झूला उत्सव में संस्था की कुमुद चौदहा, आभा नौंगरैया, संगीता लहरिया, आरती त्रिसोलिया, रीना चौदहा, साधना सेठिया, रीना आनंद चौदहा, राखी गुप्ता, ममता चौदहा, अंशु चौदहा, सारिका कनकने, नीता कनकने, मोहिनी त्रिसोलिया, मीता चौदहा, रोशनी टीपा एवं पूनम त्रिसोलिया' सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति रही। सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह उत्सव 'प्रेम, भक्ति, उमंग और सामाजिक एकता का सुंदर प्रतीक' बना। मंडल द्वारा सभी सहयोगियों एवं उपस्थितजनों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

नवोदय विद्यालय के आवासीय घर में चोरी, पुलिस ने किया निरीक्षण

डॉग स्क्वायड एवं फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने जुटा, भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य

कटनी (स्वतंत्रमत)

थाना बड़वारा क्षेत्र अंतर्गत स्थित नवोदय विद्यालय के आवासीय घर में चोरी की घटना संबंधी रिपोर्ट प्राप्त होने पर थाना बड़वारा में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत चोरी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। घटना के अनुसंधान के दौरान डॉग स्क्वायड एवं फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से परीक्षण कर महत्वपूर्ण भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पुलिस टीम द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों के आधार पर घटना में संलिप्त आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की तरफ से विशाल भंडारे का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। सावन के पावन महीने में भगवान भोलेनाथ से देश और अपने शहर की तरक्की, प्रगति और खुशहाली की कामना करते हुए, जायंट्स ग्रुप आफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने प्रसिद्ध शिवालय मधई मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान भगवान भोलेनाथ का रुद्र अभिषेक करके आहना की समाज सेविकाओं ने महाआरती का आयोजन भी किया। साथ ही विशाल भंडारा कराकर भूखे को भोजन और भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया। आहना की समाज सेविकाओं का कहना है कि भगवान की भक्ति के साथ-साथ सेवा कार्य से भी जुड़ जा सकता है। भंडारे के जरिए जरूरतमंद को भोजन और भक्त को प्रसाद पाने का अवसर मिल जाता है। जिस धर्म के साथ नेक कर्म भी किया जा सकता है। इस कार्य में निशा गुप्ता, शालिनी बजाज, आरती राय, शिखा गुप्ता, दीपिका नायक, कविता लालवानी, रत्ना अग्रवाल, रश्मि राय शामिल रहीं।

पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को बांधी राखी

ब्रह्मकुमारी संस्थान की बहनों ने रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य पर विश्व शांति एवं बंधुत्व का दिया संदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय कटनी में ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कटनी की बहनों ने रक्षाबंधन पर्व बनाया। ब्रह्मकुमारी बहनों ने पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा को माथे पर तिलक लगाकर कलाई में राखी बांधी। पुलिस कप्तान ने भी उन्हें शांति सुरक्षा सद्भाव का वचन दिया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी संस्थान की बहनों द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य की कलाई में भी राखी बांधी एवं शांति एवं बंधुत्व का वचन लिया। ब्रह्मकुमारी बहनों ने अन्य पुलिस कर्मियों के हाथों में भी राखी बांधी। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सिविल लाइन कटनी की वरिष्ठ दीदी, ब्रह्म कुमारी दुर्गा, ब्रह्मकुमारी नेहा, ब्रह्मकुमारी प्रियंकाजी, ब्रह्मकुमारी सुनील, ब्रह्मकुमारी संस्कार पुलिस अधीक्षक कार्यालय से निरीक्षक आशीष परोहा, मुख्य लिपिक उप निरीक्षक पुरुषोत्तम मेहरा, उप निरीक्षक चंद्रप्रकाश बाथम, आशीष परोहा, उप निरीक्षक मंगलेश द्विवेदी, प्र आर भोलेशंकर कुशवाहा, आरक्षक बसंत तिवारी, आरक्षक अर्पण तिवारी, आरक्षक सिद्धार्थ जाट, आरक्षक सतेन्द्र श्रीवास्तव, आरक्षक अरुण तिवारी, आरक्षक दीपक शर्मा, आरक्षक किशोर कापसे, आरक्षक राजेंद्र मिश्रा सहित पुलिस कार्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

अभिरक्षा से फरार चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

माधवनगर पुलिस ने अमकुही इन्डस्ट्रियल एरिया माधवनगर क्षेत्र में हुई मई 2025 रात्री में चोरी के मामले में तहकीकात करते हुए आरोपी चोर को पकड़ने में सफलता हासिल की थी, पकड़े गया चोर जुलाई 2026 में पूछताछ दौरान शौचालय जाने का बहना बनाकर तेजी से दौड़कर जंगल, झाड़ी से छिपाव हासिल करते हुए भाग गया था जिसका पुलिस निरंतर सघनता से तलाश कर रही थी। पकड़ा गया चोर इतना शातिर था कि वह पूछताछ दौरान भी चकमा देकर शौचालय का बहाना बनाकर फरार हो गया था। यह सफलता अभिनय विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक कटनी के कुशल निर्देशन, कमल मौर्य अति. पुलिस अधीक्षक कटनी एवं शिवा पाठक डीएसपी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में गठित माधवनगर पुलिस द्वारा थाना माधवनगर अंतर्गत चोरी के अभिरक्षा से फरार आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। माधवनगर पुलिस आरोपी सोनू साहू उर्फ काला पिता कल्लू साहू उम्र- 24 वर्ष निवासी बिलहरी थाना कुठला हाल संतनगर थाना कोतवाली जिला कटनी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर रही थी तभी आरोपी द्वारा थाना पर शौचालय जाने के बहना बनाकर, शौचालय से तेजी से दौड़ लगाकर जंगल झाड़ी में छिपाव लेते हुए फरार हो गया था जिसके विरूद्ध पुलिस ने अभिरक्षा में फरार होने के संबंध में अपराध अप. क्र. 625/26 धारा 262 बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर निरंतर पता तलाश कर रही थी जिसे पुनः पुलिस व्दारा अथक प्रयास बाद मुखबिर सूचना पर कैलवारा कटनी से पकड़ा है जिसे 24 अगस्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

पचेली बोली और संस्कृति के अध्ययन को लेकर पद्मश्री बाबूलाल दाहिया का कटनी प्रवास

आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां की संकलित

कटनी (स्वतंत्रमत)

लोक ज्ञान एवं विज्ञान के विशेषज्ञ पद्मश्री बाबूलाल दाहिया का पचेली बोली एवं उससे जुड़ी लोक संस्कृति के अध्ययन के सिलसिले में 24 अगस्त को कटनी जिले के स्लीमनाबाद क्षेत्र का प्रवास हुआ। इस दौरान वे अपने प्रपौत्र एवं सहयोगी अनुपम दाहिया के साथ पहुंचे। प्रवास के दौरान उन्होंने पचेली बोली, बघेली भाषा, ग्रामीण लोकजीवन, पारंपरिक कृषि ज्ञान तथा आदिवासी संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां संकलित कीं। पद्मश्री दाहिया ने स्लीमनाबाद स्थित आदर्श विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचकर संस्था के प्राचार्य एवं पचेली बोली के विद्वान डॉ. के.एल. हल्दकार से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच साहित्यिक एवं भाषायी चर्चा हुई। विशेष रूप से बघेली और पचेली बोली के अंतर्संबंध, उनके शब्दों, बोलचाल की शैली तथा ग्रामीण अंचल में इनके प्रचलन को लेकर विस्तृत विमर्श किया गया।

विद्यार्थियों को बताया देशी बीजों और जैविक खेती का महत्व - विद्यालय में पद्मश्री दाहिया ने शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए जैविक खेती तथा परंपरागत देशी बीजों के महत्व पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पारंपरिक कृषि ज्ञान और देशी बीज हमारी ग्रामीण संस्कृति एवं कृषि विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें संरक्षित करना आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों को अपने गृह ग्राम पिथौराबाद आने का आमंत्रण भी दिया। विद्यार्थियों को वहां स्थित परंपरागत देशी बीजों की नर्सरी, बीज बैंक तथा भूले-बिसरे कृषि उपकरणों के संग्रहालय का शैक्षिक भ्रमण कराने की बात कही गई, ताकि नई पीढ़ी अपने पारंपरिक कृषि ज्ञान एवं ग्रामीण विरासत को करीब से समझ सके।

आदिवासी देवी-देवताओं और आह्वान मंत्रों पर हुआ संवाद -इसके बाद पद्मश्री बाबूलाल दाहिया, डॉ. के.एल. हल्दकार के साथ निकटवर्ती ग्राम छपरा निवासी जुगरू पंडा जुगराज सिंह चौहान के निवास पहुंचे। यहां आदिवासी समुदाय की लोक आस्था, देवी-देवताओं, उनके आह्वान मंत्रों, रीति-रिवाजों एवं पूजा पद्धतियों को लेकर विस्तृत और महत्वपूर्ण संवाद हुआ। इस दौरान आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं एवं लोक मान्यताओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां संकलित की गईं। ग्रामीण समाज में पीढ़ियों से मौखिक रूप से चली आ रही ऐसी परंपराओं को दर्ज करना लोक संस्कृति के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पचेली बोली पर पुस्तक तैयार कर रहे पद्मश्री दाहिया - गौरतलब है कि पद्मश्री बाबूलाल दाहिया कटनी जिले के ग्रामीण अंचल में प्रचलित पचेली बोली और उससे जुड़ी लोक संस्कृति पर एक पुस्तक तैयार करने के कार्य में जुटे हैं। इसी क्रम में वे क्षेत्र के जानकारों, साहित्यकारों और ग्रामीणों से संवाद कर पचेली बोली के शब्दों, लोक प्रयोगों, परंपराओं एवं सांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ी सामग्री संकलित कर रहे हैं। उनकी यह पुस्तक यथासमय प्रकाशित होगी। पद्मश्री दाहिया के प्रवास के दौरान आदर्श विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. के.एल. हल्दकार एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा उनका स्वागत किया गया। प्रवास को पचेली बोली, लोक संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद 16 रन से आगे भारत

स्कोर-229/6, पसिंदु ने 92 रन बनाए, सुथार को दो विकेट

कोलंबो

26 अगस्त (वार्ता) मानव सुथार (दो विकेट), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और सारांश जैन (एक-एक विकेट) के बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन बुधवार को बारिश के कारण स्टंप्स घोषित किये जाने के समय श्रीलंका के दूसरी पारी में 229 रन पर छह विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली है।फॉलोऑन खेलने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र पांच रन पर अपना पहला विकेट लाहिरू उदारा (तीन) रन के रूप में गंवा दिया।उन्हें मोहम्मद सिराज ने आउट किया। इसके बाद 15वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने कामिल मिशारा (32) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया।भोजनकाल तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 83 रन बना लिये थे।इसके बाद पसिंदु सूर्याबंडारा और कामिंडु मेंडिस ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये।44वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने कामिंडु मेंडिस को आउटकर श्रीलंका को तीसरा झटका दिया।कामिंडु मेंडिस ने 92 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से (55) रन बनाये।चायकाल के समय तक श्रीलंका ने तीन विकेट पर 199 रन बना लिये थे।चायकाल के बाद मानव सुथार ने धनंजय डिसिल्वा (23) और पसिंदु सूर्याबंडारा (92) को आउट कर भारत की मैच में वापसी करा दी।बारिश होने के पहले सारांश जैन ने निरोशन डिकवेला (छह) का शिकार कर भारत को छठी सफलता दिला दी।स्टंप्स के समय श्रीलंका ने छह विकेट पर 229 रन बना लिये है।सोनल दिनुशा (नाबाद छह) और केशरा नुवंता (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद थे।इससे पहले सुबह के सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार (तीन-तीन विकेट) और सारांश जैन (दो विकेट) के दम पर भारत ने श्रीलंका की पहली पारी को 290 रन के स्कोर पर समेट कर उसे फॉलोऑन के मजबूर कर दिया और 213 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त भी हासिल कर ली थी।श्रीलंका ने आठ विकेट पर 265 रनों से आगे खेलना शुरु किया।सुबह के सत्र में 288 रन पर श्रीलंका नौवां विकेट लाहिरू कुमारा (12) के रूप में गिरा।उन्हें सारांश जैन ने आउट किया।इसके बाद 90वें ओवर की चौथी गेंद पर सारांश जैन ने अपना शतक पूरा कर चुके सोनल दिनुशा का शिकार कर भोजनकाल से पहले श्रीलंका की पारी का 290 रन के स्कोर पर अंत कर दिया।सोनल दिनुशा ने 162 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (103) रनों की पारी खेली।लेकिन वे अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा पाये।

भारत ने की ताशकंद के लिए 23 खिलाड़ियों की टीम घोषित

नयी दिल्ली। भारत ने ताशकंद में होने वाले एएफसी अंडर 20 एशियन कप क्वालिफायर के लिए 23 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। टूर्नामेंट उज़्बेकिस्तान की राजधानी में 31 अगस्त से 6 सितंबर तक खेला जाएगा और इससे पहले नेशनल कैंप से आठ खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया है। यह क्वालिफ़ाइंग टूर्नामेंट उन टीमों का फ़ैसला करेगा जो एएफसी अंडर20 एशियन कप में आगे बढ़ेंगी, जिसका आयोजन अगले साल चीन में होना है। ऑल इंडिया फ़ुटबॉल फ़ेडरेशन (एआईएफएफ) ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में सिंगापुर के साथ फ्रेंडली मैचों के लिए चुने गए 30 खिलाड़ियों के ग्रुप में से आठ खिलाड़ियों को तकनीकी और चोट से जुड़ी वजहों से रिलीज़ कर दिया गया है।

कारुआना ने प्रज्ञानानंदा को हराकर बनाई बढ़त

ग्रैंड चेस टूर फाइनल में स्कोर 6-0

नई दिल्ली

ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंदा के खिलाफ पहला क्लासिकल गेम अपने नाम कर लिया। सेंट लुइस में खेले गए मुकाबले में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर ने भारतीय खिलाड़ी की एक अहम गलती का फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और मैच स्कोर में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा ने कारुआना को कड़ी टक्कर दी। इटालियन ओपनिंग से निकली बाजी के मिडिलगेम में भी स्थिति लंबे समय तक लगभग बराबर बनी रही। कारुआना को निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए प्रज्ञानानंदा की एक गलती का इंतजार करना पड़ा। गेम का अहम मोड़ 28वीं चाल पर आया। प्रज्ञानानंदा के 28...आरसी8 के बाद कारुआना ने सामरिक मौके को पहचान लिया और ज्यादा जीतकर स्थिति अपने पक्ष में कर ली। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने अपनी बढ़त को कायम रखते हुए गेम को जीत में बदल दिया। इस जीत के साथ कारुआना को फाइनल के मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम में छह अंक मिले। प्रज्ञानानंदा के लिए वापसी का मौका अभी बाकी है, क्योंकि खिताबी मुकाबले में क्लासिकल गेम के बाद रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले भी खेले जाने हैं।

दूसरा क्लासिकल गेम आज- फाइनल का दूसरा क्लासिकल गेम 26 अगस्त को खेला जाना है। आधिकारिक ग्रैंड चेस टूर गेम रिकॉर्ड में प्रज्ञानानंदा और कारुआना के बीच यह मुकाबला दर्ज है। इसके बाद फाइनल का फैसला रैपिड और ब्लिट्ज चरण में भी हो सकता है। प्रज्ञानानंदा ने फाइनल में पहुंचने के लिए सेमीफाइनल में जर्मनी के विंसेंट कीमर को 19-9 से हराया था। दूसरी ओर, कारुआना ने वेस्ली सो को 18-12 के स्कोर से मात देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। तीसरे स्थान के लिए चल रहे मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा।

एशियाई खेलों में मेडल जीतने तक घर वापस नहीं जाऊंगी: मीराबाई चानू

एशियाई खेलों में पांच सदस्यों वाली भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम की करेंगी अगुवाई

नयी दिल्ली

भारत की मीराबाई चानू का मानना है कि जापान के आइची, नागोया में होने वाले एशियाई खेल 2026 उनके इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग करियर कीसबसे मुश्किल प्रतियोगिताओं में से एक होंगे। मीराबाई चानू एशियाई खेलों में पांच सदस्यों वाली भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम की अगुवाई करेंगी। तीन बार ओलंपिक में हिस्सा ले चुकीं मीराबाई टीम की चार महिला खिलाड़ियों में से एक होंगी।एशियाई खेलों में वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता 22 से 28 सितंबर तक आइची के टोकाई सिटिज़न जिम्नेजियम में होगी।कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीतने के बाद, टोक्यो 2020 की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई को लगता है कि एशियाई खेलों में मुकाबलाओलंपिक स्तरका होगा।मीराबाई ने कहा,मेरी वेट कैटेगरी (49 किग्रा) में सबसे मजबूत लिफ्टर एशिया से ही आते हैं और आपको जापान में ओलंपिक जैसी झलक देखने को मिलेगी। इससे पहले चोटों की वजह से मीराबाई चानू एशियाई खेलों में मेडल नहीं जीत पाई थीं।हांग्झोऊ में हुए पिछले खेलों में, हिप और जांघ की चोट के कारण स्नैच राउंड में ही उनका अभियान खराब हो गया था और वह 49 किग्रा कैटेगरी में चौथे स्थान पर रही थीं।जकार्ता में हुए 2018 के खेलों में, पीठ की गंभीर चोट के कारण मीराबाई चानू बाहर हो गई थीं।आगामी एशियाई खेलों से पहले चोट से दूर रहना मीराबाई की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में एक सेंटर पर उनकी ट्रेनिंग की देखरेख करने वाले दो लोग कोच विजय शर्मा और अमेरिकी स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच डॉ. एरन हॉर्शिग हैं।डॉ. हॉर्शिग के साथ उनका जुड़ाव नवंबर 2020 में शुरू हुआ था और आज भी जारी है। मीराबाई ने कहा,हम हर गुरुवार उनसे वीडियो कॉल पर बात करते हैं और ट्रेनिंग, रिकवरी और आगे के कदमों के बारे में चर्चा करते हैं। हर चीज़ की बारीकी से समीक्षा की जाती है और चूंकि डॉ. हॉर्शिग खुद एक वेटलिफ्टर है, इसलिए उन्हें शरीर की हर मांसपेशी के बारे में जानकारी है।

एयर इंडिया का ड्रूकएयर से करार

भूटान के साथ बेहतर होगा हवाई संपर्क

नयी दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने भूटान के साथ हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए वहां की सरकारी विमान सेवा कंपनी ड्रूकएयर के साथ करार किया है। एयर इंडिया ने बुधवार को बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य भारत, भूटान और आगे के गंतव्यों के बीच निर्बाध यात्रा सुविधा को बेहतर बनाना और नेटवर्क को मजबूत करना है।इस साझेदारी के तहत यात्री एयर इंडिया और ड्रूकएयर की उड़ानों को मिलाकर एक ही टिकट पर यात्रा कर सकेंगे।यात्रियों के सामान और यात्री ट्रांसफर की समन्वित व्यवस्था अंतिम गंतव्य तक की जायेगी। यह सुविधा दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयर इंडिया के हब के माध्यम से उपलब्ध होगी।एयर इंडिया के यात्री विभिन्न शहरों से दिल्ली होते हुए भूटान के पारो तक आसानी से यात्रा कर सकेंगे।इसके अलावा, भूटान के भीतर पारो से बुमथांग, गेलेफू और योंफुला के लिए भी सुविधाजनक कनेक्शन उपलब्ध होंगे।वहीं, ड्रूकएयर के यात्रियों को दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता के माध्यम से एयर इंडिया के व्यापक घरेलू नेटवर्क तक सीधी पहुंच मिलेगी।इसमें बेंगलुरु, मुंबई और कोच्चि जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। इसके अलावा, यात्री पेरिस चार्ल्स डी गॉल, कोलंबो, नेवार्क, फ्रैंकफर्ट, न्यूयॉर्क, लंदन (हीथ्रो), मेलबर्न, सैन फ्रांसिस्को, सिडनी, टोरंटो पीयरसन और वैंकूवर जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक भी आसानी से पहुंच सकेंगे।एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, ड्रूकएयर के साथ हमारी साझेदारी सार्क क्षेत्र में हवाई संपर्क मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।हम इस क्षेत्र को अपना विस्तारित घरेलू बाजार मानते हैं।भूटान इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें खुशी है कि हम अपने यात्रियों के लिए भूटान तक आसान पहुंच सुनिश्चित कर पा रहे हैं।

बुमराह से 697 दिन बाद टॉप रैंकिंग छिनी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज, टॉप-10 बल्लेबाजों में पंत और गिल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर पहली बार आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क दो स्थान की छलांग लगाकर टॉप पर पहुंचे। उनके 872 रेटिंग पॉइंट हैं। बुमराह 862 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने कुल 697 दिन नंबर-1 की रैंकिंग पर बिताए हैं। वे 7 फरवरी 2024 को पहली बार इस मुकाम पर पहुंचे थे। हालांकि, यह लगातार 697 दिन का आंकड़ा नहीं है। बीच में दूसरे गेंदबाज भी नंबर-1 बने, इसलिए बुमराह के अलग-अलग नंबर-1 कार्यकालों को जोड़कर यह आंकड़ा बना है। इतने दिन किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा कार्यकाल है और टेस्ट इतिहास में यह 14वां सबसे लंबा है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 विशाखापट्टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी। वह टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल आठवें नंबर पर हैं। बुमराह 2025 में भी टेस्ट रैंकिंग के टॉप पर बने रहे। जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट 907 तक पहुंच गए थे। यह किसी भारतीय गेंदबाज का आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सबसे बड़ा रेटिंग स्कोर था।

एंथनी एंड्रयूज भारत की अंडर 17 महिला टीम के असिस्टेंट कोच बने

नयी दिल्ली

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने एंथनी एंड्रयूज को भारत की अंडर-17 महिला राष्ट्रीय टीम का असिस्टेंट कोच नियुक्त किया है, जबकि जोआकिम अलेक्जेंडरसन मुख्य कोच बने रहेंगे। एंड्रयूज, जो ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच भी हैं, क्लब और देश दोनों के लिए एक साथ यह भूमिका निभाएंगे। ईस्ट बंगाल के साथ मौजूदा इंडियन विमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) चैंपियन, एंड्रयूज लीग के इतिहास में सबसे सफल कोच हैं और उन्होंने चार खिताब जीते हैं।उन्होंने गोकुलम केरल एफसी को 2021-22 और 2022-23 में लगातार आईडब्ल्यूएल खिताब जिताए और फिर ईस्ट बंगाल एफसी को 2024-25 और 2025-26 में लगातार चैंपियनशिप जिताई।वह एकमात्र ऐसे कोच हैं जिन्होंने एक से ज्यादा आईडब्ल्यूएल ट्रॉफियां जीती हैं।एंड्रयूज ने कॉन्टिनेंटल स्तर पर ईस्ट बंगाल की हालिया सफलता में भी अहम भूमिका निभाई है।पिछले रविवार, उन्होंने मलेशिया में एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग 2026-27 के शुरुआती दौर में क्लब को जीत दिलाई, जिससे ईस्ट बंगाल लगातार सीज़न में ग्रुप स्टेज के लिए क्वालिफाई करने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बन गया।उनकी देखरेख में, ईस्ट बंगाल पिछले सीजन में एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज में मैच जीतने वाला पहला भारतीय महिला क्लब भी बना। उन्होंने पिछले दिसंबर में मोशल गर्ल्स को सैफ विमेंस क्लब चैंपियनशिप का खिताब भी जिताया।एंड्रयूज अब ताशकंद में भारत की अंडर-17 महिला टीम के साथ जुड़ गए हैं, जहां यंग टाइग्रेस को एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारी के तहत 27 और 30 अगस्त को उज़्बेकिस्तान के खिलाफ़ दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच खेलने हैं। क्वालीफायर मलेशिया में 5 से 11 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे, जिसमें भारत मलेशिया, सीरिया और इराक के साथ ग्रुप ई में खेलेगा।

हिंदुस्तान कॉपर के ओएफएस के लिए मिली सात गुना से ज्यादा बोली

नयी दिल्ली

तांबा उत्पादन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) को दूसरे दिन बुधवार को खुदरा निवेशकों से सात गुना से अधिक बोली मिली।केंद्र सरकार ने ओएफएस के तहत 2,90,10,721 शेयर बेचने का प्रस्ताव रखा था जो कंपनी के कुल इक्विटी शेयर का तीन प्रतिशत है।साथ ही, ग्रीन शू ऑप्शन के तहत तीन प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का विकल्प भी रखा गया था।पहले दिन मंगलवार को गैर-खुदरा निवेशकों से प्राप्त उत्साहजनक प्रतिक्रिया के बाद सरकार ने पूरी छह प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया था।खुदरा निवेशकों के लिए 58,02,146 शेयर उपलब्ध थे जबकि 4,21,21,634 शेयरों के लिए (7.26 गुना) बोली प्राप्त हुई।विनिवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने खुदरा निवेशकों से मिली बोली पर खुशी जताते हुए कहा कि दोनों दिन ओएफएस को 100 प्रतिशत से अधिक बोली मिली।उसने निवेशकों को धन्यवाद दिया।उल्लेखनीय है कि गैर खुदरा निवेशकों ने मंगलवार को कुल 8,91,19,833 शेयरों के लिए (3.41 गुना) बोली लगायी थी।सरकार ने ओएफएस के लिए प्रति शेयर न्यूनतम बोली 514 रुपये तय की थी।पहले दिन औसत बोली मूल्य 520 रुपये से ऊपर रही।इसके बाद खुदरा निवेशकों के लिए कटऑफ मूल्य 520 रुपये रखी गयी थी।ओएफएस के पहले दिन कंपनी का शेयर 40.35 रुपये (7.04 प्रतिशत) नीचे 533.20 रुपये पर बंद हुआ।हालांकि दूसरे दिन शेयर 23.35 रुपये (4.38 प्रतिशत) चढ़कर 556.55 रुपये पर बंद हुआ।हिंदुस्तान कॉपर में सरकार की हिस्सेदारी फिलहाल 66.14 प्रतिशत

चीनी के बाद अब प्याज के दाम में लग गई आग

नई दिल्ली। चीनी के बाद अब प्याज भी आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ने लगा है। पिछले साल अगस्त में जिस प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 27.37 रुपये किलो थी, वह 24 अगस्त 2026 को बढ़कर 43.53 रुपये किलो हो गई। यानी एक साल में कीमत करीब 59 फीसदी बढ़ चुकी है। पिछले एक महीने में ही प्याज करीब 24 फीसदी और पिछले एक हफ्ते में करीब 17 फीसदी महंगा हुआ है। बड़े शहरों में तस्वीर और ज्यादा परेशान करने वाली है। दिल्ली में प्याज की औसत खुदरा कीमत 55 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि चेन्नई में यह 60 रुपये किलो और कोलकाता में करीब 53 रुपये किलो है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस बार कीमत बढ़ने की वजह सिर्फ उत्पादन में कमी नहीं है। साल 2025-26 में देश का प्याज उत्पादन करीब 307.37 लाख मीट्रिक टन रहा, जो साल 2024-25 के 307.67 लाख मीट्रिक टन के लगभग बराबर है। फिर सवाल उठता है कि प्याज इतना महंगा क्यों हो गया. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के प्राइस मॉनिटरिंग डिविजन के आंकड़ों के मुताबिक, 24 अगस्त 2026 को प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 43.53 रुपये किलो थी। 17 अगस्त को यही कीमत 37.20 रुपये थी. यानी सिर्फ एक हफ्ते में कीमत 17.02 फीसदी बढ़ी. 24 जुलाई को प्याज 35.01 रुपये किलो था। इस हिसाब से एक महीने में कीमत 24.34 फीसदी बढ़ चुकी है। वहीं 24 अगस्त 2025 को प्याज 27.37 रुपये किलो था। यानी एक साल में कीमत 59.04 फीसदी बढ़ी है. हालांकि, 2 साल पहले यानी 24 अगस्त 2024 को प्याज की कीमत 46.83 रुपये किलो थी। इसका मतलब यह है कि मौजूदा कीमत 2 साल पहले की तुलना में करीब 7 फीसदी कम है। असली चिंता इसकी हाल की तेज रफ्तार है।

खाद्य तेलों में तेजी जारी, गेहूं भी मजबूत

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी का क्रम जारी रहा।गेहूं का भाव भी चढ़ गया।चावल में नरमी रही जबकि दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया।मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 112 रुपये बढ़कर 6,036 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।इसमें लगातार आठवें दिन तेजी रही है।गुड़ का औसत भाव भी 116 रुपये बढ़कर 6,007 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।देश भर में चीनी की औसत खुदरा कीमत एक रुपये बढ़कर 65 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी।दिल्ली में भी चीनी की खुदरा कीमत 65 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गयी।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 40 रुपये गिरकर 4,054 रुपये प्रति क्विंटल हो गयी।गेहूं 29 रुपये की मजबूती के साथ 2,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।आटे का भाव 26 रुपये बढ़ गया।दाल-दलहनों में मूंग दाल की औसत कीमत 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।तुअर दाल 31 रुपये और उड़द दाल 18 रुपये प्रति सस्ती हुई।ग्राम दाल के दाम 15 रुपये और मसूर दाल पांच रुपये टूट गयी।वैश्विक स्तर पर दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.55 प्रतिशत लुढ़ककर 66.73 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

आईटी, एफएमसीजी सेक्टरों के दबाव में शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई

आईटी, ऑटो और एफएमसीजी सेक्टरों में बिकवाली के दबाव में बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स की शुरुआत 226 अंक की बढ़त में हुई, लेकिन दोपहर बाद यह लाल निशान में उतर गया। अंत में 183.15 अंक (0.24 प्रतिशत) टूटकर 77,472.94 अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 126.80 अंक यानी 0.52 प्रतिशत लुढ़ककर 24,207.75 अंक पर बंद हुआ।पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों सूचकांकों में तेजी रही थी।वृहत बाजार में मिश्रित रुख रहा।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.17 प्रतिशत गिर गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.81 प्रतिशत ऊपर रहा।सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी 1.47 प्रतिशत की गिरावट में रहा।एफएमसीजी, ऑटो, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस समूहों में भी बिकवाली हावी रही।धातु, बैंकिंग, वित्त और रसायन समूहों में तेजी रही।एनएसई में जिन 3,645 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,966 के शेयर ऊपर और 1,548 के नीचे बंद हुए।अन्य 131 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।इंफोसिस का शेयर 1.94 प्रतिशत गिर गया।भारती एयरटेल में 1.91 प्रतिशत, एलएंडटी में 1.76, पावरग्रिड में 1.48, टेक महिंद्रा में 1.38, एनटीपीसी में 1.29, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.18, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.04 और बीईएल तथा एचसीएल टेक्नोलॉजीज दोनों में 0.91 प्रतिशत की गिरावट रही।मारुति सुजुकी, टीसीएस, सन फार्मा, ट्रेंट और एशियन पेंट्स के शेयर भी नीचे बंद हुए।कोटक महिंद्रा बैंक में 3.53 प्रतिशत की तेजी रही।अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 1.87 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.33 प्रतिशत और टाटा स्टील के शेयर 1.10 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी मजबूत बंद हुए।वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.56 प्रतिशत चढ़ा।यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.45 प्रतिशत ऊपर रहा जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई फिलहाल सपाट है।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विद्यार्थियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले स्कूल वैन चालक पर प्रकरण दर्ज, भेजा जेल, स्कूल संचालक के विरुद्ध भी मामला दर्ज

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में रेलवे अंडरपास में जलभराव के दौरान बैरिकेड हटाकर स्कूल वैन निकालने और विद्यार्थियों की जान जोखिम में डालने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापरवाह मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, साथ ही स्कूल संचालक के विरुद्ध भी वैधानिक प्रकरण दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार 25 अगस्त को देवास के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित रेलवे अंडरब्रिज में भारी वर्षा के कारण जलभराव होने पर पुलिस द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से स्टॉपर लगाकर आवागमन प्रतिबंधित किया गया था।

इसके बावजूद सिटी कॉन्वेंट स्कूल के मैजिक वाहन चालक ने स्टॉपर हटाकर वाहन को पानी में उतार दिया। वैन पानी में बंद होने पर चालक बच्चों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों, डायल-112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी के सहारे सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

कड़ी कानूनी धाराओं में प्रकरण दर्ज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की गई। थाना सिविल लाइन देवास में आरोपी चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 285 एवं मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में अपराध क्रमांक 465/2026 दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया तथा वाहन जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त सुरक्षा मानकों और चरित्र सत्यापन संबंधी दिशा-निर्देशों की अनदेखी करने पर स्कूल संचालक के विरुद्ध भी बीएनएस की धारा 223 के तहत अपराध क्रमांक 467/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रशासन एवं पुलिस ने सभी स्कूल प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिये है कि वे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ वाहनों की फिटनेस, परमिट और चालकों के पुलिस सत्यापन का कार्य पूर्ण रखें। किसी भी परिस्थिति में जलभराव वाले मार्गों या पुल-पुलियों से वाहन न निकालने के कड़े निर्देश चालकों को दिए जाएं; नियमों की अनदेखी पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बांधी स्नेह और विश्वास से भरी राखियां

मुख्यमंत्री ने दोहराया प्रदेश की हर बहन की खुशहाली का संकल्प

महिला सुरक्षा कर्मियों ने भी बांधी राखी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ग्वालियर की लाड़ली बहनों ने स्नेह और विश्वास से भरी राखियाँ बांधी। इन राखियों के पवित्र धागों ने जहां भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को सुदृढ़ किया। वहीं प्रदेश की हर बहन के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और खुशहाली के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्प को और मजबूत किया। रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप लाडली बहना योजना के तहत अतिरिक्त धनराशि देने के लिए ग्वालियर की लाडली बहनों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद पत्र भी भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ग्वालियर विमानतल पर तैनात सीआईएसएफ की दो महिला सुरक्षा कर्मियों ने राखियां बांधीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के ललाट पर लाड़ली बहनों ने रोली का तिलक लगाकर राखी बांधी मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि बहन और भाई का रिश्ता केवल एक पर्व तक सीमित नहीं है, यह जीवनभर के स्नेह, विश्वास और जिम्मेदारी का रिश्ता है। राखी का यह पवित्र धागा हमें निरंतर याद दिलाता रहेगा कि मध्यप्रदेश की प्रत्येक बहन उनके परिवार का हिस्सा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की हर बहन के चेहरे पर मुस्कान हो, बेटियां सुरक्षित रहें, आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को पूरा करते हुए आगे बढ़ें, इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।

एयर टर्मिनल पर तैनात महाराष्ट्र निवासी सुश्री रासकर अश्विनी और राजस्थान निवासी सुश्री पूनम यादव इस बार रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं जा पा रही हैं। अपनों से दूर होने की कसक उनके मन में थी, लेकिन मुख्यमंत्री की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते ही उनकी आंखें नम हो गईं।

नोहटा एवं हटा में मिठाई दुकानों का औचक निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर ग्राहकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हटा नगर स्थित विभिन्न मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया गया। कार्यवाही में हटा नगर में मंदिर मस्जिद चौराहा स्थित श्री जय बजरंग मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। मौके पर परिसर में संग्रहित मलाई बर्फी एवं मिल्क केक के नमूने जांच हेतु लिए हुए। आजाद वार्ड हटा स्थित न्यू बजरंग स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में परिसर में संग्रहित पनीर एवं मलाई बर्फी के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तरह अंधियारा बगीचा, हटा स्थित गफ्लू स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। मौके पर परिसर में संग्रहित गुलाब बर्फी का नमूना जांच हेतु लिया गया। इसी तरह ग्राम नोहटा में बस स्टैंड के पास स्थित नेमा मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। मौके पर परिसर में संग्रहित पनीर का नमूना जांच हेतु लिया गया। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

हर्षोल्लास से रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होंगे अनेक आयोजन

भोपाल में 7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह सहित प्रदेशभर में होंगे आयोजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न आयोजन होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,महिला एवं बाल विकास,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा,पर्यटन,जेल,गृह, पशुपालन,जनजातीय कार्य विभाग सहित कमिश्नर और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त, 2026 को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार कर जल, प्रकृति और पर्यावरण से गहन संबंध के रक्षण का संकल्प एवं आह्वान के लिए विभिन्न वर्ग को जोड़ने के लिए एक राखी एक संकल्प, रक्षासूत्र एक राखी एक रिश्ता, पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियाँ जनसहभागिता के साथ आयोजित की जायेगी। छात्रों के लिए स्कूलों में प्रकृति की रक्षा के लिए कहानी, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में प्रसंग के अनुरुप आयोजन होंगे। बलराम जयंती 2 सितम्बर 2026 के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कलारुपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितम्बर 2026 को प्रदेशभर में भव्य स्तर पर मनायी जायेगी। जन्माष्टमी बाललीला का पर्व है, इसीलिए बच्चों को विशेष रूप से आयोजनों से जोड़ने के लिए स्कूलों में मटकी प्रतियोगिता, बांसुरी प्रतियोगिता, जीवंत झांकी निर्माण, श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंगों पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर विशेष प्रस्तुति स्कूलों में आयोजित होगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रत्येक जिले में कृष्ण मंदिरों,मठों, देवालयों का विशेष श्रृंगार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता अभियान, मटकी सज्जा प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्थानीय कलाकारों द्वारा बांसुरी वादन, भजन गायन, झांकी (कृष्ण जन्म, वृंदावन, गोवर्धन पूजा, गीता उपदेश जैसी जीवंत झांकियाँ, दीप-प्रज्ज्वलन एवं सामुहिक आरती जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। प्रदेश के लगभग 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भजन, कीर्तन व अन्य भक्तिमय कार्यक्रम के लिए कलादल,भजन मंडलियों,सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुति के लिए कलादल श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, भोपाल के द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित कर प्रस्तुति करायी जायेगी।

जांच के लिए गठित दल ने किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री आवास योजना में की गई गड़बड़ी के संबंध में तत्कालीन सचिव परशुराम पटेल के विरुद्ध की गई शिकायतों की जांच हेतु जिला पंचायत से गठित 3 सदस्य जांच दल जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हटाए जिला पंचायत दमोह में आवास शाखा प्रभारी प्रभुशंकर पांडे एवं परियोजना अधिकारी वीबीजीरामजी अभिलाषा शुक्ला द्वारा शिकायत की जांच के संबंध में ग्राम पंचायत में निर्मित आवासों का निरीक्षण किया एवं शिकायतकर्ता नरेश चौबे, कन्हैयालाल सरपंच, सचिव, तत्कालीन सचिव एवं आवास हितग्राहियों के कथन लिए शिकायत की जांच पूरी होने के पश्चात जांच प्रतिवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह को प्रस्तुत किया जाएगा।

392 गर्भवती महिलाओं को मिला विशेषज्ञ जांच, परामर्श का लाभ

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि जोखिम गर्भवती का सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा चिन्हित जोखिम गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, फॉलोअप जांच कर आवश्यक उपचार सेवा एवं गर्भावस्था में खतरे के लक्षण के बारे में जागरूक किया गया। इस विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में चिन्हित जोखिम एवं सामान्य गर्भवती महिला सहित 392 महिलाओं ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। जिला चिकित्सालय, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं खण्ड स्तरीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित विशेष स्वास्थ्य

क्लीनिक में गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था दौरान खान-पान का खास ध्यान रखने तथा एनीमिया अर्थात खून की कमी से बचाव के लिए आयरन टैबलेट एवं गर्भावस्था दौरान उच्च रक्तचाप से बचाव में उपयोगी कैल्शियम टैबलेट का प्रदाय कर नियमित रूप से निर्धारित मात्रा में सेवन करने का परामर्श विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। शिविर में पहुँची गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए पृथक से ओपीडी काउंटर, सुविधा पूर्ण बैठक एवं पेयजल व्यवस्था के साथ ही पौष्टिक स्वल्पाहार भी प्रदाय किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण दौरान विशेषज्ञों द्वारा 32 जोखिम गर्भवती को सोनोग्राफी की सलाह दिए जाने पर क्लीनिक दौरान ही इन सभी को स्वेच्छानुसार चिन्हित संस्थाओं में से नि:शुल्क सोनोग्राफी हेतु ई वाउचर उपलब्ध कराये गये। समुदाय के निकट ग्राम स्तर पर संचालित आयुष्मान आरोग्य केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकों व सीएचओ ने क्षेत्र अन्तर्गत पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। पूर्व चिन्हित जोखिम महिलाओं की फालोअप जांच एवं आगामी 15 दिवस में अनुमानित प्रसव तिथी वाली गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए उचित स्वास्थ्य संस्था से टैग कर परिजनों को समय पर 108 एम्बूलेंस के माध्यम से संस्था में पहुचने की समझाईश दी गई।

डॉ. प्रेमचंद स्वर्णकार को राजभाषा गौरव पुरस्कार

दमोह। गृह मंत्रालय की घोषणा अनुसार आगामी हिन्दी दिवस पर मुंबई में 14 सितम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में डॉ प्रेमचंद स्वर्णकार को उनकी हिन्दी में लिखित चिकित्सा शास्त्र की पुस्तक बीमारियां शिशुओं और बच्चों की के लिए प्रतिष्ठित राजभाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विज्ञान पर हिन्दी में लेखन के लिए वे देश के अकेले व्यक्ति हैं जिन्हें तीन बार देश के राष्ट्रपति ने पुरस्कार से सम्मानित किया। अब उनकी स्तरीय प्रकाशन संस्थाओं से 40 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी दो पुस्तकों से सह चिकित्सा के विद्यार्थी भी लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने सक्रामक रोगों से आमजन की जागरूकता बढ़ाने के लिए और इन जानलेवा रोगों से बचाव के उपाय बतलाने के लिए कई पुस्तकों की सृजन किया हैं।

जुलूसे मुहम्मदी में उमड़ा आस्था का सैलाब

हटा में रिमझिम फुहारों के बीच निकला भव्य जुलूस

हटा (स्वतंत्र मत)। पैगंबर ए इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के यौमे विलादत के अवसर पर बुधवार को हटा में 1501वां सालाना जुलूसे मुहम्मदी शानो-शौकत के साथ निकाला गया। रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे नगर में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। जुलूस से पहले नगर को आकर्षक रोशनीए झालरों और स्वागत द्वारों से सजाया गया था। मंदिर-मस्जिद चौराहे पर स्थित जामा मस्जिद की मीनार और हरे गुंबद की विद्युत सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सुबह सादिक के वक्त जामा मस्जिद में उम्मते मुस्लिमा द्वारा दुरूद शरीफ का नजराना पेश कर सलातो.सलाम पढ़ा गया। इसके बाद सुबह 8 बजे मदार चिल्ला मस्जिद मैदान स्थित गुर्ज पर परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। परचम कुशाई के बाद जुलूसे मुहम्मदी नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। जुलूस का जगह-जगह लोगों ने इस्तकबाल किया और स्वागत द्वारों पर अकीदतमंदों का उत्साह देखते ही बना। आजाद वार्ड, रमा कवि वार्ड, खचना नाका और अंधियारा बगीचा सहित विभिन्न स्थानों पर आकर्षक सजावट की गई थी। खाना ए काबा और हजरत मुहम्मद साहब के रोजा ए मुबारक के अक्स पर आधारित सजाए गए सीन भी आकर्षण का केंद्र रहे।

बारिश की रिमझिम फुहारों के बावजूद जुलूस में शामिल लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। जुलूस के दौरान धार्मिक नारों और सलातो-सलाम की गूंज से नगर का माहौल भक्तिमय बना रहा। जुलूसे मुहम्मदी को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जुलूस मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की कलश यात्रा निकाली गई

दमोह (स्वतंत्र मत)।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में हटा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हटा नगर मंडल एवं हटा ग्रामीण मंडल के विभिन्न ग्रामों में भव्य कलश यात्राओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर संत रविदास के समरसता, समानता एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कलश यात्रा हटा विधानसभा के साकोर, हिनोता, घुटरिया, सड़क हरदुआ, विनती, नकटी एवं गैसाबाद सहित विभिन्न ग्रामों में निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर हटा

विधायक उमादेवी खटीक, सौरभ नेमा, गोपाल पटेल सहित हटा विधानसभा के अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही जिला स्तर से बृजेंद्र अहिरवार, धर्मेंद्र डीके, गुलशन जाटव एवं सुनील राज ने भी कार्यक्रमों में सहभागिता की। वक्ताओं ने संत शिरोमणि रविदास महाराज के जीवन एवं उनके सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रमों में उपस्थित जनसमुदाय ने संत रविदास के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कलश यात्राओं के दौरान भजन-कीर्तन, जयघोष एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

महर्षि अरविंद एवं भारत का विमर्श विषयक व्याख्यान माला आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा महर्षि अरविंद जयंती के उपलक्ष्य में महर्षि अरविंद एवं भारत का विमर्श विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप में मप्र जन अभियान परिषद के राज्य सलाहकार शिवनारायण पटेल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. हृदय शाह जूदेव, साहित्यकार एवं पत्रकार नरेंद्र दुबे तथा अध्यक्ष बाल कल्याण समिति दीपक तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि अरविंद एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों ने महर्षि अरविंद के व्यक्तित्व एवं

कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता शिवनारायण पटेल ने अपने उद्बोधन में महर्षि अरविंद के जीवन, उनके राष्ट्रवादी चिंतन तथा वर्तमान समय में चल रहे विभिन्न विमर्शों के संदर्भ में विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महर्षि अरविंद ने भारत के राष्ट्रवाद को सनातन धर्म का स्वरूप माना और राष्ट्र निर्माण को आध्यात्मिक आधार प्रदान किया।

उन्होंने महर्षि अरविंद के ऐतिहासिक उत्तरपाड़ा भाषण का उल्लेख करते हुए बताया कि 30 मई 1909 को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में दिया गया यह भाषण भारत के आध्यात्मिक एवं राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अलीपुर बम कांड में एक वर्ष का कारावास भोगने के पश्चात यह उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था जिसमें उन्होंने अपने आध्यात्मिक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि जेल में उन्हें प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक वस्तु में वासुदेव के दर्शन हुए जिसने उनके जीवन की दिशा को क्रांतिकारी से महायोगी की ओर परिवर्तित कर दिया।

श्री पटेल ने कहा कि महर्षि अरविंद के अनुसार राष्ट्रवाद ही सनातन धर्म है। उनका मानना था कि सनातन धर्म की उन्नति के साथ ही भारत का उत्थान संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है बल्कि उसका उद्देश्य संपूर्ण मानवता को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान करना और विश्व का मार्गदर्शन करना है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी महर्षि अरविंद के राष्ट्रवादी, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चिंतन पर विचार व्यक्त किए।

संजीवनीनगर थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

मोबाइल छीनकर फरार हुए स्कूटी सवार बदमाश

जबलपुर (स्वतंत मत)। संजीवनीनगर थाने में रात्रि के समय योगेन्द्र उपाध्याय उम्र 20 वर्ष निवासी रामलीला मैदान गढ़ा ने लिखित शिकायत कर बताया कि विगत दिवस सुबह के समय वह महाकौशल स्कूल के लिये जाने के लिये निकला गुलौआ चौक आया। उसके मोबाइल में फोन आने के कारण वह रूका तभी पीछे से स्कूटी में तीन व्यक्ति आये और उसका मोबाइल वीवो कम्पनी का छीनकर भाग गये। लिखित शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात स्कूटी सवारों के विरूद्ध मामला दर्ज तलाश शुरू कर दी है।

दोस्तों के साथ नहाते समय हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

परियट नदी में डूबने से युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत मत)। कुण्डम थाने में अशोक सिंह कुंजाम उम्र 39 वर्ष निवासी झोंझ ने सूचना देकर बताया कि वह खेती किसानी करता है। दोपहर के समय उसका बेटा साहिल कुंजाम उम्र 19 वर्ष गांव के आदित्य मरावी, आदर्श मरावी, दुर्गेश मरावी, अमित मरावी, पवन परस्ते अनूप परस्ते, अवनीश बरकड़े सभी लोक चकदेही घाट परियट नदी में नहाने आये थे। नदी में नहाते समय उसका बेटा साहिल कुंजाम परियट नदी के पानी में डूब गया। तलाश करने पर दूसरे दिन चकदेही घाट परियट नदीं में बेटे का शव पानी में निकाला।

450 करोड़ की परियोजना से अपग्रेड होंगे टी-72 टैंक

भूमि पूजन करने आज आएंगे केन्द्रीय रक्षा मंत्री

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में पूरी हुई तैयारियां

कड़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

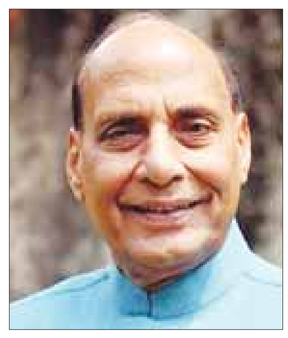

केंद्रीय सुरक्षा संस्थान व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (व्हीएफजे) के लिए आज 27 अगस्त का दिन महत्वपूर्ण दिन रहेगा। यहां आज आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व्हीकल फैक्ट्री में टी-72 टैंक ओवरहाल परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। लगभग 450 करोड़ रुपए की इस परियोजना को लेकर जिला प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्री गुरुवार सुबह लगभग 11.55 बजे विशेष विमान से दिल्ली से जबलपुर पहुंचेंगे। कार्यक्रम में व्हीकल फैक्ट्री के अधिकारियों के अलावा आयुध निर्माणी खमरिया और गन कैरिज फैक्ट्री के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

टैंकों के लिए तैयार होगा आधुनिक ढांचा

भारतीय सेना के प्रमुख युद्धक टैंक टी-72 के तकनीकी उन्नयन और ओवरहाल के लिए व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में आधुनिक ढांचा तैयार किया जा रहा है। परियोजना के पूरा होने के बाद टैंकों के रखरखाव और मरम्मत की क्षमता बढ़ेगी। इससे सैन्य बेड़े की परिचालन क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। व्हीकल फैक्ट्री के गेट नंबर-1 से सुबह करीब 10 बजे मुख्य अतिथियों और अन्य अधिकारियों का आगमन शुरू होगा। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम प्रस्तावित है।

आधुनिक सुविधाओं का होगा विस्तार

इधर कार्यक्रम को लेकर फैक्ट्री परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रवेश द्वार पर आने-जाने वाले लोगों की निगरानी की जा रही है। प्रशासनिक स्तर पर भी आवश्यक अनुमतियां और दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। नए संयंत्र के जरिए भारी सैन्य वाहनों और टैंकों के ओवरहाल में लगने वाले समय को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इससे रक्षा उत्पादन और सैन्य उपकरणों के रखरखाव में देश की आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के जरिए व्हीकल फैक्ट्री में आधुनिक तकनीक और सुविधाओं का विस्तार होगा। इससे आने वाले वर्षों में सैन्य वाहनों के तकनीकी रखरखाव और उन्नयन के क्षेत्र में फैक्ट्री की भूमिका और मजबूत होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गुरूवार 27 अगस्त को जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव सुबह 10.45 बजे इंदौर से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट आयेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा सुबह 11. 55 बजे डुमना एयरपोर्ट पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत एवं अगवानी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव केंद्रीय रक्षा मंत्री के साथ दोपहर 12.15 बजे व्हीकल फैक्टरी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंने के बाद साउथ सिविल लाइन्स में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 3.15 बजे डुमना एयरपोर्ट पहुंचेंगे और केंद्रीय रक्षा मंत्री को विदाई देने के बाद दोपहर 3.30 बजे वायुयान द्वारा भोपाल रवाना होंगे।

सोफे के नीचे फन फैलाए बैठा था कोबरा, मचा हड़कंप

जबलपुर। घर के अंदर रखे सोफे के नीचे फन फैलाए बैठे कोबरा सांप को देखकर एक परिवार में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक भेड़ाघाट निवासी राजकुमार सोनी मंगलवार रात परिवार के साथ घर में बैठे थे। इसी दौरान उनकी नजर सोफे के नीचे गई, जहां कोई वस्तु हिलती दिखाई दी। पास जाकर देखा तो फन फैलाए कोबरा फुंफकार रहा था। सांप को देखते ही परिवार के होश उड़ गए। परिवार ने पहले सांप को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह कमरे में इधर-उधर भागने लगा। इसके बाद सभी लोग घर से बाहर निकल आए और सर्प विशेषज्ञ गजेंद्र दुबे को सूचना दी। कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे दुबे ने काफी मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया। राजकुमार ने बताया कि वह रोज की तरह परिवार के साथ बैठकर खाना खा रहे थे। इसी दौरान सोफे के नीचे कुछ हिलता दिखाई दिया। पहले लगा कि शायद चूहा है, लेकिन कुछ देर बाद फुंफकारने की आवाज सुनाई दी।

ईडब्ल्यूएस की 444 सीटें घटाकर 37 करने पर मप्र हाईकोर्ट सख्त

कृषि विभाग की भर्ती प्रक्रिया का मामला, 4 सप्ताह में मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने कृषि विभाग की भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, ईडब्ल्यूएस की सीटों में अचानक की गई कटौती पर गंभीर रुख अपनाया है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित 444 ईडब्ल्यूएस सीटों को आवेदन की अंतिम तिथि के दिन घटाकर मात्र 37 किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर कोर्ट ने कृषि विभाग से जवाब मांगा है। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने कृषि विभाग की भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, ईडब्ल्यूएस की सीटों में अचानक की गई कटौती पर गंभीर रुख अपनाया है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित 444 ईडब्ल्यूएस सीटों को आवेदन की अंतिम तिथि के दिन घटाकर मात्र 37 किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर कोर्ट ने कृषि विभाग से जवाब मांगा है। आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई को शाम के समय इन सीटों की संख्या अचानक घटाकर 37 कर दी गई। याचिकाकर्ता ने इस बदलाव को चुनौती देते हुए इसे ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों के विपरीत बताया है।

अभ्यर्थियों के अधिकार हो सकते हैं प्रभावित – सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कृषि विभाग से पूछा कि ईडब्ल्यूएस की निर्धारित सीटों में इतनी बड़ी कटौती किस आधार पर की गई। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रतिवादी विभाग को 4 हफ्ते के अंदर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण संबंधी नियमों का पालन आवश्यक है। बिना ठोस कारण के सीटों में कटौती से पात्र अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद अब कृषि विभाग को सीटों में बदलाव का आधार स्पष्ट करना होगा।

जबलपुर रेल मंडल में चलाया गया टिकिट चैकिंग अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यात्रियों को उचित एवं वैध टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में दिनांक 18 से 20 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के टिकट चेकिंग स्टाफ एवं चल टिकट निरीक्षकों की टीम द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में सघन टिकट जांच की गई। अभियान के दौरान यात्री सुरक्षा, रेलवे राजस्व संरक्षण तथा अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए बिना टिकट, अनियमित टिकट तथा अनबुक्ड लगेज/सामान के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के तीन दिनों के दौरान कुल 1,325 मामलों में कार्रवाई करते हुए 7,14,120 का राजस्व प्राप्त किया गया। इनमें बिना टिकट यात्रा के 588 मामले, अनियमित टिकट के 309 मामले तथा अनबुक्ड लगेज/सामान के 428 मामले शामिल हैं। संबंधित यात्रियों से निर्धारित किराया एवं रेलवे नियमों के अनुसार अतिरिक्त राशि वसूल की गई।

खाद्य विभाग की दबिश, 40 किलो प्रतिबंधित एनालॉग मिल्क केक बरामद

पाटन और शहपुरा क्षेत्र में हुई कार्यवाही, एकत्रित किए सैंपल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री और अपमिश्रण पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पाटन और शहपुरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जांच टीम ने पाटन की 5 प्रसिद्ध मिठाई और खोवा दुकानें जिसमें बड्डू स्वीट्स, संदीप खोवा, राजू स्वीट्स, जुगल स्वींट्स तथा मदन स्वीट्स का निरीक्षण कर मावा एवं मिठाइयों के 7 नमूने एकत्र किए। इस दौरान एक दुकान से प्रतिबंधित एनालॉग मिल्क केक का सैंपल लेते हुए 40 किलोग्राम मिल्का केक मौके से जब्त किया गया। जांच अभियान के दौरान शहपुरा के भेड़ाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स की भी जांच कर मिठाइयों के 4 सैंपल लिए गए। पूरी कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने सभी विक्रेताओं को परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने और केवल उच्च गुणवत्ता वाली मिठाइयां व खाद्य पदार्थ ही बेचने की चेतावनी दी।

सड़कों पर अवारा पशुओं का जमावड़ा, हाका गैंग नदारद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सड़कों पर अवारा पशुओं के जमावड़े से आए दिन राहगीर हादसों का शिकार हो रहे है। इधर अवारा पशुओं को पकड़ने वाली हाका गैंग नदारद नजर आ रही है। कुछ ऐसा ही नजारा उपनगरीय क्षेत्र पनागर की सड़कों का है। आलम ये है कि पैदल भी लोग इन मवेशियों से बचकर निकलने मजबूर हो रहे हैं, क्योंकि जब ये आपस में लड़ने लगते हैं तो कब किसको चोट पहुंच जाए, इसका कोई भरोसा नहीं रहता है। सामने आई तस्वीर ने नगर पालिका के हाका गैंग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया। उधर स्थानीय व्यापारियों और राहगीर अब ये सवाल खड़े करते हुए भी नजर आ रहे हैं कि हाका गैंग वाले कर्मचारी आखिर कहां गायब हैं। नगर के मुख्य व्यापारियों समेत सब्जी मंडी के दुकानदारों की माने तो उनका स्पष्ट कहना है कि नगर पालिका की हाका गैंग को कई बार आवारा मवेशियों को हटाने की सूचना दी गई, लेकिन जमीनी स्तर पर अमले ने आज तक किसी भी प्रकार की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसकी नजीर सामने है।

लिंक क्लिक करते ही खाते से निकली लाखों की रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अधारताल थाने में प्रमोद वर्मा उम्र 42 वर्ष निवासी शंकर नगर सुहागी अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह प्रापर्टी बिल्डर का काम करता है। विगत दिवस उसके फेसबुक आईडी पर वीडियो देखते समय एक लिंक आयी जिसे उसने गलती से क्लिक कर दिया। इसके बाद उसके 3 बैंक अकाउण्ट से कुल 11 बार में 3 लाख रूपये अलग अलग अकाउण्ट में यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर हुये हैं। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आनलाईन के माध्यम से सायबर फ्रॉड कर 3 लाख रूपये की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

नहाते समय नर्मदा नदी के तेज बहाव में डूबे पिता-पुत्र, रेस्क्यू कार्य जारी

चरगवां थाना अंतर्गत भड़पुरा घाट का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत भड़पुरा घाट में बुधवार को नर्मदा नदी में स्नान करने के दौरान महाराष्ट्र से आए पिता-पुत्र गहरे पानी में डूब गए। इस हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र निवासी 34 वर्षीय गणेश पाटिल और उनका 10 वर्षीय बेटा लकी पाटिल भड़पुरा आश्रम दर्शन के लिए आए थे। दोनों नर्मदा नदी में स्नान कर रहे थे, इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। हादसा होते ही घाट पर मौजूद लोगों ने पिता-पुत्र को बचाने की कोशिश की, लेकिन नदी की गहराई और तेज बहाव के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

अंधेरा होने पर रेस्क्यू कार्य रोका- मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम द्वारा नर्मदा नदी में पिता-पुत्र की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। नदी के तेज बहाव के कारण बचाव दल को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हादसे के बाद घाट पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। चरगवा थाना प्रभारी सरोजिनी चौकसे ने बताया कि गणेश पाटिल मूलत: महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और खेती किसानी करते हैं। मंगलवार को तीन परिवार के तकरीबन 15 सदस्य स्नानद आश्रम दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। शाम तकरीबन 6 बजे आश्रम के पास से ही बह रही नर्मदा नदी में कुछ बच्चे खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक ही लकी पटेल का पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया बच्चे को बेहतर देख पिता गणेश ने भी पानी में छलांग लगा दी इसके बाद देखते ही देखते दोनों गहरे पानी में समा गए। इधर पिता पुत्र को पानी में बहता देख आसपास लोग मौजूद ने शोर मचाना शुरू कर दिया कुछ ही देर बाद चारगांव थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर रेस्क्यू करना शुरू कर दिया, लेकिन नर्मदा नदी में पानी का बहाव तेज होने के चलते पिता पुत्र का पता नहीं चल पाया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और काफी देर तक पिता पुत्र को तलाश करते रहे लेकिन दोनों ही नहीं मिल पाए अंधेरा होने के कारण फिलहाल रेस्क्यू को रोक दिया गया है।

शराब दुकान के कर्मचारी से दिनदहाड़े लूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मानेगांव स्थित शराब दुकान की बिक्री के पैसे लेकर ऑफिस जमा करने जा रहे एक कर्मचारी को रास्ते में रोककर चार बदमाशों ने लूट लिया। आरोपी पीड़ित से छीना-झपटी व मारपीट कर पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक कृष्णा सिटी माढ़ोताल निवासी अनिल सिंह ठाकुर (38) मानेगांव देशी शराब दुकान में कार्यरत है। वह अपनी मोटरसाइकिल से दुकान की बिक्री के कुल 71,840 रुपये नीले रंग के बैग में रखकर कटंगा (गोरखपुर) स्थित ऑफिस जमा करने जा रहा था। बैग में 12,210 रुपये देशी और 59,630 रुपये अंग्रेजी शराब की बिक्री के थे। जैसे ही अनिल भटोली पुल के आगे मोड़ पर पहुंचा, नीले रंग की एक्टिवा और एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार चार बदमाशों ने उसकी गाड़ी के आगे अपनी एक्टिवा अड़ा दी। इससे अनिल अनियंत्रित होकर गाड़ी समेत सड़क पर गिर गया।

पीएम का पुतला दहन कर कांग्रेसियों ने महंगाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

आमजन को राहत देने की उठाई मांग, बड़े आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

महंगाई के विरोध में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के पं. जवाहरलाल नेहरू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बलवंत सिंह गुर्जर एवं नगर कांग्रेस सचिव मिथुन शिवहरे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मदन महल चौक, दशमेश द्वार पर केंद्र की मोदी सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आम जनता को राहत देने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी के घर का बजट बिगाड़ दिया है। खाद्य सामग्री, तेल, गैस, दाल, सब्जियों एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सीधा असर मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। महंगाई के कारण आम नागरिक परेशान है और उसके सामने अपने परिवार का घर चलाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।

ठोस कदम उठाने की मांग - कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार को महंगाई पर तत्काल प्रभावी नियंत्रण के उपाय करने चाहिए तथा आम जनता को राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के हितों से जुड़े इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार आवाज बुलंद करते रहेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सलिल चौकसे, प्रमोद पटेल, अभिषेक पाठक, नगर महासचिव रितेश बंटी गुप्ता, पार्षद गुड्डू तामशेतवार, लखन प्रजापति, नगर महासचिव मिंटू मिश्रा, श्रेष्ठ ठाकुर, सचिन बाजपेई, आलोक गुप्ता, अशोक यादव, पश्चिम युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन सिंह, जितेंद्र निर्मल, मोहित वंशकार, सहित बड़ी संख्या में विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर महंगाई के खिलाफ संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया और केंद्र सरकार से जनहित में ठोस कदम उठाने की मांग की।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**